हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

22 सितम्बर, 1982

खंड 2, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 22 सितम्बर, **1982**

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उतर	(3) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये	(3) 23

तारांकित प्र नो के लिखित उतर	
विभ्भिन्न विशयों का उठाया जाना	(3) 28
स्पश्टीकरण	
मुख्यमन्त्री द्वारा यूथ कांग्रसी कार्यकर्ता के बारे में छपे समाचार संबंधी	(3) 31
ध्यानाकर्शण सूचना	
अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध न होने तथा फसलो का मुआवजा देने संबंधी	(3) 33
वक्तव्य	
राजस्व मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्शण सूचना संबंधी	(3) 33
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(3) 36
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(3) 37
दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (तं0 4) बिल, 1982	(3) 37

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 22 सितम्बर, 1982

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ. में प्रातः 9,30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारासिंह) ने अधयक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Prevention of Malaria

***8. Shrimati Chandravati :** Will the Minister for Health be pleased to state:-

(a) the expenditure incurred to control Malaria in the State during the year 1979-80 and 1980-81 together with the details of result achieved;

(b) whether any cases of purchase of ineffective insecticides, which failed to destroy mosquitos, required for the purpose referred to in part (a) above, have come to the notice of the Government during the said period; and

(c) if so, the action taken in the matter?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी)

(क)	1979–80	217.60 लाख रूपये
	1980–81	362.18 लाख रूपय

वर्श 1979–80 मे वर्श 1978–79 के मुकाबले मलेरिया रोगियों की संख्या में 37.68 प्रति ात तथा वर्श 1980–81 में वर्श 1979–80 की अपेक्षा 32.4 प्रति ात की कमी हुई

(क)	जी नही।
(ख)	इसका प्र न नही उठता।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदया ने फिग्गर्ज गलत दी हैं। मलेरियां बढा हैं, घटा नही।

मुख्य मन्त्री(चौधरी भजन लाल): माननीय सदस्या बहुत पुरानी और तजुर्बेकार मैम्बर हैं। कुछ दिनों इतफाक से मिनिस्टर भी रही हैं। उनका यह कहना ठीक नही कि आंकड़े गल्त दिये है। वे साबित करें कि किस आधार पर गलत है।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप मेरे बारे में तो यह कहते है कि इतफाक से मिनिस्टर रही हैं और कैसे बने हुए हैं?

चौधरी भजन लालः हम भी इतफाक से ही हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः मैं कह रही हूं कि गांवो और भाहरों में मलेरियां बढा हैं, घटा नही हैं, इसलिए ये फिगर्ज गलत दी हैं।

चौधरी भजन लालः आप आकड़ें दे कर साबित करें कि फलां साल में इतने आंकड़ें थे और फलां साल में इतने बढ गये तब तो हम माने कि फिग्गर्ज गलत हैं। वैसे ही कह देने से फिग्गर्ज गलत नही हो सकती।

श्री अध्यक्षः आप आकडों से साबित करें कि फिग्गर्ज गलत दी है।

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदया ने अपने जवाब में कहा है कि वर्श 1979–80 में वर्श 1978–79 के मुकाबले मलेरिया रोगियों की संख्यां में 37.68 प्रति ात तथा वर्श 1980–80 की अपेक्षा 32.4 प्रति ात की कमी हुई। मैं मिनिस्टर महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या सन् 1980–81 से 1981–82 में भी मलेरियां कम हुआ है या ज्यादा हुआ हैं।

श्रीमति प्रसन्नी देवीः सन 1981 में 3,05,690 केसिज हुए औरप 1982 मे 31 जुलाई तक 86,701 केसिज हुए। फिग्गर्ज कह हुई हैं, ज्यादा नही।

श्री वीरेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदया, बताने का कश्ट करेंगी कि जों मच्छर मारने की दवाईयां ईजाद हुई है, उनसे मच्छर इम्युन हो चुके हैं और उनके स्थान पर अब कौन सी दवाईयां इस्तेमाल होती हैं?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः मच्छर मारने के लिए डी0डी0टी0, बी0एच0सी0 और मैलाथीन को इस्तेमाल किया जाता हैं।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मन्त्री महोदया बताने को कश्ट करेंगी कि उन्होने जो आकड़े दिये हैं, वे भाहर में जो मरीज हस्पताल में दाखिल हुए, उनके आधार पर दियें है या गांव के आकड़ें भी कलैक्ट करके दिये हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी इस काम में लगे हुए हैं। वे हर 15 दिन के बाद गावों मैं जाते हैं। अगर कोई बिमार होता हैं तो उसको टैस्ट करतें हैं, दवाई देते हैं। उसी के आधार पर भाहरों और गावों की मिली जुली रिपोर्ट होती हैं।

डा0 मगंल सैनः क्या मन्त्री महोदया मे नोटिस में है कि अब मलेरिया और टाइफाइड के बीच की एक नई बीमारी चली है, जिसकी वजह से काफी लोग बीमार हैं? उसकी रोकथाम के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये हैं?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः यह सवाल मलेरिया से सम्बन्धित हैं। इसके लिए अलग से नोटिस दें।

श्री अध्यक्षः इस बीमारी के बारें मैं मैने भी पढा हैं। अगर आप रोक–थाम के विशय में जानकारी चाहतें है तो अलग से नोटिस दें।

चौधरी भजन लालः चाहे मलेरिया हों, टाइफाइड हो या अन्य बीमारी हों, हैल्थ डिपार्टमैन्ट का सारा स्टाफ सतर्क रहता हैं। जो भी कार्यवाही करनी चाहिए, की जाती हैं। डाक्टर साहब ने जो कुछ भी कहा हैं, उसके बारे में सरकार जागरूक हैं। इस बिमारी की रोकथाम के लिए कदम उठाये जा रहें हैं ताकि कम से कम लोग बीमार हों।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या यह फैक्ट है कि आज से दस साल पहले मलेरिया करीब करीब खत्म हो चुका था लेकिन अब दुबारा फिर फैल गया हैं? क्या सरकार ने दस बारे में जांच करवायी है और इसे खत्म कराने के लिए क्या–क्या कदम उठायें है?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, जब कोई बीमारी फैल जाती हैं तो उसके लिए सरकार कदम उठाती हैं। जैसे मैनें तीन दवाइयों का अभी जिक्र किया। भाहरों मे तेल छिड़काव करतें हैं। जगह–जगह पर हमारे सैन्टर हैं, वहां टैस्ट करते हैं। लोगों को ट्रेनिग देतें हैं। सो ाल वर्कर्ज, सरपंच और अन्य कर्मचारियों का ट्रेनिग देते हैं ताकि मलेरिया न फैल पायें। सरकार पूरी तरह जागरूक हैं।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सन् 1977 मे मलेरिया की वजह से 6,39,063 व्यक्ति बीमार हुए, 1978 में 7,08,881 1979 में 4,36,420 व्यक्ति, 1980 में 2,09,334 व्यक्ति, 1981 में 3,05,690 व्यक्ति और 1982 मे जुलाई ताक 86,701 व्यक्ति बीमार हुए। सन् 1978 के मुकाबिलें में हमने इस बिमारी को काफी हद तक कन्ट्रोल करनें की कोि ा ा की हैं।

Transfers of Officers /Official of Health Department posted in Pehowa Constituency

***64. Chaudheri Sahab Singh Saini:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that transfers of a large number of officers/Officials of Health Department posted in Pehowa constituency of District Kurukshetra were made during the months of July and August, 1982; if so, the reasons for transfers on such a mass scale; and

(b) whether it is also a fact that transfers of some of the officers/official] out of those referred to in part (a) above were later on stayed/cancelled; if so, the reasons therefore?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री मति प्रसन्नी देवी):

(क) लम्बे–चोड़े स्थानातरण नही हुये।

(ख) हां। प्र ाासनिक कारणों से।

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदया ने अपने जवाब में यह कहा हैं कि पेहवा हल्के में कोई लम्बे–चौड़े स्थानान्तरण नही हुए हैं। मैं इनसे एक बात यह पूछना चाहता हूं कि वहां पर कुल कितनें ट्रांसफर्ज हुए हैं, दूसरे क्या कारण यह तथ्य नही है कि वहां पर वैटर्नरी हास्पिटल में कुछ स्टाफ को और इसी तरह से एक लेडी डाक्टर को स्थानान्तरण किया गया हैं?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, मैम्बर साहब को यह पता होना चाहियें कि वैटर्नरी हास्पिटल स्वास्थ्य विभाग के तहत नही आतें हैं। मै इनकों यह बताना चाहती हूं कि पेहवा हल्के में कुल 9 ट्रांसफर्ज़ किये गये है।

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने यह कहा है कि केवल मात्र 9 ट्रांसफर्ज किये गये हैं। मैं इनसे यह पुछना चाहता हूं कि इनमें से कितने रोके गये है और किस आधार पर रोके गये हैं? इन्होने अपने रिटन रिप्लाई में तो यह कह दिया हैं कि कोई लम्बे–चौड़े स्थानान्तरण नही हुए हैं। ''ज्यादा'' तो समझ में आ सकतें है लेकिन '' लम्बे–चौड़े'' कहना समझ मे नही आता। इसी सवाल के पार्ट (बी) के जवाब मे इन्होने यह कहा है कि एडमिनिस्ट्रेटिव ग्राउन्ड्ज पर रोके गये हैं। क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि वह किसी कि व्हिम की वहज से रोके गये हैं या किसी दूसरे कारणों से रोके गये हैं?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, तीन ग्राउन्डज पर ट्रांसफर्ज होते हैं, लम्बी अवधि, कपल केस या ि ाकायत। इसके अलावा अगर किसी को दूसरी जगह लगाना पब्लिक इन्ट्रैस्ट में हो तो भी ट्रांसफर किया जा सकता हैं। हमने इनमें से केवल 3 ट्रांसफर्ज रोके है। एक तो लेडी डाक्टर हैं, एक श्री ओम प्रका ा, जिसे पेहोवा से अम्बाला ट्रांसफर किया गया था, इनका ट्रांसफर लोंगर स्टे होने की वजह से किया गया था लेकिन उनकी दरख्वास्तें आने पर उनकी मजबूरियों को देखते हुए इनको रोक दिया गया है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं आपकें माध्यमे से मन्त्री महोदया से एक जानकारी लेना चाहता हूं। अभी मन्त्री महोदया ने अपने जवाब में यह बताया हैं कि स्थानान्तरण करते समय लोंगर स्टे और ि ाकायत को भी ध्यान में रखा जाता हैं। स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ़ हस्पताल के बारे में 10 तारीख के ट्रिब्यून में ''हास्पिटल अन्डर क्लाउड'' के हैडिंग के तहत एक खबर छपी थी और पहले एक डाक्टर ने पोस्टमार्टम करना रोक दिया था लेकिन अभी तक उस डाक्टर को ट्रांसफर नही किया गया? क्या मन्त्री महोदया इस बात को ध्यान मे रखतें हुए कंसर्ड डाक्टर के खिलाफ कोई एक ान लेगी?

Mr. Speaker: This has no relevancy to the question being answered.

Shri Ram Bilas Sharma: Sir, it is concerned with this very question. (Interruptions)

श्री अध्यक्षः मै उनको जवाब देने के लिये बाध्य नही कर सकता क्योकि यह सवाल मेन सवाल से सम्बन्धित नही हैं।(व्यवधान व भाोर)

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदया एक पुरानी लैजिस्लेटर हैं, अगर वे जवाब दे सकती हैं तो दे लेने दीजिये।(व्यवधान व भाोर)

श्री राप बिलास भार्माः मन्त्री महोदया, ने यह बताया है कि लोंगर स्टे और ि ाकायत को ध्यान रखते हुए ट्रांसफर्ज किये जातें है तो महेन्द्रगढ़ में ि ाकायत को ध्यान रखते हुए ट्रांसफर्ज क्यो नही किये गये। (व्यवधान व भाोर)

श्रीमति प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, इसके लिये अलग से नोटिस दे दें, जो भी बात यह पूछेगें, हम बता देंगें और अगर इनको ि ाकायत होगी तो उसको भी दूर करेंगे।

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदया यह बताने का कश्ट करेंगी कि क्या यह तथ्य है कि जिन लोगों ने आज के कुछ मंत्रियों और एम0एल0एज0 की चुनावों में मुखालफित की थी, उनकी ट्रांसफर्ज इनके कहनें पर की गई? क्या यह तथ्य नही है कि चौधरी लाल सिंह के कहने पर उनके चुनाव क्षैत्र में ट्रांसफर्ज किये गयें है।(व्यवधान व भाोर)

लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह): आपके कैंडीडैट भूशण के कहने पर बदले गये हैं। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी से एक बात बड़ी ही सीरीयसली पूछना चाहता हूं कि क्या यह बात गलत नही है कि एक मंत्री महोदय ने मुख्य मंत्री को यह कहा था कि मुझे जान का खतरा हैं और इनके कांग्रेस का ही आदमी इनको कत्ल करवाने की कोि ा ा कर रहा है? यह आम जनता में एक मजाक का मजबून बना हुआ हैं कि सिक्योरिटी होतें हुए भी एक मंत्री ऐसा कह रहा हैं। क्या इस बात पर रो ानी डालेंगे कि ऐसा क्यो हो रहा हैं?

चौधरी लाल सिंहः यह तो मियां–बीवी का झगड़ा होता ही रहता हैं।

डा0 मगंल सैनः अगर यह मियां–बीवी का झगड़ा हैं, तो मै दखल नही देता। अगर कांग्रेस वाले अब आपस में मियां–बीवी चेंज हो गये हैं तो कोई बात नही है।

मुंख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, जहां तक ट्रासफर्ज का ताल्लुक हैं, कोई भी ट्रांसफर बदले की भावना से नही की गई हैं। अगर वही से कोई ि ाकायत आये या फिर लोगर स्टे हो, तब ट्रांसफर की जाती हैं। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः जी हां। आप कोई ि ाकायत नोटिस में लायेंगे, तो उसका कोई न कोई इलाज अव य करेंगे।

जहां तक ट्रांसफर्ज को सम्बन्ध है, जैसे मंत्री महोदया ने बताया है वह आम तौर पर तभी की जाती हैं यदि कोई ि ाकायत हो या किसी को लोंगर स्टे हो।

Out of order Transformers in the State

***18 Chaudheri Kundan Lal:** Will the Minister for Irrigation & Power pleased to State—

(a) the number of transformers which were out of order in the State as on 01-09-1982 together with the number out of those which remained as such during the last six months and one year separately;

(b) the reasons for not getting the transformers, as referred to in part (a) above, repaired immediately;

(c) whether any of the transformers, referred to in part (a) above have been repaired/replaced and are in working order at present; and

(d) the number of transformers required by the Haryana State Electricity Board at present together with the total cost therof and the time by which these are likely to be procured?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):

(क) दिनांक 01–09–1982 तक क्षतिग्रस्त हुए ट्रांसफार्मरों की सख्यां 424 है तथा पिछले छः मास और एक वर्श में कोई ऐसा ट्रांसफार्मर नही है जो क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा हों।

(ख) क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों को भीघ्र ही समीपवर्ती वर्क ाप में भेज दिया जाता हैं और उपभोक्ताओं की कठिनाईयों को दूर करने के लिये क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों के स्थान पर स्टाक से नये/ठीक ट्रांसफार्मर लगा दिये जाते है और मुरम्मत वर्क ाप में आये क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मरों की यथा समय मुरम्मत कर दी जाती हैं।

(ग) अब अर्थात दिनांक 01–09–1982 से 16–09–1982 तक एक सौ ट्रांसफार्मरों की मुरम्मत की जा चुकी हैं। इन ट्रांसफार्मरों को पहले ही क्षतिग्रस्त ट्रांसफामरों को परिवर्तित करने के लिए क्षैत्रीय कार्यालयों को भेज दिया जाता हैं और ये चालू हालत में हैं।

(घ) चालू वर्श में कनैक ान देने तथा क्षतिग्रस्त यूनिटों को बदलने के दिए 6,000 ट्रांसफार्मरों की आव यता हैं। बोर्ड 3,113 यूनिटों के लिये आदे ा जारी कर चुका हैं। भोश प्रप्ति के लिये कार्य प्रारमी कर दिया गया हैं तथा इसी महीने के अन्दर रूप दे दिया जाऐगा। जिस पर लगभग 5.4 करोड़ अनुमानित लागत आने की आ ाा की जाती है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में यह कहा है कि पिछले छः मास और एक वर्श से कोई ऐसा ट्रांसफार्मर नही है जो क्षतिग्रस्त हालत में पडा हो। क्या यह बात उनके नोटिस में हैं कि दो–दो, तीन–तीन और चार–चार महीने तक ट्रांसफार्मर्ज जले पडें रहते है जिनकी वजह से कन्ज़यूमर्ज को काफी नुक्सान होता हैं। यदि उनके नोंटिस में एसी बात है तो क्या कोई राहत देता है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जो ट्रांसफार्मर्ज जल जाते है, उनकी रिप्लेसमैंट की जाती हैं। उसके लिये बाकायदा हमने सर्कल में, सब–डिविजन में और डिविजनों में रजिस्टर लगा रखे हैं। जिस डैट को ट्रांसफार्मर जल जाता हैं, उसी प्रोयोरिटी के हिसाब से जब ट्रांसफार्मर्ज मुरम्मत होकर आते रहतें है, उनको रिप्लेस करते रहते हैं। मुआवजा देने या राहत देने का सवाल पैदा नही होता।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह है कि कंज़यूमर्ज़ को ट्रांसफार्मर जल जाने की वजह से जो बिजली नही मिलती, उसकी वहज से उनकी फसलें मर जाती हैं। क्या कोई राहत पुहंचाने की कोि ा ा की जाती हैं ताकि उनका नुक्सान न हो?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब कोई ट्रांसफार्मर्ज जल जाता हैं तो वहां पर नया ट्रांसफार्मर न

रिप्लेस हो जाये तब तक वहां के कंजयूमर्ज को किसी दूसरे ट्रांसफार्मर के साथ लगाने के पूरे–पूरे प्रयत्न किये जाते हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत मंत्री महोदय से एक बात पूछना चाहता हूं। हरियाणा में बहुत से गांव ऐसे हैं जहां पर जब बिजली के क्नैक ान दिये गये तो उस समय डिमान्ड कम होने की वजह से वहां पर छोट ट्रांसफार्मर्ज लगाये गये थे। अब चुंकि कनैक ानज़ के लिए बहुत मांग आ रही हैं इसलिये वहा पर ट्रांसफार्मर्ज उतना लोड उठा नही पाते। क्या मंत्री महोदय वहो पर नये और बड़े ट्रांसफार्मर्ज लगाने को विचार करेंगें?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः यह बात तो हम निरन्तर करते रहतें हैं। जहां–जहां पर ट्रांसफार्मर्ज पर लोड़ बढ जाता हैं, उनको हम रिप्लेस करके वहां पर बड़े ट्रांसफार्मर्ज लगाते रहते हैं तभी वहां पर नये कनैक ान्ज दिये जातें हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः मंत्री महोदय ने बताया है कि जिस कंज्यूमर का ट्रांसफार्मर रिप्लेस नही होता तब तक हम उनको दूसरें ट्रांसफार्मर से कनैक्ट कर देते हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उन कंज्यूमर्ज को आप क्या राहत देतें हैं जिनको आप दूसरे ट्रांसफार्मर से कनैक्अ नही करते हैं?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं इनका मतलब नही समझा कि ये राहत में क्या चाहते हैं?

श्री अध्यक्षः राहत से इनका मतलब यह है कि अगर किसी कंज्यूमर को पन्द्रह दिन तक बिजली नही मिली हो क्या उसको बिजली के बिल में कुद राहत देंगे?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड और सरकार इस बात का भरसक प्रयत्न करती है कि जल्दी से जल्दी मरम्मत करवा कर या नया ट्रांसफार्मर लगा दे। इसलिए बिजली बोर्ड ने छः हजार ट्रांसफार्मर्ज खरीदने का आर्डर दिया हैं औरप ये जल्दी ही स्टाक में आ जाऐंगे। बहुत ज्यादा दिनों तक किसी भी कंज्यूमर को ट्रांफार्मर के लिए इन्तजार नही करना पड़ता इसलिए बिल में हम राहत नही देतें।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर दो–तीन महीने तक ट्रांसफार्मर रिप्लेस न हो तो क्या बिजली के बिल में कुछ राहत दी जाऐगी?

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय ने क्लीयर जवाब दिया हैं कि बिल में राहत देने का तो कोई सवाल नही हैं।

श्री कंवल सिंह : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर किसी को पन्द्रह दिन बिजली नही मिलती तो कया उस कंज्यूमर को कम्पनसेट किया जाएगा?

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय कहा कि कम्पनसेट नही करते।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई हार्डि ाप को केस मेरे नोटिस में लाऐंगे तो उस पर जरूर विचार कर लेगें।

चौधरी हुकम सिंह फोगाटः मंत्री महोदय ने बताया है कि जो ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है उसका वर्क ााप में भेज दिया जाता हैं और उसकी जगह दूसरा रिप्लेस कर दिया जाता हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ट्रांसफार्मर को रिप्लेस करने के लिये कोई टाईम लिमिट है कि कितने दिन के अन्दर–अन्दर जरूर रिप्लेस कर दिया जाएगा? छः–छः महीने तक ट्रांसफार्मर रिप्लेस नही होता। मेरी कांस्टीचूऐन्सी में बत्तीस ट्रांसफार्मर जले हुए हैं लेकिन वे रिप्लेस नही किए गए है। कंज्यूमर्ज को जवाब यह दिया जाता है कि ट्रांसफार्मर नही हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैम्बर साहेबान जनरल बात कर रहे हैं अगर कोई स्पैसिफिक बात करें तो हैल्पफुल होंगा। अध्यक्ष महोदय, एक भी ऐसा ट्रांसफार्मर नही है जो छः महीने से जला पड़ा हो। सारी स्टेट मे 35 हजार डिस्ट्रीब्यू ान ट्रांसफार्मर्ज हैं। हमारे पास तीन वर्क ााप हैं। एक वर्क ााप में नए ट्रांसफार्मर भी बनते हैं और सरकार बाहर से भी खरीदती हैं। हम कोि ा ा करते है कि जल्दी से जल्दी ट्रांसफार्मर रिप्लेस कर दिया जाए।

श्री देवी दासः मन्त्री महोदय ने बताया है कि 424 ट्रांसफार्मर खराब है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या ये 424 ट्रांसफार्मर एक ही कम्पनी है या अलग–अलग कम्पनीज़ के है और जो 3,113 ट्रांसफार्मर्ज को आर्डर प्लेस किया है क्या यह वही फैक्टरी तो नही हैं जिसके पहले ही खराब ट्रांसफार्मर्ज हैं?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो 424 ट्रांसफार्मर्ज डैमेज्ड है और जो रिप्लेस नही हो सकें हैं, व किसी एक ही फैक्टरी के नही हो सकते। जो नए ट्रांसफार्मर्ज खरीदन के तीन कम्पनियों को आर्डर दिए हैं। इनमे से एक कम्पनी हरियाणा की हैं और दो कम्पनीज बाहर की है। अगर हम एक ही कम्पनी हो आर्डर देते हैं तो इतनी जल्दी वह अकेली कम्पनी कर सकती थी इसलिए हमने अपनी डिमान्ड को तीन कम्पनियों में ओवर किया हैं।

श्री निहाल सिंहः क्या मन्त्री महोदय, बताने की कृपा करेंगे कि जा 424 ट्रांसफार्मर्ज खराब हैं, उनकी डिस्ट्रिक्ट–वाईत ब्रेकअप क्या हैं?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बिजली की आर्गेनाइजे ान डिस्ट्रिक्टवाइज नही है। वैसे तकरीबन चालीस ट्रांसफार्मर्ज सरकलवाईज खराब हैं यानी सरकलवाईज तकरीबन यह औसत हैं।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, ट्यूबवैल्ज को बिजली सप्लाई करने के दो तरीके हैं। एक मीटर्ड ओर दूसरा फलैट रेट हैं। ट्रांसफार्मर खराब होने से अगर किसी कंज्यूमर को बिजली नही मिलती तो क्या फलैट रेट का वेव किया जाएगां?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह इस सवाल का सबजैक्ट मैटर जो नही है लेकिन जो सजैशन दी है इस पर बिजली बोर्ड पूरी तरह से गौर करेगा और इस सम्बन्ध में जो उचित बात होगी वह की जाऐगी।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि नरवाना के अन्दर कितने डैमेज्ड ट्रांसफार्मर्ज है और जींद के अन्दर कितने हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै पहले ही बता चुका हूं कि मेरे पास डिस्ट्रिवाइज फिग्गर नही हैं। इसलिए मैं जीन्द और नरवाना के बारे में नही बता सकता कि कितने – कितने खराब है।

श्री राम बिलास भार्माः मन्त्री महोदय ने बताया है कि 424 ट्रांसफार्मर्ज डैमेज्ड हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या उन्होने ट्रांसफार्मर्ज के डैमेज्ड होने के कारणो का पता लगाने की कोि ा ा की है और उन कारणो को दूर करने के लिए सरकार ने क्या उपाए किण हैं?

श्री अध्यक्षः जिन कारणों से ट्रांसफार्मर्ज खराब होतें हैं, उनका आपको भी पता है। कई बार ट्रांसफार्मर्ज की कैपैसिटी से ज्यादा की मोटरें लग जाती हैं इसलिए सड़ जाते हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः पहला कारण तो यह है कि चाहे इंडस्ट्रियल कंज्यूमर्ज है चाहे ट्यूबवैल कंज्यूमर्ज हैं, वे मोटर तो ज्यादा होर्स पावर की लगा लेत है और उस पर प्लेट कम होर्सपावर की लगा लेते है। इससे लोड की कैलकुले ान बहुत ज्यादा ऐक्सीड कर जाती हैं। दूसरा कारण यह है कि कई बार उपभोक्ता ट्रांसफार्मर को छेड़ देते हैं, उसका स्विच और दूसरी चीजें छेड़ देतें हैं। तीसरा कारण यह है कि बिजली बोर्ड ने जो कपेसिटर्ज लगाए हैं, कंज्यूमर्ज उनको डिसकनैक्ट कर देते हैं। इसके अलावा कई दफा आयल की इन्टरनल लीकेज हो जाती हैं उससे भी खराब हो जाता हैं। अध्यक्ष महोदय, तो दो फेज में बिजली दे रहे हैं इसका भी ट्रांसफार्मर पर लोड़ पडता हैं।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मेरे सवाल को जो दूसरा पार्ट है कि इन कारणो को दूर करने के लिए आप क्या कर रहे हैं, का जवाब नही आया हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अब बिजली बोर्ड सील टाईप ट्रांसफार्मर लगा रहा हैं जिसमें आयल लीक नही हो सकता ओर साथ ही साथ प्रोटेक ान भी हैं। कपेसिटर्ज लगाने के लिए हम रेडियो और अखबार द्वारा भी प्रचार कर रहे हैं।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: स्पीकर साहब, ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण से लोगों को बिजली को कनैक ान नही मिलता। मेरे जिला में पांच सौ ऐसे कंज्यूमर्ज है जिनको एक साल से टैस्ट रिपोर्ट मिल चुकी हैं लेकिन ट्रांसफार्मर न होने के कारण कनैक ान नही मिल रहा हैं। लोगों ने बैकों से कर्जा लिया हुआ है और उन पर बैंक का ब्याज पड़ रहा हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जिन लोगों को टैस्ट रिपोर्ट मिल चुकी है, उनको कब तक बिजली का कनैक ान दे दिया जाएगा?

10.00 बजें

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड ने इस साल में 20–25 हजार के करीब ट्यूबवैल कनैक ांज रिलीज करने का फैसला किया है। इन मे से अक्तूबर के अन्त तक लगभग 10 हजार कनैक ान बिजली बोर्ड द्वारा दे दिये जाऐगें और बाकी के ट्रांसफार्मर्ज के बेसिज पर देंगे। नवम्बर में ट्रांसफार्मर्ज की सप्लाई भाुरू कर देगें और आ ाा है यह टारगैट 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।

श्री फतेह चन्द विज: अध्यक्ष महोदय, कई ि ाकायतें आई है कि कई जगहों पर ट्रांसफार्मर्ज आठ और दस दिन के अन्दर–अन्दर ही रिप्लेस कर दिये जातें है और कई जगहो पर दो–दो, तीन–तीन महीनों तक भी रिप्लेस नही किये जाते हैं, क्या

ऐसा सरकार के नोटिस में है और सरकार इस की जांच करने की कृपा करेंगी?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर की जो ि ाकायत हैं, इस बारे में वे मुझे स्पैसिफिक जगह का नाम लिख कर दें, सरकार इंक्वायरी करवायेगी। वैसे ऐसी कोई ि ाकायत हमारे नोटिस मे नही हैं। मैनें पहले ही यह बताया है कि हमने एक ऐसा रजिस्टर बनाया गया हैं जिसमें बाकायदा ट्रांसफार्मर्ज की ऐन्टरी होती हैं। जो ट्रांसफार्मर्ज पहले आते हैं वे पहले रिपेयर/रिपलेस किये जाते है और बाद मे आते हैं, उनका नम्बर बाद में आता हैं।

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, बहुन सी ऐसी फक्टरियां, मिलें और भालर्ज है जाकि साल में केवल दो तीन महीने ही चलते हैं और बाकी सारा साल वे बन्द रहते हैं। क्या सरकार उन फक्टरियों, मिलो और भालर्ज को फीड करने वाले ट्रांसफार्मर्ज को साल के बाकी दिनों में दूसरी जगह लगाने का विचार रखती हैं ताकि उन बेकार में पड़े ट्रान्सफार्मर्ज का सही रूप से फायदा उठाया जा सके?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ओनरेबल मैम्बर का सजै ान बहुत अच्छा हैं। बिजली बोर्ड पहले ही इस तरह के प्रयत्न कर रहा हैं और जहां–जहां सम्भव होता हैं, वहां पर हम कर रहे हैं।

श्री निहाल सिंहः मन्त्री महोदय यह बताने को कश्ट करेंगे कि सारे हरियाणा में ट्रांसफार्मर्ज बनाने की कितनी फैक्टरीयां है और वे कहां–कहां पर स्थित है? क्या सरकार हर जिलें में इस तरह की फैक्ट्ररियां खोलने का विचार रखती हैं।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस तरह की फैक्ट्ररियां हरियाणा में धूलकोट, हिसार और बल्ल्भगढ़ वगैरह में हैं। धूलकोट की वर्क ाप में एक महीने में करीब 80 ट्रांसफार्मर्ज बनाये जाते हें और बाकी तीनों वर्क ाप में एक महीने में 275–300 के करीब ट्रांसफार्मर्ज की रिपेयरप को काम किया जाता हैं। इस के अलावा सरकार ट्रांसफार्मर्ज को मैनुफैक्चर और रिपेयर करने के लिय और फैक्टरियां/वर्क ाप खोलने का प्रवाधान करने जा रही हैं।

Admission to M.B.B.S. Course in Medical colleage, Rohtak

***34 Chaudhri Om Parkash:** Will the ministerfor Health be pleased to state—

(a) the total number of seats sanctioned for admission to the M.B.B.S Course in the medical college, Rohtak, during the academic year 1982-82;

(b) the number of students admitted to the said course agaisnt general quota, reserve quota and by nominations during the academic year referred to in part (a) above, separately; and

(c) the percentage of marks obtained by the student in the qualifying examinatin held for admission, to the said course in the above said college during the year1981-82 together with the names and addresses of the nominated candidates?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a)		160		
(b)	(i)	Open Seats	80	seats
	(ii)	Nominee of Tripura Govt.	1	seats
	(iii)	Nominee of Govt. of India	1	seats
	(iv)	Scheduled Castes/Scheduled Tribes	32	seats
	(v)	Rural Areas	25	seats
	(vi)	Children of deceased/disabled/discharged Military personnel	4	seats
	(vii)	Backward Classes	8	seats
	(viii)	Cildren of INA personnel	1	seats

	(ix)	Nominee of Haryana Govt.	8	seats
	(x)	Admissions on account of orders of High Court/Supreme Court	20	seats
		Total	180	seats

(c) Nominated candidates were not required to appear in the pre-enterance test like other candidates and as suchthe question of precentageof marks in their case does not arise. However, 2 candidates namely Miss Sunanda Garg and Miss Sandeep Maini Had appeared in the pre-enterance test and they obtained 41.25% and 47.20% marks respectively in this test.

A list containing the names of students nominated by Haryana Government to M.B.B.S course is placed on the table of the House.

I. By Government of India:

Aguocha Bornaventure Uche S/o sh. Baniface Q. Aguocha No. 30, Obohia Raod, Aba, IMO, State Nigeria.

II. By Government of Tripura:

Chinmoy Biswas S/o Dr. C.R. Biswas, Combined ORDE & A.P. Eye Hospital Campus, Qr. No. Type ET/I/A, Tagore Road, Kanpu, 208004, Cantt.

III. By the Government of Haryana:

1. Kumari Kiran Sharma D/o Sh. Hans Raj Sharma, C/o Mr. Gulan Nabi Azad, M.P., I-Rajaji Marg New Delhi.

2. Kumari Kuljit Kaur D/o sh. Onkar Singh, Kothi No. 288, Sector 15-C Chandigarh.

3. Kumari Sunita Rathi, D/o Sh. Daljit Singh Rathi, V&P.O. Khasar, For Correspondence, H. No. 107, Ward No.27, Deepak Flat, Bharat Colony, Rohtak.

4. Quazi Babi Yasmeen D/o Quazi Mohd. Sadiq, C/o Paris Langro House Residency Raod, Sirinager.

5. Kumari anita Nagpal, D/o Sh. Krishan Partap Nagpal, C/o Sh. Vinod Kumar Mehta, S/o Sh. Jaswant Rai Mehta, Mandi Adampur, Distt. Hissar.

6. Kumari Sunanda Garg D/o Dr. P.S. Maini, 12/6-J, Medical Enclave Rohtak.

7. Sh. Rajiv Nangia S/o Sh. R.C. Nangia, Student of B.Sc. Ist Year, F. 432, New Rajinder Nager, New Delhi.

चौधरी औम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नही है प्रोसपैक्टस के अनुसर नोतीनेट करने के लिए केवल पांच ही सीटे थी लेकिन बाद में एक–एक करके हरियाणा सरकार नक और सीटे बढा दी औउ आठ तक ले गयें इसके क्या कारण हैं? क्या यह सही नही है कि कुछ नेताओं के दबाव के कारण,

अफसरों के रि तेदारों को भर्ती करने के कारण यह सीटे बढाई गई हैं और उनके बच्चों की नोमीने ान की गयी हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सारी बातों को ये लोग भी जानजे है कि हमारे पास नोमिने ान के लिए बहुत सी एप्लीके ान्ज आ गई थी जिनके बारे में एम0पीज0, एम0एल0एज0 और हो सकता है कि कुछ अधिकारगण ने भी कहा होगा। जिन आठ मो मैने जिक्र किया हैं उन में से एक मेडीकल कालेज के प्रिंसीपल की ही लडकी है और दूसरी डाक्टर पी0एस0 मैनी की जिनको सारा हरियाणा जानता हैं, की लड़की है जिसको दाखिला दिया है। जो सरकार के अधिकार में था, उसी के अनुसार ही दाखिला दिया हैं। जो सरकार के अधिकार में था। लेकिन सरकार के सामने बहुत सी दिक्कतें आती हैं और सिफारि ो आती हैं। हम सभी लोगों को अकोमोडेट नही कर सकतें। इसलिए आगे से हमने नौमिने ान की प्रथा बन्द कर दी हैं।

डा0 मंगल सैनः अभी मुख्य मन्त्री महोदय ने फरमाया कि हरियाणा सरकार ने एम0पीज0, एम0एल0एज0 के दबाव के कारण, अपने कर्मचारियों के दबाव के कारण और कुछ प्रोफसर्ज के दबाव में आकर लडके/लडकियों की नौमीने ान ही है, उनको दाखिला दिया गया है। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने दबाव की कोई बात नही कही बल्कि रिमैन्डे ान की बात कही हैं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, प्रि–मैडीकल के लिये उनको एडमी ान दी जाती है जिनके 70 परसेन्ट मार्कस होते हैं। इन्होने अपने जवाब में कहा हैं कि जिन बच्चों की एडमी ान की गयी है उनके लिए प्रि–ऐन्ट्रैस एग्जामिने ान में बैठना जरूरी नही हैं लेकिन क्या ये बताऐगे कि प्रि–मैडीकल, बी0एस0सी0 मैडीकल में उन्होने कितने मार्कस लिये थे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एम0बी0बी0एस0 मे दाखिले के लिये प्रि–मैडिकल में मिनिमम मार्कस 50 परसैन्ट होने चाहिये लेकिन इन बच्चों ने जितने परसैन्ट मार्कस लिये हैं वह मै सदन को बता देता हूं–

(1)	कुमारी किरण भार्मा	50 परसैन्ट
(2)	कुमारी कुलजीत कौर	50 परसैन्ट
(3)	कुमारी सुनीता राठी	62 परसैन्ट
(4)	काज़ी बाबी यासमीन	63 परसैन्ट
(5)	कुमारी अनीता नागपाल	67 परसैन्ट
(6)	कुमारी सुनन्दा गर्ग	60 परसैन्ट
(7)	कुमारी सन्दीप कौर मैनी	66 परसैन्ट
(8)	श्री राजीव नांगीया	65 परसैन्ट

चौधरी भाग मलः अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्य मन्त्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि हरियाणा सरकार ने जो 8 बच्चे अपने कोटे से नोमीनैट किये हैं, उन में ि ाडयूल्ड कास्टस/बैकवर्ड क्लासिज से भी सम्बन्धित हैं। अगर नही, तो क्या ये लोग इस कम्यूनिटी में नही आते हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही इस बारे में अपने जवाब में बताया है कि अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए 32 सीटे हमने रिज़र्व रखी हैं और इन लोगों को हमने दाखिल किया हैं। इसके साथ–साथ मैं इनको यह भी बता देना चाहता हूं हमने सात लड़के–लड़कियां डैंटल कोर्स में भी भर्ती किये गये हैं जिनमें इनके भूतपूर्व एम0एल0ए0 डा0 बृज मोहन गुप्ता की लड़की को भी दाखिला किया हैं। वह मैरिट मे नही आ रही थी।

श्रीमति चन्द्रावतीः जनाब, मै मुख्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि उन अफसरों/डाक्टरों के नाम बताने की कृपा करे जिनके लडके और लडकियां मैरिट पर नही आतें थे ओर फिर भी उनको दाखिल कर लिया गया?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो मै पहले ही बता चुका हूं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन आठ बच्चों

को इन्होने दाखिला दिया हैं, वह पालिटीकल प्रै ार के अलावा किसी और क्राइटेरिया से तो नही है? क्या पालिटीकल प्रै ार के अलावा दाखिला देने का कोई और क्राइटेरिया सरकार ने फिक्स कर रखा था?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पालिटीकल प्रै ार की बात नही हैं। रिकमैन्डे ान तो बहुत से लोगो ने की थी और करतें भी हैं तथा कुछ हमने मैरिट को भी देखा हैं। 67 परसैन्ट तक जिनके मार्कस थै, उनको भी नौमीने ान के द्वारा दाखिला दिया गया हैं। किसी के प्रै ार की बात नही हैं।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः अध्यक्ष महोदय, एम0 बी0 बी0 एस0 और इंजीनियरिंग जैसे सबजैक्ट को नै ानल इम्पार्टेन्स दी जाती हैं और मैरिट के हिसाब से एडमि ान की जाती हैं जो की भी जानी चाहियें। मुख्य मन्त्री महोदय मैरिट का ध्यान कहीं इसलिये ता नही रख रहें क्योकि ये खुद भी तो बगैर मैरिट के यहां पर आए हैं। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरी मैरिट को सवाल है इस दे ा मे नम्बर एक पर, भजन लाल को सबसे ज्यादा नम्बर मिलेंगें। जहां तक नोमिने ान का सवाल हैं वह मै पहले बता चुका हूं कि आगें के लिये यह प्रथा हमने बन्द

कर दी हैं। जो लडके लड़किया मैरिट पर आऐंगे केवल उन्ही को ही लिया जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंह : यह जो 8 केंडीडैट नौमिनेट किए गये हं, इनमें से हरियाणा के कितने संबंधित हैं। अगर इनमें कुछ हरियाणा से संबंधित है तो उनमें से ग्रामीण क्षैत्र से कितने संबंधित हैं। यह मैं इसलिये जानना चाहता हूं और ग्रामीण क्षैत्र के लोग बजट का 80 प्रति ात पैसा सरकार को देतें हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैडिकल कालेज में ग्रामीण क्षैत्र के लड़के लड़कियों को दाखिला देने के लिए हमने 25 सीटें रिजर्व रखी हुई हैं। ऐसी मिसाल आपकों किसी भी स्टेट में नही मिलेगी। देहात के लड़के लड़कियों के लिये सीटें हमने इसलिये रिजर्व रखी है ताकि उनको भी इस व्यवसाय में सर्विस मिल सकें।

प्रो0 सम्पत सिंह : मैने तो अपने सवाल में यह पूछा है कि इन 8 में से हरियाणा के कितनें है और बाहर के कितनें है, उस सवाल का इन्होने जवाब नही दिया?

चौधरी भजन लालः हमनें स्टेटमैंट में सब के नाम और पतें दे रखे हैं।

श्री अध्यक्षः प्रोफैसर साहब, आप सूची को पढ कर देखें इसमे सबके नाम और पते लिखे हैं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्होने कई जगह फिकटिि ायस नाम दिये हुए हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप तो पुराने मैम्बर हैं अगर ऐसी बात हैं तो आप इनके खिलाफ प्रिवलेज मो ान ले आए।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हमारे प्रिवलेज मो ान की कौन परवाह करता हैं। हां हमारे खिलाफ एक मिन्ट में जरूर आ सकता हैं। मैं आपके द्वारा यह कहना चाहता हूं कि अगर एक मैम्बर कैटेगैरेकली पुछता है तो उस बारे में बताने को क्या हर्ज हैं। आज कल मुख्य मन्त्री जी बडे सियाने गये हैं और इनका दिमाग बड़ा जरखेज है ये जवाब दे सकते हैं कि इनमें हरियाणा का कोई नही है। (ाोर)

Mr. Speaker: After all this is my duty to see that the time of the House is not wasted.

Dr. Mangal Sein: I am not wasting the time of the House. It is a serous insinaution. I am simply pressing his point of view. His question is very much relevent, and he is justified to ask the questin. हरियाणा के लोगों का पैसा बाहर के लोगों पर क्यो खचै किया जा रहा हैं?

श्री अध्यक्षः इन्होने बड़ा क्लीयरली बता दिया है, इसलिये मैं इस सवाल को ओवर रूल करता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसमें जो दिल्ली और श्रीनगर के पते दिये हुए है हो सकता है वे लोग हरियाणा के रहने वाले हो इसलिये अगर मुख्य मन्त्री जी बता दें जो कोई आपत्ति नही होनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसमें डौमिसाइल का कोई सवाल नही हैं, यह तो गवर्नमैंट के अधिकार में ही है कि जिसे चाहे नौमिनेट कर दें। बहुत सी स्टेटों में एक दूसरी स्टेट के लिए सीटें रिजर्व होती हैं। जैसे पहले जम्मू का मीर में हमारी सीट थी, राजस्थान और हिमाचल के भी थी। इसी तरह से बहुत सी स्टेटों की हमारी स्टेट में भी सीटे है जैसे इस समय त्रिपुरा की एक सीट है और एक भारत सरकार की हैं। मैनें इन 8 सीटो के आंकडे दिये हुए हैं। किसी को एडरेस कही का भी हो सकता हैं लेकिन वह इस दे ा का तो वासी हैं। यह सरकार का अधिकार था और उसके मुताबिक सरकार ने ठीक किया हैं।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, अगर सरकार की नियत ठिक होती तो वह मेरे सवाल का जवाब जरूर देतें।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मै मैम्बर साहब को एक बात बताना चाहता हूं कि नौमिनै ान में कोई रिजर्वे ान नही होती।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, हम तो यह जानना चाहते थै कि सरकार को हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों से कितना प्यार हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये लोग हरिजन और बैकवर्ड क्लास की बात को क्या जानें, इन्होने तों उनको वोट भी नही डालने दिया। पहले बैकवर्ड क्लास के लिये दो परसैन्ट रिजर्वे ान थी लेकिन हमने उसे बढा कर 5 परसैन्ट कर दिया हैं। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, हम तो केवल यह जानना चाहते थे कि 8 में से हरियाणा के कितने हैं लेकिन मुख्य मन्त्री जी गोल मोल जवाब दे रहे है– (ाोर)

श्री अध्यक्षः इस बारे में काफी बात हो चुकी हैं। बार–बार उसी बात को दोहराना, यह कोई अच्छी बात नही हैं।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमन्त्री जी ने जो लिस्ट पढी उसमें उन्होने सिर्फ कुंवारी का ही नाम लिया, किसी कुवारे का नाम नही लिया इसका क्या कारण हैं। (हंसी)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस बात का क्या जवाब दूं? अगर मेरे भाई तो हम इनकी भाादी का कही बन्दोबस्त कर देंगें।(हंसी)

चौधरी ओम प्रका ा: क्या मुख्यमन्त्री जी बताऐंगे कि नौमिनेट करने के लिए कोई वि ोश योग्यता देखी जाती हैं और अगर नही देखी जाती तो आगे से देखी जाएगी?

श्री अध्यक्ष: इस सवाल का जवाब तो पहले आ चुका हैं कि आगें के लिये नौमिने ान बन्द कर दी गई हैं।

'A' Class Cities in the State

***38 Sh. Fateh Chand Vij:** Will the Minister of state for local Government be pleased to state—

(a) the names of cities in the State which have been declared as 'A' class; and

(b) whether any more cities in the State are proposed to be declared as 'A' class; if so, the names of such cities together-withthe times by which these are likely to be declared as such?

Rinance Minister(Chaudhri Katar Singh Chhokar):

(a) Chandigarh, Ambala Cantt., Ambala City, Rohtak and Faridabad.

Note: Panchkula though not notified as such, is for all parctical purposes in this catergory.

(b) The proposal regarding re-classification of towns on the basis of the final census figures of 1981 is under active consideration of Government. Cities havinga population of one lack or more as per these figures are likely to be declared "A" class.

श्री फतेह चन्द विज़: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिन भाहरों की आबादी 1981 की जनगणना के आधार पर एक लाख से अधिक हैं उनकों 'ए' क्लास सिटी डिक्लेयर करने का फैसला कब तक हो जाएगा?

चौधरी कटार सिंह छोकर: स्पीकर साहब, 1981 की सैंसस की फिग्गर अभी एक–डेढ महीना पहले गवर्नमैट के पास वैरीफाई होकर आई हैं।उसका फैसला बहुत जल्दी होने की सम्भावना है।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा वित्त मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन भाहरों की आबादी 1981 की सैसस के आधार पर एक लाख से ज्यादा हो चुकी हैं क्या उनकों 'ए' क्लास सिटी घोशित करनें का समय निर्धारित करेंगे?

श्री अध्यक्ष: इस सवाल को जवाब पहले आ चुका हैं।

श्री इन्द्र सिंह नैन: स्पीकर साहब, हिसार सिटी की आबादी एक लाख से बहुत ज्यादा हैं। मैं आपके द्वारा वित्त मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या हिसार भाहर को अबादी के हिसाब से 'ए' क्लास सिटी डिक्लेयर करने का मसला सरकार के विचाराधीन हैंय अगर विचाराधीन है तो कब तक हिसार भाहर को 'ए' क्लास सिटी डिक्लेयर कर दिया जाएगा?

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, लेटैस्ट सैसस फिग्गर्ज क हिसाब से हिसार भाहर 'ए' क्लास सिटी में आ जाएगा।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, कुछ भाहर ऐसे हैं जिनकी आबादी एक लाख से कम हैं ओर 25 हजार से ज्यादा हैं। जिन भाहरों की अबादी 25 हजार से ज्यादा हैं उनके बारे में मुख्य मन्त्री जी ने घोशणा कर रखी है कि उनको 'बी' क्लास सिटी घोशित कर देंगे। मै आपके माध्यम से वित्त मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि गोहाना भाहर की आबादी 25 हजार से ज्यादा हैं क्या वहां के कर्मचारियों को 'बी' क्लास सिटी के हिसाब से हाउस रैंट देंगें?

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, जिन भाहरों की आबादी 25 हजार से ज्यादा हैं और एक लाख से कम हैं यदि वे भाहर 'बी' क्लास सिटी घोशित हो चुके हैं तो वहां पर कर्मचारियों को उसके हिसाब से हाउस रैन्ट मिलता हैं।

चौधरी धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, गुड़गाव की आबादी एक लाख से ज्यादा है और कुछ समय पहले मुख्यमन्त्री जी वहां पर गए थें। उस समय पब्लिक मीटिंग में लोगों ने इनके सामने गुड़गांव भाहर को 'ए' क्लास सिटी बनाने के बारे में रिप्रजैंट ान दी थी। मैं आपके माध्यम से वित्त मन्त्री जी से यह

जानना चाहता हूं कि गुड़गांव भाहर को कब तक 'ए' क्लास सिटी बनाने की घोशणा की दी जाऐगी?

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, भिवानी भाहर 'ए' क्लास सिटी में भाामिल हो जाएगा। लेटैस्ट सैंसस फिग्गर्ज के हिसाब से जो नए भाहर 'ए' क्लास सिटी में आ सकते हैं उनके नाम मैं बता देता हूं। करनाल, पानीपत, सोनीपत, भिवानी, हिसार और फरीदाबाद ये भाहर ए क्लास सिटी में आतें हैं।

Cases of Murder/Burning registered in the state

***14 Shrimati Chandravati:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) districtwise total number of cases of murders registered in the State during the period from 19th May, 1982 to-date;

(b) whether any cases of deaths of women due to burning were also registered in the State during the period, as referred to in part (a) above; if so, the number thereof together with the age of each such woman; and

(c) whether any of the women, as referred to in part (b) above, was burnt by their in-laws on account of dowry disputes?

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क,ख, ओर ग): सुचना सदन के पटल पर रखी जाती हैं।

(क) दिनांक 19–05–1982 से दिनांक 10–09–1982 तक राज्य में दर्ज हुए हत्या के मुकदमों की जिलेवार संख्या इस प्रकार है–

जिले का नाम	दर्ज हुए मुकदमों की संख्या
अम्बाला	8
कुरूक्षैत्र	18
करनाल	6
जीन्द	9
हिसार	19
नारनौल	5
भिवानी	8
सिरसा	13
गुडगांव	8
फरीदाबाद	6
रोहतक	20
सानीपत	9

कुल जोड़	126

(ख) हां, दिनांक 19–05–1982 से लेकर दिनांक 10–09–1982 तक दो मुकदमें इर्ज हुए जिनमें स्त्रियों की मृत्यू जलाने से हुई। इन दोनों मुकदमों में मृतक स्त्रियों की आयु चौबीस और पच्चीस वर्श थी।

(ग) हां, इन दोनों मुकदमों में स्त्रियों को दहेज के झगड़ें पर उनके ससुराल द्वारा जलाये जाने को दोश लगाया गया हैं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मन्त्री जी ने दहेज कम लाने के कारण बहुओं की हत्याओं और जलाने की घटनाऔं के बारे में विवरण बताया हैं। मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि सिरसा में एक बाला काण्ड हुआ है जिसमें वहां में मन्त्री का हाथ हैं जिसने कातिलों को साथ दिया है। इसके अलावा गनौर में एक कौ लया नाम की अबला की हत्या कर दी गई हैं तथा फरीदाबाद में मिसिज नागपाल की हत्या की गई हैं। क्या ये सारी बातें मुख्यमंत्री जी के नाटिस में हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जिनके खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज हुई है उसकी सूचना सदन में दे दी गई हैं। जहां तक सिरसा के बारे में डा0 मंगल सैन ने जिक्र किया हैं, मैं उनको बताना चाहता हूं कि उस केस में 8 मुजरिम थे जिनकी

गिरफ्तारीयां की जा चुकी हैं। उस केस में किसी भी मन्त्री का कोई दबाव नही हैं और न ही किसी मंत्री का हत्या में हाथ हैं। आत तो हरियाणा के किसी भी मंत्री ने ऐसा काम नही किया। (ाोर एव विघ्न)

तकनीकी ि ाक्षा राज्यमंत्री(श्री लक्षमण दास अरोड़ा): स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन ने अपनी सप्लीमैंटरी के दौरान यह कहा कि सिरसा में बाला काण्ड में वहां के मन्त्री का हाथ हैं। इस बारे में मैं डा0 मंगल सैन को बताना चाहता हूं और यदि साबित न कर सके तो ये खुद अस्तीफा दे दें।(ाोर एव विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मैं आप दोनों साहेबान की बात समझ रहा हूं। आप पहले डा0 मंगल सैन जी को सवाल पूछने दें, उसके बाद जवाब दे दें। (ाोर)

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह है कि सिरसा में बाला हत्या काण्ड के खिलाफ उठाने वाले जब थाने में ि ाकायत दर्ज करवाने गये तो उनकी ि ाकायत दर्ज नही हुई। वहां के मन्त्री महोदय सदन में बैठे हैं। उन लोगों का वहां के मन्त्री जी के खिलाफ रोश था, उस रोश के बारें में मुख्यमन्त्री जी के पास तारें भी आई हैं। मैं आपकें माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या बदले की भावना से वहां पर बाला काण्ड में पोलिटिकल लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं?

श्री लक्षमण दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन जी ने मेर पर इल्जाम लगाया हैं मैं उसका जवाब देना चाहता हूं। इन्होने मेरे पर यह इल्जाम लगाया है कि बाला देवी की हत्या की एफ0 आई0 आर0 दर्ज नही हुई। इस बारे में मै यह बताना चाहता हूं कि एफ0 आई0 आर0 उसी वक्त दर्ज हुई हैं और बाकायदा उसका पोस्टमार्टम हुआ। स्पीकर साहब, मेरे पास उस लडकी के पेरैन्टस आए और एक उनका रि तेदार डाक्टर हैं वह भी आया था। उसका पोस्टमार्टर करतें वक्त हमने यहां तक कहा कि जो आपका रि तेदार डाक्टर है वह भी पोस्टमार्टम मे कोई भाक नजर आत हे तो आप इस पोस्टमार्टम मे आ जाएं इसके बाद बाला देवी के पेरेन्टस मेरे पास चहा आये और मैने उनसे एक बात पूदी कि आपकी तसल्ली हुई या नहीं । वे कहने लगे कि हमें धारा 174 की कार्यवाही की नकल नहीं मिली, मेने उसी वक्त वह नकल उनको दिलवाई ं उसके बाद वे कहने लगे कि जो टैस्टं के लिये विसेरा लेबोरेटरी में जाता है वह हरियाणा की लेबोरेटरी मे ंनही जाना चाहिये। मैने उनसे कहा कि आप हरियाणा की बात कर रहे है आप कहे तो मै उसे आउट आफ इंडिया भिजवाने के लिये तैयार हू। मैने यह भी कहा कि यदि आप कहे तो वह राजस्थान में भी भेजा जा सकता है जहां पर आपकी एप्रेाच हो। लेकिन उनके कहने पर विसेरा दिल्ली की लेबोरेटरी में भेजा गया था और वहां से टेस्ट हो कर आया है। इसके अलावा डा0 साहब ने कहा कि उसकी एफ0आई0आर0 दर्ज नही ंहुई है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि एफ0आई0आर0 बकायदा दज्र हुई और उसमं जितने

मुजरिमो के नाम थे, उनको 24 घटें के अन्दर–2 गिरफतार किया गया है। अगर यह बात गलत हो तो मैं अस्तीफा देने के लिये तैयार हूं। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि क्या कोई भारीफ आदमी किसी के घर पर पथराव कर सकता है या किसी के मकान को आग लगा सकता है तो क्या कानून उसको माफ करेगा? जो आदमी ऐसे काम करेगा उसको कानून कभी भी माफ नहीं करेगा। स्पीकर साहब, मेने जो कुछ कहा है अगर यह गलत हो तो मैं अस्तीफा देने के लिये तैयार हू वरना डा0 साहब देदे। डा0 मंगल सैन जी इस तरह की बात कह कर बहुत बड़े हीरो बनना चाहते है। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनका यह कहन कि डा0 मंगल सैन बहुत बडे हीरो बनना चाहते है इस बारे में मै यह कहता हूं कि हम सदन में बैठ कर सवाल पूछ सकते है, यह हमारा अधिकार हैं। सवाल पूछ कर हम इनसे कोई खैरात नही मांग रहे है। यदि इनको कोई समझ नही है तो आप इनको समझाएं। स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सत्य है कि वहा के वजीर ने काजिलों को साथ दे करके जो लोग कातिलों के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, उनको बेगुनाह गिरफ्तार करवाया और उनके खिलाफ गलज कार्यवाही की जा रही हैं?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरे साथी मन्त्री जी ने डा0 मंगल सैन जी को डिटेल में जवाब दे दिया हें,

कोई भी कमी नही छोड़ी है। लेकिन डा0 साहब इधर उधर की बातें बोलने में कम नही हैं। जैसे अभी मन्त्री जी ने बताया कि यदि कोई भी आदमी कानून को अपने हाथ में लने किी कोि ा ा करेगा तो सरकार उसके खिलाफ कार्यवाही करेगी। स्पीकर साहब, जिन लोगो ने एक भारीफ आदमी के घर पर पथराव किया और उसके मकान को आग लगाने की कोि ा ा की, उनको मुक्द्दमा दर्ज करके गिरफ्तार किया हैं। डा0 साहब हस बात को पालिटिकल रंग दे रहे हैं। स्पीकार साहब, जो कुछ हुआ हैं वह कानून के मुताबिक हुआ हैं(ाोर एव विघ्न) स्पीकार साहब, यदि डा0 साहब को ि ाकायत दर्ज न करने के बारे में कोई एतराज है तो इन्होने आज तक कोई चिट्ठी लिख करके क्या नही दी हैं? ये हमारे पास लिख करके भेज दें, अगर उस केस में किसी का हाथ होगा तो हम इन्कावायरी करके इनको बता देगें।

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मन्त्री जी से यह जानना चाहती हूं कि दहेज कम लाने के कारण जिन बहुओं को जलाया गया हैं क्या उनकी भाादी में मुख्य मन्त्री जी या इनके मंत्री साथी गए थे? (ाोर एव विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं उनकी भाादी में नही गया। यदि कोई और आदमी गया हो तो उसके बारे में बहिन जी को ही पता होंगा, मुझे तो मालूम नही है।(ाोर)

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवालों को समय समाप्त होता हैं।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखें गए तांरकित प्र नों के लिखित उतर

Transfers of Officers/Official of Police Departement posted in Pehowa Constituency

***65. Chaudhri Sahab Singh Saini:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is ia fact that transfers of a large number of officers/official of Police Department posted in Pehowa Constituency of District Kurukshetra were made during the months of July and August, 1982; if so, the resons for transfers on such a msas scale; and

(b) whether it is also a fact that transfer of some of the officers/official, out of those referred to in part (a) above, were later on ostayed/cancelled; if so the resons therefore?

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(ए) यह सत्य नही कि पेहोवा चुनाव क्षैत्र (थाना पेहोवा तथा थाना ठसका मिरांजी और थाना सदर थानेसर को कुछ क्षैत्र) जिला कुरूक्षैत्र में नियुक्त पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के मास जुलाई तथा अगस्त में कहुसंख्या में स्थानान्तरण किये गए थें। थाना पेहोवा के केवल 5 सिपाहियों का जुलाई, 82 मे रूटीन में स्थानान्तरण किया गया था। एक उप निरिक्षक(एस0 एच0ओ0

पेहोवा) का अगस्त, 1982 मे पुलिस निरिक्षक के पद में पदोन्नति पर स्थानान्तरण किया गया था। एक सहायक उप निरिक्षक को थाना पेहोवा से अगस्त , 1982 मे प्र ाासकीय कारणों से स्थानान्तरित किया गया था।

(बी) कोई भी स्थानान्तरण बाद मे स्थगित अथवा रद्द नही किया गया था।

Crop Insurance Scheme

***20. Chaudhri Kundan Lal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to State—

(a) Whether any crop insurance scheme has been introduced in any selected areas in the Stat; if so, details thereof; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce the scheme, as referred to in part (a) above, in whole of the State of Haryana; if so, the time by which it is likely to be introduced?

कृशि मन्त्री(चौधरी सुरेन्द्र सिंह):

(क) हां, पुर्ण विवरण सहित सूची विधान सभ के पटल पर रखी जाती हैं।

(ख) इस समय इस स्कीम के अन्तर्गत गेहूं पूरे राज्य में तथा अन्य फसलें भिन्न–भिन्न क्षेत्रों मे लागू हो गई हैं। राज्य सरकार जनरल इन योरैन्स कार्पोरे ान आफ इन्डिया तथा भातर

सरकार पर जोर डाल रही है कि अन्य फसलों को भी राज्य के सारे क्षैत्रों मे लागू किया जाये।

हरियााणा राज्य मे फसल बीमा स्कीम के बारे में पुर्ण विवरण की सूची

1. जनरल इन्ा ोरैंस कार्पोरे ान आफ इन्डियां द्वारा प्रयोजित एक पायलट फसल बीमा स्कीम जी0 आई0सी0 और राज्य सरकार के 75:25 के अनुपात के आधार पर राज्य में खरीफ 1981 से लागू की गई। यह स्कीम सामूहिक तथा स्वेच्छा के आधार पर है और एक प्रकार के क्षैत्र पर आधारित होगी। इसके अन्तर्गत केवल सहकारिता ऋणी किसान की भाामिल हो सकेंगे। फसल बीमा तथा पैदावार को देखने की आधारभूत इकाई तहसील होगी। तहसील, फसलों प्रीमियम और अक्षतिपूर्ति सीमा, ही एक मौसम में जी0आई0सी0 फसल कटाई प्रयोगों की औसत पेदावारप के आधार पर निकालती हैं।

2. खरीफ 1981 मे इस स्कीम के अन्तर्गत धान 13 तहसीलों में औरप बाजरा 4 तहसीलो ं में 17 लाख रूपयें के बीमा रा ि ा व्यापार के लक्ष्य पर भारू किया गया। धान पर अधिकतम बीमा रा ि ा प्रमि हैक्टयर/किसान 2,250 रूपये बाजरे पर 1,700 रूपये और दोनों फसलो पर 3,000 रूपये नि ि चित थी। प्रीमियम की दर 4.50 से 5.00% थी जबकि अक्षतिपूति सीमा 30% तक थी। धान पर 479 किसानों के 513.6 हैक्टेयर क्षैत्र पर 9.34 लाख

रूपये का बीमा व्यापार किया गया। बाजरा पर 70 किसानों के 120.2 हैक्टेयर क्षैत्र पर 1ण्14 लाख रूपये का बीमा व्यापार हुआ। धान की 4,974.85 रूपये की रा ि ा राज्य तथा भारत सरकार ने 50:50 के अनुपात से दी। महम तहसील में बाजरा फसल पर 5,986.29 रूपये के नुकसान का मुआवजा 54 किसानों का दिया गया।

3. रबी, 1981–82 मे यह स्कीम बढा कर गेहू के लिये सारे राज्य में चने 12 तहसील में, जो 11 तहसीलों मे लागू की गई। इस कार्य के लिये कुल बीमा व्यापार रा ि ा 40 लाख रूपये थी। प्रति हैक्टयेर/किसान की बीमा रा ि ा सीमा गेहू के लिये 3,000/– चने औरप जौ के लिण 1,300/– प्रति फसल नि ि चत थी प्रमीयम की दर 4.5% से 5.00% तक थी टौर अक्षतिपूर्ती सीमा 35% थी। गेहूं पर 223 का तकारों की 194.20 हैक्टेयर क्षैत्र पर 3.72 लाख रूपये का कुल बीमा व्यापार हुआ । चने पर 28 किसानों के 36.4 हैक्टेयर क्षैत्र पर 0.29 लाख रूपये का बीमा व्यापार किया गया। जबकि जौ फसल पर 9 का तकारों के 8.50 हैक्टेयर क्षै? पर 0.08 लाख रूपये का व्यापार हुआ। 111 छोटे तथा सीमित किसानों ाक 3,864.72 रूपयें की रा ि ा 50% इमदाद के अनुपात में दी गई। नुकसान का भुगतान अब तीन तहसीलों में देय हो चुका हैं। महम में गेहूं पर और टोहाना, सिरसा तहसीलों में चने पर जिसकी कुल रा ि ा लगभग 16,000 रूपये बनती हैं, जो कि 30 का तकारों को दी जाएगी।

4. यह स्कीम खरीफ 1982 में 57 लाख रूपये (धान 31. 00 लाख रूपयें बाजरा 17.00 लाख रूपयें और मक्की 9.00 लाख रूपयें) के बीमा व्यापार से चल रही हैं। 17 तहसीलें धान के लिये, 9 तहसीलें बाजार के लिये और 6 तहसीलें मक्की के लिये। प्रत्येक का तकार की अधिकतम बीमा रा ि ा सीमा 5,000 रूपये या फसल कर्जे का 110% जो भी कम हों, हैं। अक्षतिपूर्ति सीमा 40% और प्रीमीयम की दर 7% तक हैं।

5. यह स्कीम रबी 1982–83 में गेंहू चने और रबी, तिलहन पर, चलेगी। गेहू पर बीमा कार्य सारे राज्य में, चने 23 तहसीलों मै, जौ 13 तहसीलों में औरप रबी तिलहन 8 तहसीलों में लागू होंगा। प्रीमियम की दर गेंहू के लिए 1.25 से 5.00% तक चने और जौ के लियें 2.25 से 5.00% तक और रबी तिलहन के लिये 3.25 से 5.00% तक होगी। बीमा व्यापार के बारे में जी0आई0सी0 से पूर्ण विचार–विम र्ा किया जा रहा हैं।

Corruption Cases in Agro-Industries Corporation

***35 Chaudhri Om Parkash:** Will the Minister For Agriculture be pleased to state—

(a) the total number of cases of fraud, pilferage, Misappropriation of amount/goods in Agro-Industries Corporation register with the Police and referred to Vigilance Department for investigation during the years 1980, 1981 and 1982 to date;

(b) the number of cases out of those referred to in part (a) above, so far finalized together with present stage of the remaining cases separately?

कृशि मन्त्री (चौधरी सूरेन्द्र सिंह):

(क)	1980	1981	**1982 अब तक**	कुल
पुलिस	—	4	1	5
चौकसी	—	1	—	1
	—	5	1	6

(ख) उक्त भाग (क) में वर्णित मामलों में एक केस जो 1981प में दर्ज कराया गया था पुलिस द्वारा रद्द किया जा चुका हैं। फिर भी निगम द्वारा दोशी कर्मचारी के विरूद्व विभगीय कार्यवाही आरम्भ कर दी गई हैं। 1982 में दर्ज एक अन्य केस का निणर्य हो चुका हैं। दो केसों में पुलिस ने चालान पे ा कर दिये हैं। एक केस में अभी भी पुलिस छानबीन कर रही हैं। एक केस चौकसी विभाग के पास लम्बित हैं।

Illiterate Person in the State

*** 37. Shrimati Chandravati:** Will the Minister of State for Education be pleased to state the district wise number of illiterate men and women in the State at present separately?

Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra): Districtwise Number of illiterate men and women in the State according to census of 1981 (Provisional figures) is given below:-

Sr. No.	District	Illiterate Men	Illiterate Women
1.	Ambala	352880	428282
2.	Bhiwani	251323	364349
3	Faridabad	261974	344947
4.	Gurgaon	231891	317471
5.	Hissar	469560	578569
6.	Jind	313063	379106
7.	Karnal	377474	460376
8.	Kurukshetra	351052	408748
9.	Mohindergarh	220713	367714
10.	Rohtak	309688	459136
11.	Sirsa	227980	267990
12.	Sonepat	207508	293459
	Total	3575106	4670147

Transfers of Officers/Official of Education Department in Pehowa Constituency

***66. Chaudhri Sahab Singh Saini:** Will the Minister of State for Education be pleased to State—

(a) whether it is a fact that transfers of a large number of officers/Officials of Education Department posted in Pehowa Constituency of District Kurukshetra were made during the months of July and August, 1982; if so, the reasons for transfers on such a mass scale; and

(b) whether it is also a fact that transfers of some of the officers/officials out of those referred to in part (a) above, were later on stayed/cancelled; if the reasons therefore?

Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra):

(a) No, only 48 officials were transferred either on their requests or on administrative grounds during the months of July and August, 1982.

(b) Only three transfers were subsequently cancelled on humanitarian grounds.

Loss in Haryana State Electricity Board

***19 Chaudhri Kundan Lal:** Will the Minister for Irrigation and Power by pleases to state—

(a) whether it is a fact that the Haryana State Electricity Board is running in loss at present: if so, the reasons therefore; and

(b) the details of steps taken by the Government to run the board in profit?

Irrigation & Power Minster (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes. However, keeping in view the socio-economic obligations of the Board, it may not be proper to assess the working result in strict commercial terms. The tariff of power for all categories of consumer's specially agricultural consumers is much less as compared to cost of generation/procurement & distribution. The sale of power to Agriculture and rural sector which exceeds 40% of the total sales has an in built subsidy in the overall interest of the development of Agriculture and rural sector of the State. Further, Commercial for meeting their capital needs. In case of H.S.E.B., however, no equity capital is provided and the Board raises loans from financial institutions/state Government to meet its entire capital needs which involves interest charges adversely reflecting upon the working results.

(b) The Board is endeavoring to improve its working results by reducing line losses, improving the plant load factor and curtailing the auxiliary and fuel consumption through operational efficiency. Various economy measures to curtail the administrative costs are being taken.

विभिनन विशयों का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, सिचांई मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं। मेरा सवाल पहले दिन का था। उस दिन इन्होने कहा था कि उस सवाल का उत्तर चालू सै ान में दे दिया जायेगा। आज भी उस सवाल का उत्तर नही आया। इसलिए मैं जानना चाहती हूं कि उस सवाल मा जवाब कब देंगें?

सिचांई तथा बिजली मन्त्री(चोधरी भाम ोर सिंह सुरजेंवाला)ः स्पीकर साहब, इसी सै ान मे जवाब देने के लिए मैनें नही कहा था। उसके लिए भाायद दो सप्ताह का समय मागां गया था। जो सवाल इनका था। उसका उत्तर इनके घर पर भेज दिया जाऐगा।

डा0 मगंल सिंहः स्पीकर साहब, मैने एक काल अटैन्ा ान मौ ान दी हुई थी कि हमारे यहां विधार्थियों से मैस के अन्दर खाने के बहुत आधिक चार्ज किए जाते हैं। कम से कम 3500 रूपये हर महीने एक विधार्थी का खर्चा आता हैं। इन्सीच्यूट आफ टैक्नीकल एजुके ान, देहली में वहां के विधार्थीयों को मैस में काफी छूट दी हुइ हैं। मै जानना चाहता हूं कि क्या देहली की तरफ यहां भी छूट देने का कोई विचार हैं?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल)ः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आर्डर हैं। अभी इन्होने यहा पर एक काल अडैन्ा ान मो ान का जिक्र किया हैं। इस संबंध मे मै आपको रूलिंग चाहूंगा कि जब तक आप किसी काल अटैन्ा ान मो ान को एडमिट नही

कर लेतें, क्या उस समय तक कोई भी सदस्य उसके बारे में कुछ कह सकता हैं? इन्होनें बगैरप आपकी रूलिंग आए हुए अपने काल अटैन ान मो ान के बारे मे हाउस में सारी बात कहनी भाुरू कर दी हैं। (ाोर)

डा0 भीम सिंह दहियां: स्पीकर साहब, रूल 84 के तहत मैनें बंधुआं मजदूरों के बारे मैं एक मो ान दी थी, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: वह मो ान अभी तक मेंरे विचाराधीन हैं?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से एक महत्वपूर्ण बात हाउस के सामने रखना चाहता हूं। हमारे दे ा में लोकतंत्र है। इस दे ा के एक भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर भाास्त्री ने एक दुर्घटना के कारण अस्तीफा दे दिया था। हमारे हरियाणा के एक मंत्री के सिनेमा पर छापा मारा गया था, उसमें 500 टिकटें बगैर टैक्स के मिली थी। इसलिएं उनको भी इस्तीफा देना चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आप बैठ जाएं। यह मामला बहुत पुराना हो चुका हैं। जिस दिन सै ान चला हैं, उसी दिन से आप इस बारे में जिक्र कर रहे हैं। क्या आपने इस बारें मे कभी कुछ लिख कर दिया हैं बगैर इजाजत के बोलना अच्छा नही लगता।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक: स्पीकर साहब, * * * * * * *(ाोर)

श्री अध्यक्षः आपने जो लिख कर दिया था, उसको मैने थ्उस–अलाऊ कर दिया हैं।(ाोर) ऐसी घटनाएं दिन–प्रतिदिन होती रहती हैं, यहा काल अटैन् ान मो ान का विशय नही बनता इसलिए मैने आपको लिख कर जवाब दे दिया हैं कि उसे डिस–अलाऊ कर दिया गया हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना हैं कि जो कुछ इन्होने कहा हैं या तो उसे एक्सपंज कर दिया जायें या फिर मुझे भी जवाब दे देने दिजिए। (ाोर) जो बात इन्होने कही हैं वह बिल्कुल गलत हें और हाउस को गुमराह कर रहें हैं।(ाोर)

श्रीमति चन्दावतीः आन ए प्वायंट आर्डर, सर। स्पीकर साहब, हम यहा पर कोई भी बात कहें तो अस के लिए सी0एम0 साहब खड़े हो कर कह देते हैं कि इस बात को एक्सपंज कर दिया जाऐ। इस तरह से तो हमारी कोई बात यहां पर लिखी ही नही जाऐगी। यदि हमारी बातें एक्सपंज ही की जानी हैं तो फिर ये रिपोर्टर्ज किस लिए बैठे है? यह बात सी0एम0 साहब कह रहे हैं, यह नही होना चाहिए।(ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हाउस में जा अपोजि ान के सदस्य बैठे हैं उनका फर्ज बनता हैं कि यदि कोई गलत बात हो रही हो तो उसे हाउस में कहें। यदि हाउस में भी न कहेंगे तो फिरप कहां कहेगें? इस प्रकार की बातें हाउस के

सामने लाना हमारा कर्तव्य हैं। आपने कहा कि प ये प्रतिदिन की सम्सयाए हैं। हमने आपकी मान ली हैं। कभी–कभी ओवरफलो हो जाती हैं, लोकतंत्र के अन्दर इस प्रकार की बातें चलती ही रहती हैं। यह बात ठीक नही हैं कि जो भी बात हम कहें, उस के लिए सी0एम0 साहब कह दें कि एक्सपंज कर दिया जाये। लोकतंत्र में ऐसा छोटा–मोटा कुछ न कुछ ता चलता ही रहता हैं।(ाोर)

श्री अध्यक्षः यह बात ठीक हैं कि इस सदन में कुछ मैम्बर नए है और उनको पूरी बातों के बारे में मालूम नही हैं कि किस प्रकार की बातें हाउस में कहनी चाहिए और किस प्रकार की बाते नही कहनी चाहिए। डा0 साहब भी इस बात को मानते हैं। यहां पर लीडर आफ दी अपोजि ान, श्रीमति चन्द्रावती, श्री वीरैन्द्र सिंह जी, आर्य साहब औरप आप अपनी–अपनी पार्टी के नेता हैं। आप सभी का फर्ज बनता हैं कि आप इनकों थोड़ं बहुत समझाए कि हाउस का डैकारम किस प्रकार से रखना चाहिए।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपका भी फर्ज बनता हैं।

श्री अध्यक्षः थोड़ा बहुत फर्ज मेरा भी बनता हैं, इसमें कोई दो राय नही हैं लेकिन आप लोगों को नए मैम्बरों को ज्यादा जानकारी देनी चाहिए कि हाउस का डैकोरम किस प्रकार से रखना चाहिए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इसका जवाब दे दूं ताकि हाउस को यह पता लग जाए कि असलियत क्या हैं।

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए, वह मैने डिसअलाऊ कर दिया हैं और जो कुछ इन्होने कहा हैं वह एक्सपंज हो जाएगा।

स्पश्टीकरण–

मुख्यमन्त्री द्वारा यूथ कांग्रसी कार्यकर्ता के बारे में छपे समाचार सम्बन्धी

मुख्यमन्त्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन ने कल हमारे एक कांग्रसी कार्यकर्ता श्री आन्नद भार्मा के बारे में हाउस में एक फोटौस्टैट कापी दी थी। उसके बारे में मैं आपकी इजाजत से हाउस को जानकारी दे देता हूं ताकि पता लग जाए कि असलियत क्या हैं?

अध्यक्ष महोदय, इस बारे मैं पुलिस अधीक्षक, रोहतक ने सूचित किया हैं कि श्रीमती आमवती दिनांक 28–08–1982 को उनके कार्यालय में आई और एक लिखित ि ाकायत दी जिसमें कहा गया था किप आन्नद भार्मा जो कि यूथ कांग्रेस के उप सचिव हैं, ने श्रीमती आमवती दिनांक 26–08–1982 को सापलां रैस्ट हाउस में बुलाया। जब वह सांपला रैस्ट हाउस पहुंची तो आन्नद भार्मा बिस्तर बैठा था। जब उसने उसे खिचनें की कोि ा ा की

तों वह भाग कर दूसरे दरवाजें से निकल गई। (विघ्न) इस बारे में उप निरिक्षक, बहादूरगढ़ को जांच के लिए नियुक्त किया गया। जांच के दोरान रैस्ट हाउस के चौकिदार व अन्य प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की गई। जांच के उपरान्त पाया गया कि श्रीमति ओमवती के लगायें गये सारें आरोप निराधार हैं। यह भी पता चला कि श्रीमति ओमवती के मास्टरप रूप चन्द के साथ नाजायज संबंध है तथा वे दोनो मिलकर हैपी माडल स्कूल चला रहे हैं। इस सम्बन्ध में मुस्समात सन्तरा, धर्मपत्नी रूप चन्द से पूछा गया तो उसने भी पुश्टि की कि उसके पति व श्रीमति ओमवती के नाजायज सम्बन्ध हैं तथा यह भी बतलाया कि श्रीमति ओमवती श्री आनन्द भार्मा को स्वयं मिलने गई थी ताकि रूप चन्द को जे0बी0टी0 मास्टर नियूक्त करवा सकें। आनन्द भार्मा ने श्रीमति ओमवती की उसके और रूप चन्द के नाजायज सम्बन्धों बारे डांट डपट की थी जिससे नाराज होकर उसने आनन्द भार्मा के विरूद्व आरोप लगाया जो निराधार पाया गया।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, यह बात कुछ जंची नही। एक औरत लिख कर दे रही हैं और कह रही हैं कि उसके साथ इस तरह का दुर्व्यहार हुआ लेकिन ये अपनी पार्टी के आदमी को बचाने के लिए उस बेचारी के आरोप को निराधार बता रहे हैं। मुख्य मन्त्री जी, आप ऐसा काम न कीजिएगा जिससे कोई कंट्रोवर्सी खडी हो जाए। आप इसकी इंक्वायरी के लिए डी0 आई0

जी0 (सी0आई0डी0) के स्टेटस के आदमी को लगाए ताकि ठीक तरह से जांच पड़ताल हो सके।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने तो डी0एस0पी से फौरपी तौर पर इस बात की जांच करावाई है क्योंकि मामला गंभीर था। लेकिन डा0 साहब अगर अब भी चाहतें है कि डी0 आई0 जी0 (सी0आई0डी0) से या डी0 आई0 जी0 गुड़गांव रेंज या हिसार रेंज से इन्कवायरी करवाई जाए तो जिससे ये चाहेंगे उससे इंक्वायरी करवा देंगें।

डा0 मंगल सैनः डी0 आई0 जी0 (सी0आई0डी0) से इंक्वायरी करवाएं।

चौधरी भजन लालः ठीक हैं, डी0 आई0 जी0 (सी0आई0डी0) से इंक्वायरी करवा कर रिपोर्ट आपको दे देंगें।

Shrimati Chadravati: From the statement made by the Chief Minister, it appears that here is something fishy about this matter. The prestige of their party is involved in this case. He (Chief Minister) should not protect anybody who is guilty of such a great sin.

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने यह तो ठीक किया कि इस केस की इंक्वायरी डी0 आई0 जी0 (सी0आई0डी0) को सौंप दी लेकिन यह बात गले से नीचे नही उतरती कि एक औरपत को एक महान आदमी के पास सिफारि ।

के लिए जाती हैं और वह उससे किसी दूसरे आदमी के साथ नाजायज सम्बन्धो के बारे में पूछे।

श्री निहाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान यह है कि इस केस की इंक्वायरी डी0 आई0 जी0 (सी0आई0डी0) को सौंपने की वजाय इसी सदन की एक सदस्या श्रीमति करतार देवी, जो कि उसी जिले की हैं, को सौंपी जाए।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, ठीक है जी, मैं भी इस बात की ताईद करता हूं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये चाहेंते हैं कि श्रीमती करतार देवी इसकी इंक्वायरी करे तो मुझे भी इसमें कोई एतराज नही।

डा0 भीम सिंह दहियाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव यह है कि अगर इंक्वायरी इसी सदन के एक मैम्बर कों सौंपी जानी हैं तो उस कांस्टीचूएंसी के एम0एल0ए0 को भी साथ लगा दिया जाए।(विघ्न)

ध्यानकर्शण सूचना–

अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध न होने तथा फसलों का मुआवजा संबंधी

श्री अध्यक्षः मुझे श्री हीरानन्द आर्य की और से अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध न होने, ओलावृश्टि तथा भीत लहर से

आशाढी की फसल बरबाद होने तथा सरकार द्वारा उनका मुआवजा न देने तथा करंट सावनी (खरीफ) क्राप की कंपनसे ान देने के बारे में एक साल अटैन्ा ान मौ ान को नाटिस मिला हैं। मै उसे मंजूर करता हूं। आर्य साहब अपना नोटिस पढ दे और उसके बाद मिनिस्टर साहब अपनी स्टेटमैंट दें।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै इस सदन का ध्यान लोक महत्व के इस विशय की और दिलाना चाहता हूं कि 1981–82 की आशाढी की फसल ओलावृश्टि तथा भीत लहर से बरबाद हो गई थी, जिसके लिये सरकार ने फसल मुआवजा देने की घोशणा की थी परन्तु अभी तक वह मुआवजा न मिलने से किसानों में बहुत परे ाानी व्यापत हैं।

साथ ही इससे उनहे यह भी चिंता हैं कि पिछली फसल के समय बची फसल पर बेमोके की वर्शा के कारण गेहूं, चने आदि के बीज खराब हो गये थें। अब इस समय फसल बुआई को समय आ गया हैं परन्तु बीज की बड़ी भारी कमी होने का डर हैं और ठीक प्रकार का बीज उपलब्ध न होने से फसल कम बाई जाने का भी डर हैं। अतः सरकार मामलें में भीघ्र कार्यवाही करके इसी सत्र के दौरान सदन को सूचित करें। साथ ही चालू सावनी फसल ज्वार,बाजरा, गुवार आदि के मुआवजें की भी तजवीज पे ा करें ताकि रेगिस्तानी इलाके में पिछड़े इलाके के किसानेा को भी राहत दी जा सके।

वक्तव्य–

राजस्व मन्त्री द्वारा उक्त ध्यानकर्शण सूचना संबंधी

राजस्व मन्त्री (चौधरी फूल चन्द): अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि राज्य में 1981–82 की रबी फसलों की ओलों से काफी मात्रा में हानि हुई, जिसको 2 लाख हैक्टेयर से अधिक भूमि पर प्रभाव पड़ा। स्पै ाल गिरदावरी, जिसकी क्षैत्रीय राजस्व अधिकारियों द्वारा भात प्रति ात चैकिंग करवाई गई, परन्तु की गई तथा जहां खराबा 75 प्रति ात से अधिक था, वहां 400 रूपये प्रति एकड़, जहां 50 प्रति ात और 75 प्रति ात के बीच खराबा था, वहां 300 रूपयें प्रति एकड़ और जहां 25 से 50 प्रति ात कर था वहा 200 रूपये प्रति एकड़ की दर से मुआवता घोशित किया गया। इस प्रकार राज्य सरकार स्वयं 15 करोड़ रूपये की रा ि ा मुआवजा के रूप में देने के लिये वचनबद्व हैं, जो पिछले किसी भी वर्श से अधिक हैं। इससे पहले वर्श 1981–82 मे अधिकतम रा ि ा 9.34 करोड़ रूपये थीं। क्योंकि इस वर्श मुआवजे की रा ि ा बहुत थी इसलिये इसे कि तों में रिलीज करना पड़ा और अक तक 13 करोड़ रूपये की रा ि ा उपायुक्तों को दी जा चुकी हैं जिसमे से 16–09–1982 तक 9.34 करोड़ रूपये का वितरण हो चुका था औरप अब तक बांटी गई रा ि ा 10 करोड़ रूपये से अधिक हो गई होगी। भोश रा ि ा को जल्दी से जल्दी बांटने के लिये पुर्ण प्रयत्न कियें जाऐगें। हर सम्भव प्रयत्न किया जा रहा हैं कि मुआवजें के

वितरण में कोई अनियमितता न हों तथा इस रा ि ा को बांटने का कार्य केवल श्रेणी–1 के राजपत्रित अधिकारियो को दिया जाता हैं।

2. सरकार को भली–भाति मालूम है कि मौजूदा खरीफ की फसल को वर्शा ऋतु के समय से पूर्व बन्द हो जाने के कारण हानि हुई हैं जबकि वर्शा वास्तव में 15 दिन देर से आरम्भ हुई परन्तु जुलाइ के मध्य से लेकर अगस्त कि मध्य तक यह दूर दूर तक काफी मात्रा में हुंई। इसके प चात बहुत ही कम मात्रा मे वर्शा हुई जिसके फलस्वरूप किसानों को काफी कठिनाई का सामना करना पड रहा हैं वि ोशतः बारानी क्षैत्र में।

3. खडी़ फसलों को हानि से बचाने के लिये भरसक प्रयत्न किये जा रहे हैं। कुल उपलब्ध विधुत भाक्ति का 50 प्रति ात से अधिक अन्य क्षैत्रौं में कटोती लगाकर जिसमें उधोग भी सम्मिलित हैं, कृशि क्षैत्र की और लगा दिया गया हैं। बिजली की सप्लाई धान उपजाऊ क्षैत्र में 12 घण्टे प्रतिदिन तथा अन्य क्षेत्रों मे 9 घंटे एक दिन छोड़कर उपलब्ध कराई जा रही हैं। कृशि क्षैत्र में बिजली की सप्लाई को बढाने के लिये नियमित पग उठाये गये हैं, जिनमें उधोग उपभोक्ता के लिए पीकलोड, घंटो की पाबन्दी, भाहरी फीडरज का 4 घंटे बन्द रखना, उधोग आदि के लिये खाली दिनो ंका बढाना सम्मिलित हैं। मेरे आदरणीय साथी श्री एस0 एस0 सुरजेवाला द्वारा दिनांक 20–09–1982 को ध्यानाकर्शण नाटिस क्रमांक 3 के उत्तर में सदन को पहले ही इस स्थिती से अवगत कराया जा चुका हैं।

4. यथासम्भव नहर के पानी की मात्रा भी बढाई गई हैं। नहरो को काट कर पानी के दुरूप्रयोंग को रोकने के उदे य से सिंचाई विभाग द्वारा नहरो पर ग त कर दी गई हैं। यह भी है कि पिछली रबी में गेंहू और चने की फसले भीत लहर तथा ओलावृश्टि से प्रभावित हुई थी, इस कारण आने वाली रबी की बिजाई के लिये प्रमाणित बीजों की सप्लाई बढाई जा रही हैं। किसानों को 88,000 क्विंटल प्रमाणित गेंहू के बीज, 11,000 क्विंटल प्रमाणित चने के बीज तथा जौ एव तेल के बीज सप्लाई करने का प्रस्ताव है। सहकारी कर्जे भी बढाये जा रहे हैं और पिछले वर्श के 54 करोड़ रूपये के कर्जो के मुकाबले में रबी, 1982–83 का लक्ष्य 68 करोड़ रूपये रखा गया हैं।

मै सदन को वि वास दिलाना चाहूंगा कि खरीफ फसलों को हो रही हानी बारे सरकार पूर्णयता जागृत हैं और उसे बचाने क लिये भरसक प्रयत्न किया जा रहा हैं तथा प्रचलित प्रथा अनुसार उचित सहायता पग भी उठाये जायेगें। यह स्थिती केवल गिरदावरी के प चात ही स्पश्ट हो सकेगी। यदि इसके फलस्वरूप ऐसा आव यक हुआ तो भूमि जोतकर आबिचाना का सथ्गन करना, मुआफी देना, अल्म अवधि ऋण का मध्य अवधि ऋण मैं परिवर्तीत करना था अन्य उचित पग तुरन्त उठाये जायेगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने ब्यान में कहा है कि बहुत कम मात्रा में वर्शा होने के कारण वि ोशकर बैरानी क्षैत्रों मैं काफी कठिनाई का सामना करना पड़

रहा हैं। वहा पर 48 घन्टौं में केवल 9 घन्टें बिजली सप्लाई की है जो कि बहुत ना–काफी है। मिनिस्टर साहब ने यह भी बतायो है कि कहत के कारण काफी जगहों पर फसलें खराब हुई हैं। जहां पर नहरों से सिचांई होती थी वहां पर किसानेां का आबयानाक भी माफ कर दिया लेकिन जहां ट्यूबवैल से पानी दिया जाता हैं वहां के किसानो को कोई रियायत या राहत नही दी। जिन लोगों ने ट्यूबवैल लगाये हुए हैं और ट्यूबवैल से सिंचाई करते हैं उन्हे दस गुना खर्चा अधिक देना पडता हैं लेकिन उनको कोई राहत नही दी गई। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह भेदभाव क्यो बरता गया हैं? इस भेदभाव को खत्म करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठायें है?

चौधरी फूल सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, जहां तक रबी की फसल का ताल्लुक है, उसके विशय में मैने अपने ब्यान में बताया है कि ओलावृश्टि से 75 प्रति ात से अधिक खराब होने वाली फसल पर 400 रूपये एकड़ के हिसाब से 50 से 75 तक जहां खराब हुई वहां 300 रूपये प्रति एकड़, जहां 25 से 30 प्रति ात के बीच खराब हुई वहां पर 200 रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया हैं। जहां 25 प्रति ात से भी कम नूकसान हुआं है वहां कुछ नही दिया। मैम्बर साहब ने यह भी सवाल उठाया हे कि नहरी क्षैत्रों का आबयाना माफ कर दिया और ट्यूबवैल की सिंचाई होने वाले क्षेत्रों का नही किया। ऐसा मसला

पहले भी उठाया गया था। माननीय सदस्य जो नोटिस में लायेप हैं, इस पर फिर भी गौर करेंगें।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, यंह मामला ती दिन से सै ान मे उठाया जा रहा हैं और यह आबजर्व किया था कि य ह जैनुयन बात हैं यहा कर किसानों ने नहरों से सिंचाई की हैं, अगर उनकी फसल खराब हो गई है तो उनका आबयाना माफ किया गया था। अगर कोई व्यक्ति ट्यूबवैल से सिंचाई करता है और उसकी फसल खराब हो गयी है तो उसका आबयाना माफ नही हैं। ट्यूबवैल का खर्चा नहरी पानी से अधिक हैं। बडी़ जैनुयन बात हैं, इसे भी सरकार को माफ करना चाहिए। जो किसान उनके साथ भेदभाव क्यों बरता गया हैं। आज जीरी की फसल जल रही हैं, उसके लिए पानी का वि ोश प्रबन्ध किया जाना चाहिए।

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आर्य साहब की बात मे कुद वजन हैं। यह ठीक हैं कि जिन फसलों में नहर से पानी दिया जाता हैं, अगर वह भीत लहर से, गर्म हवा से खराब हो गई हैं, उसका आबयाना माफ कर दिया है लकिन जहां पर ट्यूबवैल से खेती होती हैं, वहां माफ नही किया हैं। यह बोर्ड का काम हैं इस बारे में बोर्ड से बातचीत करके कोि ा ा करेंगें कि वह कोई रास्ता निकाले। सरकार को किसानों से हमदर्दी हैं। जहां तक मदद हो सकेगीए कोि ा ा करेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्य: मेरा दूसरा सवाल यह हैं कि बचा हुआ मुआवजा कब तक दे देंगे?

चौधरी भजन लाल: ओलावृश्टि के कारण 15 करोउ़ रूपयो का टोटल नुक्सान हुआ हैं। 13 करोड़ रूपया डी0 सी0 साहेबान को दिया जा चुका हैं। केवल दो करोड़ बाकी रहता हैं। इस बारे में भी कोि ा ा करेंगें कि एक महिने में सारे को सारा पैसा पहुंच जाये।

श्री फतेह चन्द विज़: स्पीकर साहब, मेरी भी एक काल अटैनन मो ान थी, उसके बारे में पता नही लगा कि क्या पोजी ान हैं?

श्री अध्यक्ष: आपकी काल अटैन् ान के बोर में आज सै ान खत्क हाने से पहले बता दूंगा कि क्या पोजि ान हैं?

11.00 बजे

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैन् ान मो ान दिया हुआ था, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: उसका जवाब मैने आपको भेज दिया हैं। अव्वल तो आपके पास पहुंय गया होंगा, यदि नही पहुंचा तो अभी पहुच जाऐगा।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब पार्लियामंटीं अफेयर्ज मिनिस्टर रूल 15 के अधी प्रस्ताव पे ा करेंगें।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

That the proceeding s on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule "Sitting of the Assembly" indefinitely.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि आज के लिये नि चत की गयी कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनि चत काल तक नियम ''सभा की बैठकों'' के उपबन्धो से मुक्त किया जायें।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि आज के लिये नि चत की गयी कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनि चत काल तक नियम ''सभा की बैठकों'' के उपबन्धो से मुक्त किया जायें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Irrigation and Power Minister (Chaudheri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनि चत काल के लिए स्थगित रहेंगी।

श्री अध्यक्ष: प्र न हैं—

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनि चत काल के लिए स्थगित रहेंगी।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (न0 4) बिल, 1982

Finance Minister (Chaudheri Katar Singh Chhokar): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No.4) Bill] 1982.

Sir, I also beg to Move—

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (न0 4) बिल पर तुरन्त विचार किया जायें।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, इस एप्रोप्रिए ान बिल के माध्यम से सरकार ने जो कल सप्लीमेट्स की हमसे स्वीकृति ली थी, उसको आत बिल की भाक्ल में मन्जूरी लेना चाहती हैं। स्पीकर साहब, सरकार कितनी बेरहम हो सकती हैं, इसका उदाहरण कहीं दूर ढूंढने की जरूरत नही हैं। एक स्वास्थ्य विभाग की कार ड्राईवर साहब चला रहे थें और नारनौल से कनीना जा रहे थे। एक बुजुर्ग भयोताज सिंह की उनकी कार के साथ दुर्घटना में मृत्यु हो गयी। उसको कुछ रही दिया गया। उसकी बेवा भटकती रही ताकि उसको इन्साफ मिल सके। लेकिन भजन लाल जी उनको इन्साफ नही दिया। आखिरकार उसको इन्साफ का दरवाजा न्यायालय का खटखटाना पड़ा। उसको ट्रिब्यूनल ने 14,400 रूपये मन्जूर किये। आप देखिये कितनी इन–ह्यूमैन और कैलस या निर्दयी यह सरकार हो सकती हैं जो उस अबला के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करती हैं लेकिन हमारा अपनी अदालतों के सामने सिर झुक जाता है जिसने उसको न्याय दिया। आप जानतें हैं अगर आज अदालतें न होती तो हिन्देस्तान को नक ाा ही सत्तारूढ दल कुछ और बदल देतें। इनका बस चले तो यह हरेक चीज को अपना गुलाम बना लें। एग्जैक्टिव तो कुमिटिड होती ही है। उन बेचारों ने इसका कहना तो मानना ही

होता है, आखिर उन्होने नौकरी करनी है और लैजिस्लेचर में ब्रुट मैजोरिटी के बलबूतें पर जा चाहें, करवा लेतें हैं। लेकिन जुडीि ायरी ही अब तक एक ऐसी इन्डीपैडैंट बौडी हैं जहां से आम आदमी को कुछ राहत मिल सकती हैं। अभी भारत ने कन्डैम किया हैं। इस कानून के द्वारा अखबार वालेो का गला घोटनें की सारी कोि ा ा की गई हैं। मै मुख्य मन्त्री जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या इनके पास उस गरीब की बेवा की फरियाद सुनने की फुरसत नही थी।(व्यवधान व भाोर)

मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल): आपने बताया नही था।(व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः आपने बाकी सारे काम तो कर दिये लेकिन यह काम रह गया। पता नही कैसे रह गया। आपकों तो पत्थर लगाने से फुरसत नही हैं और जोड़–तोड़ करने से फुरसत नही हैं आप किसी गरीब की क्या फरियाद सुनेगें। (व्यवधान व भाोर) हमें पता नही था कि आप इतने बेवफा निकलेंगे कि हमें छोड़कर चले जाऐगें। (विघ्न)..... हमारी इतनी मजबूरी है कि हम बिकाऊ नही हैं। हम प्रिंसीपल के आदमी हैं, जहां पहले थे अब भी वही हैं।

चौधरी भजन लालः आप पहले कहां थे, अब कहां हो।

डा0 मंगल सैनः हम अब भी वही हैं, जहां पहले थे। कल भी मैनें बताया था कि हमने अपने नाम के आगें प्यारा

''भारतीय'' नाम जोड़ लिया हैं। विचान वही हैं, सिद्वान्त वही हैं, असूल वही हैं और नेता वही हैं। आप भूल गये जय प्रका ा नारयण जी को . . . . . .

चौधरी भजन लालः मै आज भी उनकी कद्र करता हूं।

डा0 मंगल सैनः आपको वह समय भूल गया हैं जब आप श्री जय प्रका ा नरायण जी के पास आ ीिवाद लेने जुलाई, 1979 में बम्बई में एक्सप्रैस टावरप की 10वी बिल्डिग में गये थे और आपने उनका हाथ अपने सिर पर रखवाकर फोटो भी खिचवाया था।

श्री अध्यक्षः आप इनकी पुरानी याददा त क्यों ताजा कर रहे हैं? आप बिल पर बोलिये।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी इतनी तीव्र या तीक्ष्ण बुद्वि नही है इसलिये मै कई बार इनके बहकावें में आ जाता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बिल पर बोलें।

डा0 मंगल सैनः बहुत अच्छा जी। तो मैं यह कह रहा था कि जो कुछ इन्होने उस बेवा के साथ किया हैं, उसकी जितनी निन्दा की जायें, उतनी ही थोडी़ हैं। इसी प्रकार से इन्होने हमारे रोहतक के पास ही एक तिलियार टूरिस्ट काम्पलैक्स खोला हैं। वहां श्रेयो नाथ जी की और दूसरे लोगों की जिन से सरकार की

दु मनी थी, इन्होने सोचा कि इनके पास बहुत जमीन हैं, उनकी जमीन हथिया ली और वहां पर एक टूस्टि काम्पलैक्स खोल दिया। जमीन का मुआवजा अपने मनमाने ढंग से बहुत कम दिया। आखिर में वे लोग अदालतों में गये। हाईकोर्ट तक गयें। स्पीकर साहब, आप ही जरा देखिये कितना फर्क हैं। वहां 6,000 रूपये प्रति एकड़ को और कहां 20,000 रूपये प्रति एकड का। 14,000 रूपये प्रति एकड का फर्क हैं। इसके अलावा इस पैसे पर सूद अलग से देना पड़ा। क्या यह पैसा मुख्य मन्त्री जी की जेब से गया हैं। नही, इनको पैसा तो अपनी जेग से देना नही पड़ा। इनकी तो व्हिम ठहरी।(व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः 1973–74 की बात है। उसके बाद तो आप भी सरकार में रहे हैं।

डा0 मंगल सैनः आप भी हमारे साथ थे। हम ता वहां कभी रहते नही थें। आप ही रैस्ट हाउसिज में ठहरते हों। यह क्रिमीनल कार्य किया गया हें जा जनता के गाढे पसीने की कमाई को पैसा, हरियाणा के गरीब किसान और खेतीहार मजदूर का, दुकानदार या व्यापारी द्वारा दिया गया टैक्सों की भाक्ल में पैसा मुकद्दमेबाजी पर अदालतों में इस तरह से बर्बाद किया गया है। इस तरह से जनता का पैसा बर्बाद किया गया हैं। इसके अलावा जो सूद दिया गया हैं, वह अलग से हैं। इसके लिये फिर हाउस में आतें हैं और कहते हैं कि सप्लीमैंट्री कुर्सियां नीलाम हो जायेगी, कही डिप्टी कमि नर का दफ्तर कुर्क न हो जाए। हमारी जान

बख्भाों। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से रोहतक में इंडस्ट्रियल डिवैल्पमैन्ट कालोनी बनाई है और वहां भी ऐसा ही किया हैं। वहां पर भी जमींदारों को बहुत कम पैसा दिया गया हैं। मजबुरी में व लोग अदालतों में गए। ऐसे ही कालका में हुआ हैं। सरदार जी, आप तो वजीर थे। आप तो उन जमींदारो को बचवा लतें। स्पीकर साहब, यहां पर पुलिस का जिक्र किया गया और चौधरी भजन लाल जी पुलिस की बड़ तारीफ कर रहे थ। कि हमारी पुलिस बडी़ अनु ाासन वाली हैं। लेकिन दूसरी तरफ हालज हैं कि चौर सौ आदमियों को निकाल दिया। उनको अपनी बात कहने को कोई मौका नही दिया। सरकारी नौकरी में अगर चपरासी को भी निकाला जाता हैं तो उसको भी बताया हात है कि उसको निकाला जा रहा हैं। लेकिन स्पीकर साहब, उन चार सौ पुलिस वालो को बी0एस0एफ0 को बुलाकर निकाला गया। मधुबन को घेर लिया गया और उनको कहा कि हथियार दो जैसे दो दे ाों की फौजें लड़ रही हो।(ाोर एव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः इसका भी जवाब देना पड़े गा।

श्री अध्यक्षः आप इसी प्वायंट पर बोलें जिसका सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेटसे में जिक्र हैं तथा जिनके बारे में यह बिल जाया गया हैं। आप स्कोप से बाहर न बोलें।(विघ्न)

डा0 मंगल सैनः आप जवाब दीजिए। सरकार ने चार सौ कुनगो की रोटी पर लात मारी हैं इससे ज्यादा ज्यादती आप और क्या कर सकतें है। आप उनके बच्चों के आसूं नही पुछ सकतें।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब आप तो काफी तजुर्बेकार हैं, आप तो स्कोप के अन्दर बोलें।

डा0 मंगल सैनः बहुत अच्छा जी। स्पीकर साहब, मोती लाल नेहरू स्कूल के लिए जमीन हैं वहां पर भी ऐसी ही ज्यादती की हैं। स्पीकर साहब, एक किस्सा हो तों खत्म हो जाए यहां तो कहानी इतनी लम्बी है कि खत्म होने में ही नही आती। भिवानी में जेल के लिए जमीन ली वहां पर भी ऐसा ही किया और उन लोगों को कोर्ट में जाना पडा़। एक ऐक्सीडेन्ट का केस हैं। एक केस और हैं जिसमें एक रोड रोल्र का ड्राईवर इंवाल्वड हैं। ये आई0 ए0 एस0 औफीसर्ज को तो हाथ नही लगा सकते क्योंकि उनकी लौबी हैं।(ाोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker: I.A.S. Officers are not there to defend themselves. Therefore, do not make any reference about them.

डा0 मंगल सैनः मै तो यह कह रहा था कि ये आई0 ए0 एस0 औफीसर्ज को तो हाथ लगा नही सकते लेकिन बेचारे ड्राईवर को इन्होने चार साल पहले ही रिटायर कर दिया। स्पीकर साहब, जगजीत सिंह ने पब्लिक वर्कस डिपार्टमैंट में 01—08—1956 को सर्विस ज्वाएन की और उसको रिटायर 1978 में होना था लेकिन उसको 1974 में ही रिटायर कर दिया।(ाोर एव व्यवधान)

उस बेचारें के बच्चों पर रोड रोलर फेर दिया। भगवान जाने क्या उसके बच्चें सोचते होगें कि उसको चार साल पहले निकाल दिया। (ाोर एव व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं बड़े अदब के साथ कहना चाहता हूं कि सरकार को बड़ी विजिलैन्ट होकर काम करना चाहिए और छोटे से मुलाजिम को भी तडपाकर नही मारना चाहिए। उसको मजबून नही करना चाहियें कि वह अदालत में जाए। स्पीकर साहब, उसको 1978 में रिटायर होना था लेकिन उसको चार साल पहले रिटायर कर दिया। वह अदालत मे चला गया ओर सरकार को मय सूद के पैसा देना पडा। यह कहते है कि क्या फर्क पड़ता हैं। मै कहना चाहता हूं कि जनता की मेहनत की कमाई को इस तरह से बरबाद न करों। सरकार को इन सारी बातों से सावधान रहना चाहिए। कहने को तो बहुत सारी बातें है लेकिन आप को उनकों कहने नही देंगे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह कह रहे थे कि कनफ।उ से किसी को नही निकाला लेकिन कहा यह जा रहा हैं कि लोगों को निकाला गया हैं। हमें जानकारी मिली है कि सत्तर हजार ऐप्लीके ांज आई थी। सत्तर हजार का इन्दरव्यू लिया गया। फिर आप कहेगें कि स्कोप के बाहर जा रहा हूं इसलिए मैं इस बात को यहीं पर छोड़ता हूं। बीरेन्द्र सिंह जी से मै कहूंगा कि ये स्पश्ट कर दें कि किसी को निकाला है या नही। स्पीकर साहब, इतना कहकर मै अपना स्थान लेता हूं और इस एप्रोप्रिए ान बिल का विरोध करता हूं।

डा0 भीम सिंह दहिया(रोहट): स्पीकर साहब, जो ऐप्रोप्रिए ान बिल पे ा किया गया हैं मैं समझता हू कि उसका विरोध करना बहुत अच्छा नही लगता, क्योंकि जो पैसा जिन लोगों को मिलना है और जिन कारणों से ऐप्रोप्रिएट किया जा रहा हैं उन लोगों को मिलना चाहिए। यह हमारी मजबूरी है कि इसको हम उनको दे रहे है इसलिए हम इसका विरोध नही कर सकतें लेकिन जिन कारणों से यह ऐप्रोप्रिएट किया जा रहा हैं उन पर बड़ी गम्भीरता से विचार करने की जरूरत हैं। स्पीकर साहब, जितने केसिज सप्लीमेंटरी डिमांडज में लिस्ट किए गए हैं वे सब ज्यादती के केसिज है चाहे जमीन ऐक्वायर करने के बारे में है या किसी को पहले रिटायर कर दिया गया हैं। स्पीकर साहब, सरकार द्वारा किसानों की जमीन बहुत सस्ते भाव पर ऐक्वायर कर ली जाती हैं। पांच दस साल बेचारे किसान को कचहरियों में घूमने के बाद तीन–चार या पांच गुणा पैसा मिलता हैं। यसह सब सरकार की तरफ से भी और आदमी की तरफ से भी बेकार मा खर्चा हैं। एक गरीब किसान के साथ यह बहुत बड़ी ज्यादती हैं। सरकार गरीब किसान जिसकी जमीन ले ली गई हैं, जिसके पास रोजी रोटी का कोई सहारा नही रह जाता हैं। वह कैसे आठ दस साल तक अदालतों के चक्कर काट सकता हैं। उसके पास आमदनी का कोई जरिया नही हैं और कचहरियो में जाने के लिए दस हजार या न्याय नही मिलता। कल कहा गया था कि न्याय भाायद इसलिए नही मिलता कि सरकार के कई कानून सैन्टर से बने हुए हैं इसलिए हमारी मजबूरी हैं। इस बारे मे मैं यह कहना चाहता हूं कि

कोई भी बात हैं आप उस पर विचार करें। अगर सैन्टरप ने किसी बात का फैसला करना हैं तो सरकार को सैन्टरप को लिखना चाहिए, वहां पर जाकर बात करनी चाहिए। इस किताब में जो दूसरे केसिज लिस्ट किए गए हैं वे भी सरकार की ज्यादती के हैं। एक केस मे सरकार ने एक आदमी को निकाल दिया लेकिन बाद में अदालत से उसको न्याय मिल गया और सरकार की गल्त नीति के और ज्यादती के हैं। इसलिए मै सरकार से प्रार्थना करूगां कि वह दन सब बातों पर गौर करे और गरीब आदमीयों के साथ न्याय करें।

चौधरी साहब सिंह सैनी (थानेसर): अध्यक्ष महोदय, इस समय सदन में एप्रोप्रिए ान बिल पर डिस्क ान चल रही हैं। मै उसके विरोध में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। अगर सरकार वास्तव में इस पर पूरी तरह से अमल करे और ईमानदारी से लोगों की सेवा करे तो मैं समझता हूं कि ये डिमांडज ठीक है लेकिन जैसाकि पैने पहले दिन भी प्र न किया था कि जिला कुरूक्षैत्र में कुछ गांवों में, जहां की जमीन बड़ी ही उपजाऊ है और सड़क के साथ लगती हैं, वहां पर तों जमीन एक्वायर करने के बाद सरकार ने लोगों को केवल 20 हजार पर–एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया हैं लैकिन जो दूर की जमीन हैं, गांव से दूर लगती हैं, और वह जमीन अच्छी भी नही हैं वहां पर लोगोंप को 40,42 हजार रूपये पर–एकड़ के हिसाब से जमीन का मुआवजा दिया गया हैं। यह उचित बात सरकार की तरफ से नही की गई

हैं। इस इलाके में कम से कम 100 के करीब ऐसे परिवार है जो कि बिल्कुल बेघर हो गये हैं। जिनके पास कोई जमीन भी नही हैं और प ाुओं को चारा वगैरह देने का भी उनके पास कोई साधन नही हैं और जून में जब लैन्ड एक्वायर की गई तो लैन्ड एक्वीजी ान अफसर जब वहां गये तो उस वक्त लोगो की भूमि फसल बोने के लिए बिल्कूल तैयार थी। मैने उनसे कहा ंहैं कि साहब यह सही समय नही हैं लोगों की जमीनों को एक्वायर करने का, क्योकि यह सीजन तो उनको बीजने का हैं लेकिन उन्होने हमारी एक भी न सुनी और कहा कि हम क्या कर सकते हैं, सरकार की मजबूरी हैं, सरकार का आदें ा है कि इसी वक्त लैन्ड एक्वायर कर ली जाए। लैन्ड एक्वायर कर ली गई लेकिन आज तक उस जमीन का लोगों को उचित मुआवजा नही दिया गया हैं। अगर सही मायनों मे सरकार यह चाहती है कि किसी के साथ कोई भेदभाव की नीति न बरती जाए तो सरकार को अव य ही इस तरफ ध्यान देना चाहिये औरप लोगो को उनकी जमीनों का एकसार मुआवजा दिया जाना चाहिये ताकि लोगों में किसी भी प्रकार को रोश वगैरह न हो। 20 हजार पर–एकड़ के हिसाब से जो मुआवजा दिया गया हैं, ऐसे लोगों को दूसरी जगहों के अनुसार जो मुआवजा दिया गया है, वही दिया जाए। स्पीकर साहब, इसके साथ–साथ में कहना चाहता हूं कि जो लैन्ड एक्वीजी़ ान अफसर था, उसने लोगों को नाजायज तंग भी किया और खड़ी फसलों के बारे में यह हूक्म दिया कि इसकों अभी काटिये ओर उसी वक्त ट्यूबवैल पर भी कब्जा कर लिया और यहां

तक हुआ कि उस जमीन का दो जून को अवार्ड सुनाया गया लेकिन अवार्ड मिलता हैं कम से कम 15 या 16 दिनों के बाद और वह भी बहुत कम इस प्रकार का अन्याय सरकार की तरफ से गरीब किसानों के साथ किया गया हैं और किया जा रहा है जिसको कि लोग सहन नही करेंगें। इस बारे में लोगों ने बहुत सारी रिप्रजेन्टे ान भी दी हैं लेकिन अभी तक उन पर गौर नही किया गया हैं। वे लोग अगर अदालतों में जाएंगे तो 10–10 सालों तक वे लाग अपनी कीमतो ंको वसूल कर पाएगें। इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि उन लोगों की जो रिप्रजेन्टे ानज हैं, उन पर फौरी तौर पर गौर किया जाए ताकि लोगो को राहत मिल सकें।

इसके साथ मै थानसेर हल्के की कुछ सड़को का भी जिक्र करना चाहता हूं। जो सड़कों के छोटे–छोटे टुकड़े है वे बिल्कुल ही इग्नौर कर दिये गयें हैं, जिसकी वजह से लोगों को बडी़ परे ाानी का सामना करना पड़ रहा हैं। पता नही क्या कारण हैं, अधिकारीगण भी इस और ध्यान नही दे रहे हैं। मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि मैं उन सड़को के नाम बताता हूं उनकी तरफ सरकार अव य ध्यान दे और उनको भीघ्र ही बनवाने की कृपा करें। मै उन सड़को के नाम बताता हूं। एक सड़क है बड़ौट गांव से सलेमपुर तक, यह केवल तीन किलोमीटर को ही टुकडा़ है। रोड़ी वगैरह तो वहां पर बिछाा दी गयी है लेकिन तारकोल नही डाला गया हैं। दूसरी सड़के है धनौरा से इन्दिरा गान्धी ने ानल कालेज लाडवा तक। यहां पर मोटा रोड़ा वगैरह बिछा

दिया गया हैं, पर पता नही यहां पर भाायद कोई पोलिटीकल कारण से रूकावट आ गयी हैं। तीसरी सड़क है लोहाडा़ से गिरधारमुर, यह केवल दो फर्लांग का टुकड़ा है, इसको भी सड़क से नही जोड़ा गया है और बरसात में लोगों को आने जाने मे कुाी दिक्कते होती हैं। इसके बाद एक सड़क हैं निवारसी गांव से स्कूल तक, एक सड़क है भूतमाजरा से स्कूल तक, इन दोनों के न बनने के कारण बच्चों को स्कूल वगैरह आने जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा हैं। भाायद यहां भी कोई राजनैतिक कारण उलझ गया है जिसकी वजह से ये सड़के बनने से रह गयी। एक सड़क है खेरी से हरीपुर, खेरा से लोहाड़ा और सम्मालखा से डेरा गुरूद्वारा तक इस तरफ सरकार को अव य ध्यान देना चाहिये। फण्डज तो सरकार मांग लेती है लेकिन उन फण्डज का सही प्रयोग नही किया जाता हैं।

इसके अलगा प्वायंट मै आपके द्वारा सरकार के नाटिस में लाना चाहता हूं कि भाखड़ा कैनाल पर जो सरकार की तरफ से ट्यूबवैल लगें हुए हैं वे ट्यूबवैल 24 घण्टे चलते हैं और उनका 8 इंच को बौर है जिसके कारण थानेसर तहसील में पहेवा में जितने लोगों के अपने ट्यूबवैल है, उनका पानी सूख गया हैं उन में पानी नही ओ रहा हैं। इसलिये मेरा सरकार से निवेदन है कि जिन लोगो के सरकारी ट्यूबवैल चलने के कारण पानी बन्द हो गया हैं, उनको सरकार की तरफ से पानी मुहैया किया जाए या फिर सरकार अपने उन ट्यूबवैल को बन्द करे ताकि दूसरे किसान

अपने ट्यूबवैल को चला करकें अपने खेतों को पानी दे सके और किसानों की फसलें भी बच सकें।

इसी तरह से बिजली के मामले में भी कुछ कहना चाहता हूं कि कुरूक्षैत्र मे पैडी की फसल सबसे ज्यादा होती हैं, यह ऐरियां पैडी का है और सुरजेवाला जी को पता ही है कि पिछले हफ्ते मे कुरूक्षैत्र जिले में 28 के लगभग ट्रांसफार्मर्ज जल गये हैं हस बारे में मैने कई बार ि ाकायत भी की हैं और जुबानी भी रिकवैस्ट की हैं लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नही हुई हैं। कहते है कि अभी हमारे स्टाक में ट्रान्सफार्मर्ज नही हैं। स्पीकर साहब, किसानों के ट्यूबवैल नही चल और इसका नतीजा यह हुआ कि किसानों ने अपनी फसले काट कर, जाकि सूख गयी थी, प JIओ को डाल दी। इसलिये मेरी रिक्वैस्ट है कि आने वाले 15–20 दिनों के लिए इस इलाके में बिजली की लगातार बिना किसी रूकावट के स्प्लाईं जारी रखी जाए ताकि किसान तबाह होन से बच जाए क्योंकि आजकल धान पकने वाला है। अगर ऐसा सरकार की तरफ से न किया गया तो किसान बुरी तरह से पिस जाएगा और इसकी सारी जिम्मेवार सरकार के ऊपर होगी।

अब मै बस सर्विस के बारे में कुछ बाते कहना चाहता हूं क्योंकि आज हरियाणा के अन्दर बस सर्विस बडी ही खराब हैं। कुरूक्षैत्र जिले मेंं लाडवा पेहवा वगैरह से बहुत से बच्चे पढने के लिये आते जाते है लेकिन उनको बस सर्विस के खराब होने की वजह से आने जाने में काफी दिक्कत होती है। कइ बच्चे छतों पर

बैठकर और कई मोटर–साईकलों पर सवार होकर जाते हैं। अगर सरकार सही मायनों में लोगों की सेवा करना चाहती हैं तो लौकल बस सर्विस लाडवा, पिपली और यूनीवर्सिटी कैम्पस के लिये प्रोवाइड की जाए ताकि लोगों को सहुलियत हो जाए। इसके साथ साथ यहां पर यह कहा गया कि एक जिलें में जहां नहर का पानी नही दिया गया वहां पर लोगों की फसले तबाह हो गयी और उनकों सरकार की तरफ से मुआवता दिया गया हैं और मालिया माफ कर दिया जाता हैं। मै कहना चाहता हूं कि इसी तरह से पेहवा को छोड़कर जिला कुरूक्षैत्र के दूसरे इलाके में वहां पर लोगो का न तो मलिया माफ किया हैं और न ही उनको मुआवजा दिया गया हैं और फिरप क्या हुआ कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों ने लोगो से मिलकर अन–अथोराइज्ड कनेक ान्ज दिये और खराब मीटर सप्लाई किए गए और बाद मे लोगो को 6–6 हजार रूपये के बिल भेजे गये और फिर पेमैन्टस न होने के कारण उन लोगो के कनैक ान काट दिये गये। इस तरह से लोगो को नाजायज तंग किया जा रहा है इसलिये मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और कुरूक्षेत्र का जिला जो कि पैडी एरिया हैं, उनको बचाने के लिये किसानों की हर मुमकिन मदद की जाए और जिन लोगों की फसलें जहां नहरी पानी न लगने के कारण खराब हुई हैं, उनको मुआवजा दिया जाए और उनका मालिया माफ किया जाए। अन्त में मै फिर सरकार से यह रिक्वैस्ट करना चाहता हू कि किसी किस्म का भेदभाव न करके सभी इलाकों के किसानों के साथ सहानुभूतिपूवर्क व्यवहार किया

जाए और उनकी दिक्कतों को दूर किया जाए। इतना कहता हुआ मैं इस एप्रोप्रिए ान बिल का विरोध करता हुआ धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्रीमति चन्द्रावती: जनाब, आज सै ान को आखिरी दिन है इसलिये हरेक मैम्बरप को बोलने के लिये समय मिलना चहिये।

श्री अध्यक्ष: आप ही दैखिये बहन जी, मैने मैम्बर्ज को अपोजी ान की तरफ से बुलवाया हैं। उसके बाद ही मैने रूलिंग पार्टी के एम0एल0ए0 का नाम लिया हैं।

श्री सागर राम गुप्ता (भिवानी): स्पीकर साहब, इस समय हाउस के सामने एप्रोप्रिऐ ान बिल पे ा हुआ हुआ हैं। मै इसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं क्याकि इस बिल में किसानों को राहत देने का प्रावधान हैं और उनके लिये हरियाण सरकार ने बहुत अच्छे– अच्छे काम किये हैं। आपको पता ही है कि जब ओले पड़े, भीत लहर आई उस वक्त किसानों पूरी पूरी फसले तबाह हो गयी और सरकार ने किसानों मुआवजा भी दिया। मै दो तीन बाते मोटे तौर पर अर्ज करूगां जिनके जरिये सरकार का और इस सदन का भी ध्यान दिलाऊगां। पहली बात चह है कि जहां तक किसानों को मुआवजा देने की बात है मै समझता हूं कि इसमें कोई ज्यादा इन्साफ वाली बात नही हुई हैं। मुझे मालूम है कि मेरे अपने भिवानी हलके मे 25–30 गावो मे किसानो को काफी नुकसान हैं लेकिन पटवारियों, गिरदावरों और कुछ अन्य वैस्टिड

इन्ट्रैसट ने उस वक्त जो रिपोर्ट दी वह गलत दी। उन गलत रिपोर्टस के देने की वजह से हमारे यहां किसानों को मुआवजा नही मिला। सरकार इस में कुछ न कुछ जरूर कर सकती हैं। इस बात को तो मैं मान सकता हूं कि आज कोई ऐसी एवीडैंस इवेलेबल नही है जिसके आधार पर उन रिपोर्टस को स्क्रटीनाइज किया जा सके लेकिन फिर भी सरकार कोई ऐसा जरिया निकाल सकती हैं जिससे पता लग सकें कि किन लोगो ने गलत किस्म की रिपोर्टस बनाई जिसकी वजह से किसानों को मुआवजा न मिल सका। सरकार उनको कम से कम सजा देने की बात जरूर करें। इसी सिलसिले में मैं एक और अर्ज अपनी कांस्टीचयुएंसी के बारे में करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, उस इलाकें में आप भी गए होंगे। हमारा इलाका बहुत पूअरली इरीगेटिड है और वहा पर मुआवजें की बात किसी एक, दो, तीन या चार फसलों की हो तो इग्नौर की जा सकती हैं लेकिन वहां पर तो हर साल फसलें खराब होती हैं। पुअर इरीगें ान की वजह से हर किसान का वहां पर नुकसान होता हैं। वहां पर हर कैनाल और डिस्ट्रीब्यूटरी की टेल हैं और दूसरे वह रेतीला इलाका हैं इस वजह से जो थोड़ा बहुत पानी आता हैं वह खेतों मे जाने से पहले ही नालियों में सूख जाता हैं। बंसी लाल जी ने अपने वक्त में उस इलाके की कुछ तरक्की करने की कोि ा ा की थी और वे उधर ती चार नहरें भी ले गए थे लेकिन उसके बावजूद भी आज अगर मैं यह कहूं कि उस इलाके मे 75% इरेगे ान नही हो रही और केवल 25% हो रही है तो यह कोई एगजाजरे ान की बात नही हैं। मैं

सरकार से यह प्रार्थना करना चाहूंगा और साथ ही हाउस से भी कि जहां आप गरीब किसानों को मुआवजा देने की बात सोचतें हैं वहां इस बात को भी जरूर सोचिए कि जहां इरीगें ान की कमी की वजह से परमानैंट लौस है और किसान अपनी फसलें नही उगा सकते वहां भी फारमर्ज को मुआवजे के तौर पर कुछ राहत देने की कोि ा ा करें। मैं यह नही कहता कि उनको नकद मुआवजा दिया जाए। मुआवजा देने के दूसरे रूप भी हैं। मुझे याद हैं मेरे भाई हीरा नन्द जी आज सुबह बात कर रहें थे कि वहां पर बिजली के रेट सबसीडाइज्ड करें, जहां ट्यूबवैल नही हैं वहां इन–पुटस और फर्टिलाइजर वगैरह देने के लियें उनको सबसीडाइज करें। जहां पानी की कमी की वजह से या रेतीलेपन की वजह से आम तौर पर फसले कमजोर होती हैं वहां किसानों को कुछ न कुछ राहत जरूर दी जाए ताकि उनका जो फरमिंग औकुपे ान है वह इकोनौमिक हो सके। इसके साथ–साथ स्पीकर साहब, मैं एक यह बात भी अर्ज करना चाहता हूं कि केवल किसान ही नही बल्कि इस प्रान्त के मजदूर भी इस सरकार इस बात को अच्छी तरह से जानती भी हैं। मै 25–30 साल से इस फील्ड में हूं इसलिये आज मैं यह कह सकता हूं कि बावजूद इस बात के कि सरकार ने मजदूरों को राहत देने के लियें बहुत कानेन बनाए हैं लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता हैं कि मजदूर कानून हमारी स्टेट में अच्छी तरह से लागू नही होते। दुख की बात यह है कि आज सरकारी अधिकारियों में भ्रश्टाचार बहुत जब्रदस्त चला हुआ हैं जिसकी वजह से पूंजीपति लोग इन

अधिकारियों को अपने काबू में रखतें हैं और गरीब मजदूर पिटते रहते हैं। इसलियसे मैं सरकार से यह कहूगां कि वह इस बात की तरफ जरूर ध्यान दें। मैं मुआवजें की बात कर रहा था। स्पीकर साहब, आपको मालूम हैं कि इंडस्टरी में बड़ा रिसै ान आया हुआ हैं। बहुत सी जगहों पर मजदूर रिट्रेच हो रहे हैं, बहुत सी जगहों पर मजदूर ले–आफ किये जा रहे है और बहुत सी जगहों पर मजदूरों को धक्के मार कर बाहर किया जाता हैं तो क्या ऐसे मजदूर मुआवजे के हकदार नही हैं? क्या उनको रोटी नही चाहिए, क्या उनको कपड़ा नही चाहिए या रहने के लिये मकान नही चाहिए। अगर हम फारमर को मुआवजा देते हैं तो मजदूर को क्यो न दें, सरकार इस बात पर विचार करें। ऐसे मजदूर जिनको बिना कसूर सरप्लस करके नौकरी से निकाल दिया जाता हैं, उनको सरकार मुआवजे के तौर पर राहत दे। स्पीकर साहब, यही नही उन मजदूरों को भी राहत की जरूरत है जो बेचारे लेबर कोर्टस में और ट्रिब्यूनल में कई–कई सालों से मारे–मारे फिर रहे हैं। सरकार इस बात का अच्छी तरह से मता हैं कि 70–80% मुकदमें ऐसे होते है जो मालिक क्रिएट करते हैं। मजदूर यूनियन मालिक को अपनी डिमांडज को नाटिस देती हैं और ऐसा होते ही मालिक की फलाइंग स्क्वायड अपनेा काम करना भाुरू कर देती हैं। जो 15–20 मजदूर यूनियन के लीडर होते हैं उनको सस्पैंड और डिसमिस कर दिया जाता हैं। उनका कसून यह होता हैं क्योकि उन्होने मजदूरीो को इकट्ठा किया और उनका जीवन स्तर ऊंचा करने की कोि ा ा की हैं। मालिकों को ये बातें अच्छी नही

लगती इसलिये वे फौरन यूनियन के लीडर्ज को खत्म करने की कोि ा ा करते हैं। जब उनको निकाल दिया जाता हैं तो कंसिलिए ान अफसर उनका समझौता नही करवा पाता और सरमार उनके मुकदमें अदालत में भेज देती हैं।

श्री अध्यक्षः गुप्ता साहब, आप बिल की क्लाज के अन्दर – अन्दर ही रहें, जनरल डिस्क ान में न जाएं। आप कहुत बाहर चले गये हैं। इसमें मजदेरों को निकालने की कोई बात नही हैं।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, क्योंकि इसमें मुआवजें की बात हैं इसलिये मै यह जिक्र कर रहा हूं। मैं अर्ज कर रहा था कि मजदूरों को भी किसानों की तरह से मुआवज की जरूरत हैं। जिनके मुकदमें 8–10 साल तक अदालतों में चलते हैं उनकी हालत का आप अन्दाजा लगा सकते हैं। मैं अर्ज कर रहा था कि सरकार ने किसानों को राहत देने के लिये बहुत अच्छे कदम उठाए हैं लेकिन किसानों के अलावा हमारी स्टेट मे ऐसे दूसरे अंग भी है जिनकों इस तरीके के मुआवजे की जरूरत हैं। मै अर्ज कर रहा था कि हरियाणा में मजदूरो की द ाा अच्छी नही हैं, उनको कानून की राहत ठीक नही मिलती हैं। उनकी रिसै ान की वजह से रिट्रैचमैंट हो रही हैं, उनको नौकरी से हटाया जा रहा है। बिजली की कमी की वजह से बहुत से मजदूरों को नौकरी से निकाला जा रहा हैं। मै सिर्फ इतनी बात कहना चाहता हूं कि यह पालिसी मैटर हैं इसलिये इस बारे सरकार सोच विचार करके गरीब मजदूरों को राहत दें।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल(मढाल खुर्द): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले आनरेबल सागर राम गुप्ता जी ने एप्रोप्रिए ान बिल पर बोलजे हुए कुछ बातें कही। उन्होने इस बील के बारे में कहा हि यह बहुत बढियां बिल हैं किसानों को इस बिल से काफी रहात मिलेगी। इसके इलावा उनहोने मजदूरों के बारे में बातें कही और एक बात यह भी कही कि आम आदमी को गवर्नमैंट के बारे में जा जनरल इम्प्रै ान हैं वह सबको मालूम है तथा उन्होनें प्रान्त में वाइंड स्परैड क्र ान के बारे मे बातें कहीं उनके लिए मै गुप्ता जी का धन्यावाद करता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, लोगो का जो गलत इम्प्रै ान है वह गवर्नमैंट म ीनरी के बारे में हैं। सरकार द्वारा जो प्लानिगं बनाई जाती हैं उसको इम्पलीमैंट करने के लिए एक म ीनरी होती हैं। अगर उस म ीनरी का कामन के लिए इन्ट्रैस्ट बना हुआ हैं या नही । इस बारे में मुझे एक बात याद आती हैं। यह बात अढाई हजार वर्श पहले की हैं। उस समय चीन में राजा कंफ्यू ियस राज करता था उसके पास एक राजा जाता है और कहता हैं कि महाराज मुझे राज करने के लिए कोई बढियां नुक ाा बताएं। महाराजा कंफ्यू ियस ने उस राजा से कहा कि बढिया राज चलाने के लिए तीन चीजें जरूरी होती हैं। एक जनता में वि वास, दूसरी भोजन और तीसरी फौज–पुलिस। अगर ये तीन चीजे रहेंगी तो आपका भाासन बहुत बढिया तरिकें से चलेगा। अस राजा ने कहा कि महाराज तीन चीजें तो ज्यादा है आप कोई दो चीजें बताए। जिससे हमारा राज अच्छी तरह से चलता रहें और ज्यादा दिक्कत

भी न रहे। फिर महाराता ने कहा कि आप फौज हटा दीजिएगा तो काम अच्छी तरह से चलता रहेंगा और आपकी प्लालिगं बनती रहेंगी और इम्पलीमैंट होती रहेंगी। लेकिन थोडी़ देर सोचने के बाद उस राजा ने महाराजा कंफ्यू ि ायस से कहा कि महाराज एक ही चीज रहने दिजिए तो महाराज ने कहा कि भोजन की भी जरूरत नही है आप सिर्फ वि वास रखिए। अगर जनता का वि वास आपकी म ीनरी में है, आपकी गवर्नमैंट में है और आपके सरकारी अफसरान में है तो आपका राज बहुत अच्छे तरीके से चलता रहेगां। अगर जनता का वि वास आपकी म ीनरी से उठ गया तो जनता विद्रोह कर देगी। जो कि हमारे प्रदे ा में हा रहा हैं। अध्यक्ष महोदय मुख्यमंत्री जी इस समय हाउस में नही बैठे हैं। कल उन्होने कहा था कि क्र ान तो खत्म नही सकती।(ाोर)

श्री अध्यक्षः ग्रेवाल साहब, आप एप्रोप्रिए ान बिल पर ही बोले और आप वाईड अप करें।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः ठीक हैं जी। मैं दो मिनट में खत्म कर दूंगा। मैं यह कह रहा था कि बल मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि क्र ान खत्म नही हो सकती। अध्यक्ष महोदय, इस दे ा में भ्रश्टाचार को खत्क करने के लिए लोगों ने कुर्बानियां दी लेकिन हमारे दे ा में क्र ान बढ चढ कर मिलेगी और बेरोजगारी बढ चढ कर मिलेगी। हमारे दे ा के लोगो ने इस किस्म की आर्थिक कंडी ान को सुधारने के लिए कुर्बानीयां दी थी। आजकल

दे ा में और हमारे प्रदे ा में हालत यह है कि उन कुर्बानिया को बेमायने किया जा रहा हैं। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै बिजली के बारे में एक बात कहना चाहता हूं। हमारे जिले में बिजली पर दो–तिहाई कट लगा हैं जैसे बिजली मंत्री जी ने बताया कि 9 घंटे बिजली किसानों को आल्टरनेट डेज पर मिलती हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे जिलें में फैमिन लाइक केडी ांज हो रही हैं। ज्वार, बाजरा, ग्वार और कपास की फसलें बिल्कूल बर्बाद हो गई हैं। इसलिए मै बिजली मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि आप भी किसान के बेटे हैं किसानों की तरफ भी ध्यान दें । किसान ज्यादा देर इंतजार नही करेंगे। आप किसानों को बिजली सप्लाई करने के लिए बाजार 10 बजें से 4 बजे तक बन्द कर दीजिए और बड़े– बड़े कारखानो को बिजली की सप्लाई बंद कर दीजिए और किसानों को वार फटिंग पर बिजली दीजिए। यदि किसानों को 12 या 14 घंटे बिजली मिलें तो उनकी फसलें बच सकती हैं लेकिन बिजली न मिलने के कारण किसानों की फसलों का बड़ा भारी नुक्सान हुआ हैं। केवल यही नही मेरे हल्के मे 50 ऐसे ट्रांसफार्मर है जो जल चुके हैं ओर लगभग 4 महीने हो गए उनकी आज तक रीप्लेसमैंट नही हो पा रही है। इसके बावजूद भी सरकार ने बिजली के रेट बढा दिए। अध्यक्ष महोदय, पिछले साल बिजली के रेट बढाने के विरोध में हमारे जिले भिवानी में लगभग एक लाख लोग इक्कठे हुए थें। उस दोरान एक नौजवान महाबीर नाम का लड़का भाहीद हुआ था। अध्यक्ष महोदय, भाायद उस समय आप बिजली मंत्री थें। उस समय सरकार ने बिजली का बढाया रेट

वापिस ले लिया था लेकिन अब एक साल के बाद फिर से रेट सैक्टर में टैक्स बढा दे लैकिन किसानों पर टैक्सों का बोझ न डालें। किसान ऐसी हालात में नही है कि व टैक्सों का बोझ वहन कर सकें। किसान की हालत इतनी खराब हैं कि सरकार भ्रश्टाचार को मिटाए, बैरोजगारी को मिटाए ओर किसानों की आर्थिक द ाा सुधारने के लिए कोई ठोस कदम उठाए। इसके अलावा मै यह कहना चाहता हूं कि सरकार जितनें भी टैक्स लगाए वह उन लोगों पर लगाए जिनकी टैक्स कैपसिटी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अपील करना चाहता हूं कि सरकार भ्रश्टाचार को मिटाए और बेराजगारी को मिटाने के लिए सरकार को पूरी कोि ा ा करनी चाहिए नही ता जनता ज्यादा देर इंतजार नही करेगी। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुाअ अपना स्थान लेता हूं।

श्री हरि चन्द हुड्डा (किलाई): स्पीकर साहब जो ऐप्रोप्रिए ान बिल सदन मे पे ा किया गया हैं उस पर चर्चा चल रही है। इस बिल में कहा गया हैं कि सरकार ने किसानों को बहुत फायदा दिया हैं। स्पीकर साहब, आप भी किसान हैं। आप किसानों के बारे मं बहुत अच्छी तरह से जानतें हैं लेकिन इन लोगों को यह पता नही है कि आज किसान टैक्सों के बोझ के नीचे कितना दबा हुआ हैं और कितना दुखी हैं। स्पीकर साहब, इस मोतियों वाली सरकार ने किसानों को तबाह कर दिया हैं। औलावृश्टि के कारण हुए नुक्सान का पैसा किसानों का दिया था

वह सब से पहले हमारी सरकार ने दिया था। उसी प्रथा को यह सरकार निभा रही हैं। स्पीकर साहब, जब आका ा में बिजली कड़कती हैं तो चने के फूल मर जाते हैं और चने की फसल खराब हो जाती हैं इसलिए सरकार को किसानों को उसका मुआवजा भी देना चाहिए। स्पीकर साहब, आप भी किसान हैं आपको मालूम होगो जब उधर की हवा चलती हैं (पि चम की) तो सारी फसल खराब हो जाती हैं इसलिए किसानों को उसका भी मुआवता मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, यह मोतियों वाली सरकार आज तक किसानों को कुछ नही दे पाई हैं। स्पीकर साहब, जितने भी डिवैल्पड कंट्रीज है वे किसानों के कंधो पर चल रहे हैं लेकिन इस सरकार के लिए मैं एक ही बात कहता हूं:–

पक्षी समझते है चमन बदला,

हंसते है सितारे गगन बदला.,

मगर भम ाान की खामो ाी कहती हैं,

ला ा वही सिर्फ कफन बदला हैं।।

स्पीकर साहब, यह सरकार गरीब किसानों का नाम ले कर और गरीब मजदूरों का नाम ले करके 20 साल से इस दे ा को तबाह कर रही है। मैं इस सरकार से यह कहना चाहता हूं कि अब किसान और मजदूर जाग गया हैं इसलिए वह दिन दूर नही जिस दिन किसान और मजदूर अपना हक अव य लेगा। इन

भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, एप्रोप्रिए ान बिल आज पास होने जा रहा हैं। मै भी इस बिल पर अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं। एक तरफ तो सरकार अनुपूरक मांगे पे ा करते जनता पर करों का बोझ बढाती जा रही हैं और दूसरी तरफ सरकार अपनी फंक ानिंग पर विचार नही कर रही हैं। अध्यक्ष महोदय, नैचूरल कलेमीटीज से जिन किसानो की फसल खराब हुइ है उनको कम्पनसेट करने के लिए यह सरकार 15 करोड़ रूपये की रा ि ा सदन से मंजूर करवा रही है। एक तरफ किसानों पर टैक्सों का बोझ डाल कर उनको बर्बाद होने के लिए मजबूर करती हैं। स्पीकर साहब, हरियाणा में महेन्द्रगढ़, भिवानी ओर गुड़गावा जिलों में नहरों से सिंचाई बिल्कूल नही होती है। स्पीकर साहब, मैं महेन्द्रगढ़ कांसटीच्यूएंसी को रिप्रजैन्ट करता हूं। हरियाणा में महेन्द्रगढ़ जिले में सबसे ज्यादा गहरा पानी हैं। सैकडो़ गांव ऐसे है जिनमें पीने का पानी उपलब्ध नही हैं और उन लोंगों को पडो़सी गांवो से पीने का पानी लाना पड़ता हैं। स्पीकर साहब, पहले बिजली के मामले में वहा के किसानों को 19 पैसे पर–यूनिट रियायत दी जाती थी लेकिन उनको इन्होने घटा कर 12 पैसे कर दिया और अब फिर इन्होन 5 पैसे पर–यूनिट की वृद्वि उनके ऊपर और कर दी हैं। फिर यह सरकार कहती हैं कि किसानों को कम्पनसेट किया जा

रहा हैं।(ाोर) हम जिन लोगो द्वारा चुन कर आए हैं उनके हितों के लिए और उनके न्याय के लिए बात यहां पर कह सकते हैं।(ाोर) स्पीकर साहब, आज लगभग सभी पब्लिक अंडरटेग्जि घाटे में जा रही हैं जिसकी एक मिसाल मै हाउस को बताना चाहता हूं। पेहवा के अन्दर जो मधु घी तैयार कर रहे हैं वह तो लाभ में जा रहे हैं लेकिन वीटा घी प्लांट घाटे में जा रहा है जबकि एक ही गाय का दूध और एक ही भैंस का दूघ दोनों को सप्लाई हा रहा हैं। डेरी डिवैल्पमैंट के अधीन जा वीटा घी तैयार किया जा रहा हैं वह वर्श मे 28–29 लाख रूपये घाटे मे जा रहा हैं स्पीकर साहब, इस संबंध में सारे हिन्दूस्तान की एक रिपोर्ट छपी थी जिसके मुताबिक दुधारू प ाु सारे भारतवर्श में हरियाणा के अन्दर सब से ज्यादा बताए गए हैं। रिपोर्ट में यह भी लिखा हैं कि यहां के प ाुओं का फैट भी सबसे ज्यादा हैं। स्पीकर साहब, गुजरात के खेड़ा जिलाा में वहा की सरकार द्वारा घी तैयार किया जा रह हैं वह फर्म फायदे मे हैं। यहां पर रा–मैटिरियल सस्ता हैं दूसरी चीजों की सुविधा है फिर भी हमारा वीटा घी हर साल घाटे में जा रहा हैं। एक तरफ तो ये बिजली के रेट बढा रही है और दूसरी तरफ लोगो को सुविधा भी नही दे रहें है। हमार आई0पी0एस0 साहब ने बताया कि हजारों ट्रांसफार्मर जले हुए हैं। एक ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 35 हजार रूपये हैं लेकिन सरकार ने इस बात पर गौर फरमाने के लिए कभी कोई सोच विचार नही किया, सरकार ने अपने विभाग द्वारा कोई जांच नही की जिससें इस नुकसान का कारण मालूम हो सके। हमारी

म ाीनरी बिल्कूल फेल हो चुकी हैं लेकिन फिर भी सरकार को कोई भी चिन्ता नही हैं। यहां पर पीने के पानी का समुचित प्रबंध भी नही हैं। पब्लिक हैल्थ विभाग पीने के पानी की जो सुविधा अब करने जा रहा हैं वह काफी दिन पहले हो जानी चाहिए थी। प्रान्त के लोगों को स्वच्छ तथा मीठा पानी बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। इस प्रकार से लगा कर अधिक से अधिक लोगो को पीने के पानी की सुविधा देनी चाहिए। इस विभाग के हमारे जा मन्त्री है वे इस स्कीम का नाम जल विकास की बजाये मल विकास बता रहे हैं। स्पीकार साहब, पानी का सवाल हरियाणा प्रदे ा के लोगों की जिन्दगी के साथ जुड़ा हुआ हैं। (ाोर) स्पीकार साहब, अब मै हैल्थ डिपार्टमैन्ट के बारे में कहना चाहता हूं। सिविल अस्पताल महेन्द्रगढ़ का एक डा0 जुकाम की दवाई भी 57 रूपये की लिखता हैं।(ाोर) स्पीकार साहब, डेली ट्रिब्यून में एक खबर छपी है कि बस व टैंकर की टक्कर मे दो आपमी मरे और 16 घायल हुए। उन्हे स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया परन्तु वहां उपचार की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हे प्राईवेट डाक्टरो ंकी दुकानों पर मरहम पट्टी करवाते देखा गया। Again i would like to enlightenthis House about the inefficiency of the Health Department, स्पीकार साहब, एक अगस्त के दैनिक ट्रिब्यून में एक खबर छपी है कि डालनवास में एक 11 वर्शीय लडकी का भाव जो अपने पिता की वासना का ि ाकार हुई थी, का पोस्टमार्टम एक एक मन्त्री ने रूकवा दिया। (विघ्न एव भाोर)

श्री अध्यक्षः आप किस तरह की बातें कर रहे हैं आपको इस ऐप्रोप्रिए ान बिल के बारे में बालना चाहिए। यहां पर हैल्थ विभाग के बारे के कोई बात नही हो रही।(भाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं इस ऐप्रोप्रिए ान बिल से ही सम्बन्धित बाते कह रहा हूं। इस ऐप्रोप्रिए ान बिल का पब्लिक हैल्थ से सम्बन्ध हैं। It is conecerned with the efficiency of the Health Department, Sir. हम अपने हल्के के लोगों की बात आपके माध्यम से यहां पर कह सकते हैं। आपकी इजाजत से ही हम बोल सकते है। हम अपने लोगों के न्याय की बात कह सकते हैं, उनको न्याय दिलाने का हमारा हक बनता हैं। Speaker, Sir again there was a news item in the Tribune, dated the 10th August, 1982 under the caption "Hospital under a cloud." अखबार में छपा है कि महेन्द्रगढ़ के अस्पताल में एक मैडिकल अफसर और एक कैमिस्अ का ''रैकेट'' हैं। डा0 वही दवाईयों लिखता हैं जो उस की दुकान पर होती हैं। मेरे पास एक फोटो स्टैट कापी हैं जिसमें डा0 ने प्रेसक्रिप् ान खुद चेन्ज की हुई हैं। Again, Sir, there is an information with me. There was a delivery case and the patient was inhumanly treated. The patient was lying in the labour room and the lady doctro demanded some bribe. The poorlady was unable to give that. At last, she gave her ear rings and the delivery was performed. All this shows how inhuman and callous in this dipartment. हैल्थ डिपार्टमैंट के अन्दर अन्धेरगर्दी मची हुई हैं। और इन सब बातों से यह पता चलता हैं कि हैल्थ डिपार्टमैन्ट के

अधिकारी और मन्त्री अपने डिपार्टमैन्ट के प्रति कितने जागरूक हैं (विघ्न) It is a photo-stat copy of prescription of the doctor. (ाोर)

श्री अध्यक्षः इस बात की यहां पर क्या इम्पोर्टैंस है और क्या रैलेवैन्सी है? आप कोई भी अखबार या मैगजीन लेकर खर्डे हो जाते हैं। You cannot read out newspapers and level allegations in this house in such a manner.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह एक संगीन मामला हैं।

श्री अध्यक्षः आपको यहां पर ऐसी बात नही कहनी चाहिए।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, इतनी अधिक बातें होने पर भी अब तक कोई कार्यवाही नही की जा रही। हम अपने हल्के के लोगों की कठिनाइयों को आपके माध्यम से सरकार तक पहुंया सकते हैं हम उनके साथ न्याय मांग रहे हैं

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यदि उस डा0 की बदली वहा से हो जाये तो सारी समस्या का समाधान हो सकता हैं।

श्री राम बिलास भार्माः डा0 तो बदला ही नही जा सकता, क्योंकि वह तो चण्डीगढ़ मे आकर ******(ाोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, * * * * * *इन्हे नही कहनी चाहिए थी। इस बात को एक्सपंज करवा दीजिए।

श्री अध्यक्ष: आप दो मिनट में खत्म कर दे and please speack on the bill.

Sh. Ram Bilas Sharma: As per your vishes, I will speak on the provision of the Bill and will not cite quotations from the newspepers. हालाकि हरियाणा के लोगों की हित की बात थी(ाोर) हरियाणा की जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा किया जा रहा हैं। उनके हितों को चोट पहुंचाई जा रही हैं। उनकी आवाज को हम यहां पर उठा सकते हैं बहुत दिनों से सारे प्रान्त के लोग दुखी हैं। सरकार को उनके साथ न्याय करना चाहिए। स्पीकर साहब, अन्त में मै अपनी भावनाओ को आपके माध्यम से सरकार तक पहुंचाता हुआ और इस एप्रोप्रिए ान बिल का विरोध करते हुए स्थान ग्रहण करता हूं।

12.00 बजे

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक(जुलाना): स्पीकर साहब, जो एप्रोप्रिए ान बिल हाउस के अन्दर आया हैं, मै उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस बिल को देखने से पता लगता हैं कि सरकार ने बहुत सा पैसा सैलरीज पर लगाया हैं जबकि ज्यादातर खर्च डिवैल्पमैंट के कार्यो के लिये होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्का जुलाना के साथ सोतेली मां जैसा सलूक किया

जा रहा है। वहां किसी किस्म की डिवैलपमैंट का काम नही हो रहा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह बात दुरूस्त है कि डिवैल्पमैंट का काम वही किया जा रहा हैं जहां का एम0 एल0 ए0 सरकार की तरफ चला जाता हैं। (विघ्न)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरे हल्का जुलाना के अन्दर पानी की बहुत कमी हैं क्योंकि वहां ट्यूबवैल कामयाब नही है। इसलिए सबसे पहले जो मेरी मांग है वह यह है कि बरसात के समय जबकि हरियाणा के दूसरे इलाकों को काफी पानी उपलब्ध होता हैं, कम से कम ड्योढा पानी मैरे हल्के को दिया जाए। रजबाहों मे एक फ्री बोर्ड होता हैं। वह मेरे हल्के में एक फुट की ऊंचाई पर है जबकि वह कम से कम 2 फुट की ऊंचाई पर होना चाहिए। एक फुट की ऊंचाई पर होने के कारण जब पानी ज्यादा चढ जाता है तो वह टूट जाता हैं और किसानों के ऊपर झूठे मुकदमें बनतें हैं। इसकी तरफ सरकार का ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर साहब, हल्का जुलाना के अन्दर दो गांव मालवी और गतौली में फव्वारे लगाने की स्कीम सैक ान की गई थी लेकिन व आज तक नही लगें। इस काम को भी सरकार को जल्दी से जल्दी करवाना चाहिये।

स्पीकर साहब, हल्का जुलाना मण्डी एक बहुत अच्छा कस्बा हैं लेकिन वहां पीने के पानी की सुविधा नही हैं। वहा पीने का पानी नदी से आता हैं लेकिन वह फिल्टर नही किया जाता जिसकी वजह से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ता हैं।

लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री(चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, माननीय सदस्य जो कुछ कह रहे हैं, अपनी पापुलैरिटी बनाने के लिये कह रहे हैं क्योंकि इन्होने यह बात आज तक नही बताई। अगर ऐसी बात थी तो इन्हे मैरे पास आना चाहिए था।

श्री अध्यक्ष: जैन्टलमैन, आज चूंकि सै ान का लास्ट डे है इसलिये मै काफी ढील दे रहा हूं वरना रूल 203(4) मे लिखा है—

"The debate on a Appropriation Bill Shall be restricted to matters of public importance or administrative policy implied in the grants covered by the Bill which have not already been raised while the relevant demand for grants were under consideration."

इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि डिसक ान के दायरे को इतना वाईउ न करें।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हाउस में ज्यादातर नए मैम्बर हैं। इसलिये इनका टू दी प्वायंट डिसक ान से थोड़ा बहुत इधर उधर हो जाना स्वाभाविक हैं। इनको बोलने का पूरा मौका देने के लिये हम आपके बहुत भाुक्रगुजार हैं। **चौधरी कुलबीर सिंह**

मलिकः स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह हैं कि डिवैल्पमैंट वर्क बिल्कुल नही हो रहा हैं जबकि एप्रोप्रिए ान बिल में डिवैल्पमैंट वर्कस का ध्यान रखा जाना चाहिए था।

स्पीकर साहब, 6 महीने पहले सी0एम0 साहब जुलाना गए थे। वहां इन्होने बस स्टैन्ड बनवाने का वायदा किया था लेकिन वह आज जक नही बना। स्पीकर साहब वहां ऐकसीडैन्ट बहुत होते है। इसलिये मेरी प्रार्थना हैं कि जगह लेकर जल्दी से जल्दी वहां बस स्टैन्ड बनवाया जाए।

अध्यक्ष महोदय, वहां सीवरेज स्कीम चालू की गई है लेकिन आठ– आठ फुट गहरे नाले खुदे पड़े हुए हैं। वहां बहुत से प ा गिर कर मर गये हैं। इसलिये इस काम को जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए।

स्पीकर साहब, जुलाना के अन्दर जिस तरह पिछली बार गेंहू और चने की फसल बरसात में खराब हो गई थी उसी प्रकार अब सूखे की वजह से फसल खराब हो गई हैं। ओलावश्टि से फसल तबाह होने का तो मुआवजा दिया जाता हैं लेकिन सूखे की वजह से नश्ट होने वाली फसल का कोई मुआवजा नही दिया जाता। इसका भी लोगों को मुआवजा मिलना चाहिए। उनका लगान भी बिल्कूल माफ कर देना चाहिए और कर्जो की कि तों में भी ढील दी जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जुलाना के अन्दर अस्पताल तो है लेकिन दवाइयों की कोई सुविधा नही हैं। जो दवाइयां जाती हैं वे ब्लैक में बेच दी जाती हैं। इसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर साहब, मै आपकी मारफर सुरजेवाला जी के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि जुलान के अन्दर बिजली के कनैक ान दो साल से नही लग रहे हैं जबकि लोगों ने सिक्यारिटी जमा करवा रखी हैं। सिक्योरिटी लोागों न कर्जा लेकर दी थी। उसकी कि तें तो उन्होने देनी भाुरू कर दी हैं लेकिन बिजली के कनैक ान्ज उन्हे अभी तक नही मिले हैं। मन्त्री महोदय कृपया इस तरफ ध्यान दें।

स्पीकर साहब, मेरी सरकार से प्रार्थना है कि पक्की नालियों का खर्च सरकार को स्वयसं बर्दा ात करना चाहिए। मेरं हल्के जुलाना में नालियां दूसरे तीसरें दिन टूट जाती हैं क्योकि उनके अन्दर अच्छा मैटीरियल नही लगाया जाता। उनका लैवल भी ठीक नही किया जाता। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

अन्त मे अध्यक्ष महोदय, मै यही कहना चाहता हूं कि सरकार को सब जगह एकसा काम करना चाहिए। यह नही करना चाहिए कि अपोजी ान के मैमबर्ज के एरिया में ता कोई काम न

करवाया जाए और ट्रेजरी बंचिज के मैंम्बर्ज की कांस्टिचुएन्सीज में ज्यादा से ज्यादा काम करवाया जाए।

चौधरी हुकम सिंह फोगाट(दादरी): स्पीकर साहब, यह जो ऐप्रोप्रिए ान बिल आया है कि इसका विरोध करने के लिये तो नही खड़ा हुआ लेकिन चन्द बातें सरकार को बताना चाहता हूं। ओले पड़ने के कारण कुछ महीने पहले किसानों की फसलें नश्ट हो गई थी। उनको मुआवजा देने के लिए कुछ पैसा हाउस से मांगा जा रहा हैं। अध्यक्ष महोदय, औले फरवरी–मार्च के महीने में पड़े थें लेकिन अफसोस की बात यह है कि जिला भिवानी में, खास तौर पर दादरी में आज तक पैसे नही बांटे गए। राहत ता तुरन्त मिलनी चाहिए थी लेकिन वह आज तक नही मिली। पटवारी इतलाह तो दे देता हैं, एस0 डी0 एम0 जाता भी हैं लेकिन कुछ लोगों को पैसे देकर वह आ जाता हैं। इस तरफ सरकार ध्यान दें।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी भाम ेर सिंह जी यहा बैठे हैं। हम तो सोचते थे कि बिजली के महकमें में बडा़ सुधार होगा लेकिन अभी तक हमें ऐसी कोई बात नजर नही आई। जिला भिवानी में केवल 6–7 घंटे बिजली दी जाती हैं और वह भी रात को। मेरी प्रार्थना हैं कि बिजली रात की बजाएं दिन को दी जानी जाए।

स्पीकर साहब, भिवानी में कहत से फसल नश्ट हो चुकी हैं। वहा ज्वार और बाजरा मेन फसल हैं। वहां 100 फिसदी कहत पड़ चुका हैं। इस समय अगर बिजली का प्रबन्ध सरकार कर दे तों चने बोये जा सकते हैं। हर गांव में कम्पलेन्ट सेन्टर नही हैं। कई बार बिजली खराब होने पर कम्पलेन्ट करानें के लिए दूसरें गांव में जाना पडता हैं। रात को बिजली खराब होने पर और भी ज्यादा दिक्कत का सामना करना पडता हैं। इसलिये हर गांव में कम्पलेन्ट सेन्टर हो जाऐ ता बिजली ठीक करने के लिए जल्दी से आदमी बुलाया जा सकता हैं। दूसरें किसानों को दिन की अपेक्षा रात को ही बिजली दी जाती है। अगर उनको दिन में बिजली दे दी जायें तो अधिक खेत सिंचाई हो सकती हैं। मैं मन्त्री महोदय से निवेदन करूंगा कि व किसानों की हालत को देखकर अधिक बिजली देने का प्रबन्ध करें। किसानों को नौ बजे से छः बजें तक आलअरनेटिव डे पर बिजली दी जाती हैं। अगर इस समय ज्यादा बिजली दे दी जाए तो किसानों की यह फसल और अगली फसल भी हो सकती हैं।

जहां तक लैन्ड ऐक्वीजी ान को सम्बन्ध है किसानों की जमीन ऐक्वायर होने के बाद भी बहुत दिनों तक उनको पैसा नही मिलता और कुछ मिलता हैं वह बहुत कम मिलता हैं। आपको ंपता हैं कि हर आदमी केस लड़ने के लिए अदालत नही जा सकता। जो लोग अदालत में चले जाते हैं उन्हे बढाकर मुआवजा मिल जाता हैं और जो लोग नही जाते है उन्हे बढाकर मुआवजा

मिल जाता हैं और जो लोग नही जाते उन्हे मुआवजें से वचित रह जातें हैं। जब सरकार से कहा जाता हैं तो कह देते हैं कि लैन्ड ऐक्वीजी ान एक्ट भारत सरकार का हैं, हम कुछ नही कर सकते। किसान की जमीन ऐक्वायर करने के बाद बहुत कम कम्पनसे ान दिया जाता हैं। अदालतों में किसानों की जमीन को कम्पनसै ान का फैसला होने में भी आठ–दस साल लग जाते हैं अगर समय पर कम्पनसे ान मिल जाये तो और जगह पर वे जमीन ले सकते हैं अगर उनको फालतू कम्पनसै ान दिया जाता हैं तो उसका इन्ट्रैस्ट भी कोर्ट ही दे सकती हैं, सरकार अपनी और से नही देती। किसानों को अदालतों के दरवाजें खडखडाने के बाद ही इन्टैसट दिया जाता है। सरकार को इस और वि ोश ध्यान देना चाहिये।

Mr. Speaker: There has been enough discussion on the bill.

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मै भी बोलना चाहती हूं। स्पीकर साहब कई नये एम0 एल0ए0 आये हैं, अभी वे ही बोले हैं इसलिये हमें भी बोलने का टाईम दें।

श्री अध्यक्ष: दो तिहाई अपोजी ान एम0 एल0एज0 को ही बोलने का समय दिया जा चुका हैं।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मुझे तो समय अव य मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप बार बार वही बात कह रही हैं कि समय मिलना चाहिए। एक बिल पर क्या सारे मेम्बरान को समय मिल सकता हैं। अपोजी ान के मैम्बरो ने ज्यादा समय लिया हैं। अगर आप बोलना चाहती हैं तो बोल लें।

श्रीमती चन्द्रावतीः रो ान लाल आर्य को आप समय दे दें। वे नये सदस्य हैं।

श्री अध्यक्षः अगर आप बोलना चाहती है तो समय दे सकता हूं।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप नये सदस्यों को भी मौका दें।

चौधरी रौ ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, मै तीन दिन से कोि ा ा कर रहा हूं कि टाईम मिलें। लेकिन मुझे समय नही मिल रहा।

श्री अध्यक्षः मैने अपोजी ान को ज्यादा से ज्यादा टाईम देने की कोि ा ा की हैं। I will give you time later, Now Shrimati Chadravati may please speak.

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै एप्रोप्रिए ान बिल का विरोध करने के लिए खडी़ हुई हू क्योकि इस पैसे का ठीक इस्तेमाल नही हुआ बल्कि मिस–यूज हुआ है। सारा पैसा हमें ाा मिस –एप्रोप्रिएट होता हैं। मैं ऐजूके ान डिपार्टमैंट के बारे में सरकार द्वारा दिए गए आकड़े सदन के सामने रखना चाहती हूं।

आज हमारे यहां 85 लाख के करीब लोग अनपढ हैं। हमारे संविधान में लिखा हुआ हैं कि जितनें भी हमारे भाई बहिन है उन सब को स्कूल भेजना हैं और हर स्त्री और पुरूश को ि ाक्षा देनी हैं लेकिन आज कितनें लाखों की तादाद में हमारे भाई बहिन अनपढ हैं। पढाई के बारे में हमारे डायरेक्टिव आफ प्रिसीपल में लिखा हुआ हॅ कि हर व्यक्ति को भिाक्षित किया जायें। जो सरकार 37 साल में पढाई–लिखाई का प्रबन्ध न कर पायी हों, वह सरकार संविधान के खिलाफ है और उसकों रहने को कोई हक नही हैं।

स्पीकर साहब, हमारे यहां हरियाणा मे 17 हजार लड़कियों ने होम साईस की ट्रेनिंग की हैं। ट्रेनिग में भी वे बेंचारी पैसा दे कर दाखिल होती हैं यानि ट्रेनिग स्कूल के लोग उनसे पैसा लेते हैं लेकिन उन लड़कियों को आज तक सर्विस नही मिली हैं। जिन लोगों की जमीन नही होती उन्ही की लड़कियां ये ट्रेनिंग लेती है। ि ाक्षा मन्त्री यहां पर बैठे हुए हैं ह्यूमेटेरियन ग्राउन्ड पर भी उनका फर्ज बनता हैं कि सब लड़कियों को काम दिलाये। स्पीकर साहब, अगर कोई सही बात होती तो मै इस एप्रोप्रिए ान बिल को स्पोर्ट कर सकती थी लेकिन सरकार ने जो फिगर्ज दी हैं उनको देखते हुए मैं स्पोर्ट नही कर सकती। स्पीकर साहब, इसी तरह आर्ट एंड क्लचर की बात हैं। हरियाणा में आर्ट ड्रांईग को कहते हैं और नाचने को कल्चर कहते हैं लेकिन आज तक सरकार ने किसी भी पेंटर की मदद नही की है, नाचने वालों की मदद की हो तो पता नही।

स्पीकर साहब, अभी हमारे माननीय सदस्य ने कहा था लेकिन आपने उसे बोलने की इजाजत नही दी। उसने कहा कि सांवला कलां गांव के लड़के को पुलिस स्टे ान ले जा कर बहुत बुरी तरह से मारा–पीटा गया और वह मर गया।

स्पीकर साहब, ऐप्रोप्रिए ान बिल में कैपिटल आउट–ले और स्माल, स्केल इन्डस्ट्रीज की बात कही गयी। स्पीकर साहब, आप इनकी हालत देखिए कि पानीपत टूरिस्ट कम्पलैक्स मे विदें ाो से लायी हुई चीजे जो बहुत छोटी–छोटी चीजें हैं व वहां बिकती हैं, पता नही जापान या कई अन्य दे ाों से आयी हुई हैं। छोटी छोटी पिन जो स्कूल जाने वाली छोटी छोटी लड़कियां लगाती हैं व समगलिंग से आती हैं।

आवाजें: वह क्नफीस्केटिड माल हैं।

श्रीमती चन्द्रावती: हमे क्या पता है कि वह माल सरकार कन्फीस्केट करके बेच रही हैं या कहीं और लाकर बेच रही हैं। (व्यवधान व भाोर)

स्पीकर साहब, यह जो रनिंग कमैनटरी है, यह बन्द होनी चाहिये। मैं कहना चाहती हूं कि गांव के लोगों को कोई भी इनी ीयेटिव नही मिल रहा हैं। गरीब लोगों की जमीन लेकर यह सरकार उन लोगों को देती हैं जो इंग्लैन्ड में बैठे हैं ओर जिनके पैसे से इन्होन हमारे खिलाफ चुनाव लड़ा हैं। स्पीकर साहब, गरीब आदमी को जमीन इनको नही लेनी चाहिये। यह गरीब आदमी की

जमीन लेकर बड़े–बड़े लोगो जो करोड़पति है और जो इनके चुनाव में इनको खूब चन्दा देतें हैं और इनका खर्च चलाते हैं, उनको जमीन लेकर देते हैं।(व्यवधान व भाोर)

उधोग मंत्री(श्री लछमन सिंह): आन ए प्वायंट आु आर्डर, सर। स्पीकर साहब, यह एप्रोप्रिए ान बिल पर कहां बोल रही हैं।(व्यवधान व भाोर) यह जो कह रही हैं कि विदे ाों से पैसा आता हैं कि कुछ माल जो कनफीस्केट सरकार लोगों से करती हैं, वही सरकारी दुकानों पर बेंचा जाता हैं(व्यवधान व भाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: जब आप जवाब देना चाहे तो जवाब दे लेनां, हम आपका जवाब सुन लेंगे। लेकिन इस तरह से प्वायंट आफ आर्डर बनता नही हैं। स्पीकर साहब, मै स्माल स्केल इंडस्ट्रीज की बात कह रही थी। हमारे हरियाणा में कोई भी सामान स्माल स्केल इंडस्ट्रीज का बनता नही हैं। और तो क्या बनेगा यहां पर न तो पैन बनता है न पैसिल इत्यादि बनती हैं और पहले जो गावों मे सितार आदि लगानें को काम होता था, वह भी अब हरियाणा में कही नही होता। मेरे कहने का मतलब यह है कि पहले जो छोटी मोटी चीजें गावों में बनती थी, वे भी अब खत्म हो गई हैं क्योंकि ये छोटी मोटी चीजें भी यहां पर स्मगलिंग होकर आने लगी हैं स्पीकर साहब, अब मैं एजूके ान के बारे में कहना चाहती हूं, अब फिर चौधरी हरद्वारी लाल जी को वाईस चांसलर लगा दिया गया हैं। जब चौधरी भजन लाल जी मुख्यमन्त्री बने तो इन्होने उनको हटा दिया था। इसके बाद उनके साथ

काफी समय तक कोर्ट में मुकदमा चलता रहा। अब फिर उनको वाईस चांसलर लगा दिया गया हैं। पता नही कितना पैसा इस लिटीगे ान पर खर्च हुआ हैं। वह पैसा कहां से आता हैं। पैसा इनकी जेग से तो जाता नही हैं, वह तो सरकारी खजाने से आता हैं। मै इनसे यह पूछना चाहती हूं, इनके पास उसका क्या जवाब हैं कि उसको पहले क्यों हटाया गया था और अब फिर क्यों लगाया गया हैं। क्या मजबूरी थी जिसकी वजह से उसको हटाया गया था और कितनें पैसे इस लिटीगै ान पर खर्च हुए हैं। मैं वह बातें दोहराना नही चाहती जो मेरे दूसरे साथी पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन एक बात मै अव य बताना चाहती हूं कि हमारा एक छोटा सा आदमी था जो पहले कैथल में होता था, उसकों एस0 डी0 एम0 बना दिया। उसकी एक कोठी भिवानी में हैं और एक पंचकूला हैं। उसने दो लड़कियों की भाादियां की हैं और उनके टीके में चांदी के बर्तन दिय है। मुझे ता 30 साल हो गये हैं। वकालत भी करती हूं और एम0एल0ए0 भी काफी समय तक रही हूं। आज तक कोई बैंक–बैलैन्स नही हैं। पता नही उसके पास इतना पैसा कैसे आ गया। सरकार को यह पता करना चाहिए, लोग यह कहते हैं कि जवाहर लाल नेहरू का राज अच्छा था। मै यह बात मानती हूं कि उन्होने बहुत अच्छा राज किया। मैं उस वक्त की ब्यूरोक्रेसी को दाद दिये बगैर नही रह सकती उस वक्त की बयूरोक्रेसी के दिलों में काम करने की उमंग थी। * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः एक आदमी की बात लेकर how can you condemn a class as a whole?

Shrimati Chandravati: Sir, i am apperciating their role and am not condemning them.

श्री अध्यक्षः पुरानो को नये से कम्पेयर करके नयों के मुताबिक कुछ पहना और फिरप उनको कन्डैम करना, ठीक नही हैं।

Shrimati Chandravati: I have to say what the reality is. It is my duty. (व्यवधान व भाोर) वैसे जो भी आपका हुक्म होगा, उसको जनाब हम मानेंगे।

श्री अध्यक्षः यह ब्यूरोक्रैट्स के कम्पैरीजन वाल बात एक्सपंज की दी जाये।

Shrimati Chandravati: I am not condemning them.

Mr. Speaker: You have been condemning them. (Interruptions)

श्रीमती चन्द्रावतीः सर, मै अफसरों की बाबत बात कह रही थी। इस वक्त हालात यह है कि जो ईमानदार अफसर हैं या ईमानदार रहने की कोि ा ा करते हैं, उनके लिये कुछ महकमें चुन रखे हैं, उनको वहां पर लगाकर खुड्डें लाईन लगा दिया जाता हैं। उनके पास फाईल ही नही आती हैं। जो लोग उनको कमा कर देतें हैं, उनके बारे में मुझे यह कहना पड़ेगा कि उनको लेने देने वाली पोस्टों पर लगा दिया जाता हैं। यानी उनको हैड

आफ दी डिपार्टमैन्ट बना दिया जाता हैं या यह जो कम्पलैक्स फरीदाबाद में हैं, सोनीपत में हैं या जगाधरी में है, वहां पर उनको लगा दिया जाता हैं। मै यह कहना चाहती हूं कि एडमिनिस्ट्रे ान में आपको यही कुछ मिलेगा। एडमिनिस्ट्रे ान में आज घुन लग चुका हैं। एडमिनिस्ट्रे ान को आज दीमक लग चुका हैं। वह खोखला हो चुका हैं। उसमें अब कुछ बाकी नही हैं। इसलिये मै यह कहना चाहती हूं कि हमारे यहा इतनी करप ान हैं जिसकी कोई हद नही हैं। कोई कागज भी बिना कुछ दिये आगे नही चलता। एसा0 एस0एस0 बोर्ड की बात तो मै न ही कहू तो अच्छा हैं। * * * * * * * आज मैरिट को नाम मनी हो गया हैं I have to say it before this August House and I say it with all responsibility. क्योंकि इसके बिना इसका एडमिनिस्ट्रे ान नही चलता है। जो पैसा लिया जाता हैं, उसको मिस–एप्रोप्रिएट किया जाता हैं, एप्रोप्रिएट नही किया जाता। आज यह बात आपके सामने है कि चाहे पुल बन रहे हैं या और कुछ बन रहा हैं वहां पर कितनी गड़बड़ हो रही हैं । क्योंकि वहा पर पूरी चीजें नही लगायी जाती हैं इसलिये जब वे टूटेगें तो पता नही कितने लोग मरेंगें। इसके अलावा एक बात मै और कहना चाहती हूं कि नहरो में जो पानी छोडा जाता है, उससे भी लोगों से पैसे लेने के लिये उसमें कड़ी डाल दी जाती हैं। इसके अलावा एक बात मैं ओर कहना चाहती हूं कि जो ट्रांसफार्मर जल जाते हैं उसकी रिपोर्ट तब तक जी0ए0 नही भेजता जब तक उसकों पैसे नही दिये जाऐगें। वह कहेगा कि पैसे दे दो, मै तब रिपोर्ट करूंगा। मुझे

माफ करना यह तो नान–फंक ानिंग गवर्नमैंट है। जो पैसा देता हैं या दिलवाता हैं उसका तो काम हो जाता हैं बाकी को काम नही होता। यह बात मैं बड़ी जिम्मेवारी के साथ कह रही हूं। ट्रांसफर्ज होती हैं। पेहवा मे कितनी ट्रांसफर्ज हुई हैं और कितनी बाद में कैंसिल हुई हैं, इनके बारे में मैं कुछ नही कहना चाहती। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः आप सिर्फ पेहवा का ही इन्सटांस क्यों देती हों?

श्री वीरेन्द्र सिहः सर, इसलिये कि आप अब पेहवा छोड़ गये हैं। अगर आप वही रहतें तो ठीक रहता।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, आज ही सुबह चीफ मिन्सिटर साहब ने जवाब मुझे दिया हैं कि हरियाणा में रोजाना का एक कत्ल हो रहा हैं। 126 कत्ल हरियाणा में 4 महीने के दोरान हुए हैं। चार महीने भी पूरे नही हुए हैं। फिर फिगर्ज कुलैक्ट करने में भी टाईम लगा होगा। मै यह मानती हूै कि भाई– भाई में भी झगड़े हो सकतें है लेकिन एक गल्त बात जो आजकल हो रही हैं वह यह है कि आजकल जो डाके पड़ते हैं या कत्ल होते हैं, वह पैसे के लिये होते हैं। यह ट्रैन्ड बहुत खराब हैं। इससे गरीब आदमी को तो कम खतरा होगा लेकिन जो पैसे वाले आदमी हैं, उनको ही ज्यादा खतरा होगा क्योंकि मनी के लिये आजकल ज्यादा कत्ल हो रहे हैं यह सबसे बड़ा और गल्त ट्रेन्ड है। यदि

किसी भाई–भाई में झगड़ा हो जाये और किसी आदमी को जो ा में आकर कत्ल हो जाता हैं , यह तो अलग बात है लेकिन जिस तरह से आजकल कत्ल हो रहे हैं, उस हिसाब से मैं यह कहती हूं कि एक दिन भी गवर्नमैंट को रहने का हक नही हैं। यह तो चुराये हुए और खरीदे हुए लोगों के सहारे सरकार चल रही है, कम से कम इसे लोगों को तो एम्प्लायमैंट देनी चाहिये। आज 17,000 के करीब लड़के एम्प्लायमैंट के लिये धक्के खाते फिर रहे हैं। फिर उनको ि ाक्षा की फैसिलिटीज जो दी हुई है और देनी चाहिये उसके बारे में मैं क्या कहूं। आज हरियाणा के सांइटिस्ट कैसे नये नये आविश्कार करेंगे। क्या सरकार उन कैकिस्टरी के स्टुडैनटस को काई इनीि ायेटिव दे रही हैं जो फर्स्ट क्लास लड़के हैं उनको क्या सरकार कुछ देती हैं ताकि वे भी कुछ नये आविश्कार करे? नही इसी वजह से हमारे लड़के विदें ाों मे जा रहे हैं। वह इसलिये वहां पर जाते हैं क्योकि वे यहां पर भूखें मरते है। उन बच्चों को पता नही उनके मां बाप ने कैसे दिन–रात मेहनत करके पढाया हैं अगर वह ही भूखा मरता हैं तो इससे बड़ी गलत बात और कोई हो नही सकती। उनको रात को खेत में काम करते समय सांप तक काट जाते हैं। हमारे एक गांव मिर्च में जिस वक्त वहां पर हमारे भाई काम कर रहे थें, उनके हाथ में सांप आ गया। मेरा कहने का मतलब यह है कि मा–बाप कितनी मेहनत करत हैं। मै सरकार के नाटिस में यह बात लाना चाहती हूं कि मां–बाप बड़ी मुि कलों से घर में एक लड़के को पढा पाते हैं, लड़की को मुि कल से पढा पाते हैं लेकिन उनको कोई

इनि ाएटिव नही मिलता। इनि ाएटिव की बात जा जाने दिजिए उनको कोई जोब नही मिलती। दलाल उनके पैसे खा जातें है और उनको कह दिया जाता हैं कि अब की दफा तो आपका काम नही बना। अगली दफा आप आना उस वक्त आपका काम करवाऐगें। मुझे याद है कि एक बहन ने भाई को नौकरी दिलवाने के लिए अपना ट्रैक्टर बेचा लेकिन उसका पैसा दलाल खा गए और उस लड़के को जौब नही मिली। लोगो ंकी बात सुनकर हमारी आखों में आसूं आ जाते हैं। यह इनके हित की बात हैं इस तरह की बातों को इनकों खत्म करना चाहिय, इस तरह की करप ान बन्द करनी चाहिए। जो लोग इनका नाम लेकर पैसा लेते हैं उनको बन्द करना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं इतना है कर समाप्त करती हूं औरप इस बिल का विरोध करती हूं।

प्रो0 सम्पत सिंह(भट्टू कलां): अध्यक्ष महोदय, यह जो ऐप्राप्रिए ान बिल हमारे सामने आया है ठीक हैं। सरकार को डिवेलपमैंट के काम करने के लिये या मुआवजा देने के लिए जितने पैसे की जरूरत होती है उसके लिये हाउस में सरकार बिल ले आती है और पैसा मन्जूर करवा लेती हैं। इसके अन्दर जहां तक नेचुरल कैलेमिटीज की बात कही गई हैं और कहा गया है कि इतने करोड़ रूपया खर्च करने की इजाजत दी जाए। इसके साथ ही साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि गवर्नमैंटल कैलेमिटीज के लिए भी प्रोवीजन होना चाहिए। गवर्नमैंटल कैलेमिटीज इस तरह होती है जैसे एक जमींदार ने अपनीं जमीन में खुदाई और बुवाई

कर दी। उसको नहार का पानी मिल गय। उसने बीज बो दिया और कुछ सकय बाद उसकी फसल बाहर निकल आई। उसके बाद नही बन्द कर दी या जितना पानी पहले मिलता था उतना अब नही मिलता। पहले नहर कच्ची थी उसको पक्का करने के कारण पानी नही मिला या मोघा छोटा कर दिया या उसका लेबल ऊंचा कर दिया। इन सब बातों के करने से नतीजा यह निकला कि जितना पानी उसे पहले मिलता था उतना अब नही मिलता और उसकी फसल को नुक्सान हो गया। इसको गवर्नमैंटल कैलेमिटीज कहते हैं। इसमें ऐसी कैलेमिटीज का भी प्रावधान होना चाहिये। दूसरी बात है कि किसान की फसल खडी़ हो जाती है और उसमें फल लगने लग जाता हैं। उस वक्त उसमें कीड़ा लग जाता हैं। कीडो़ की दवाई लेते हैं लेकिन दवाई खराब होती है और कीड़े मरने की बजाए उस दवाई से किसान की फसल मर जाती हैं। इसमा मेरें पास कंक्रीट उदारहण हैं। एक दवा आई0 एस0 आई0 मार्क थी औरप रागोर उसका ट्रेड मार्क था। फरीदाबाद की एक कम्पनी उसको बनाती हैं। उस दवाई के इस्तेमाल करने से हिसार डिस्ट्रिक्ट मे आठ सत्तर लाख की फसल खराब हो गई और उस कम्पनी ने यह एडमिट किया हैं कि उस दवा के कारण ही किसानों की फसल तबाह हुई हैं। यह स्टेट एक वैलफैयर स्टेट है। सरकार को फर्ज बन जाता हैं कि जब भी इस तरह का नुक्सान हो तो किसानों को उसका मुआवजा दिया जाए। कल मैने ट्रांसपोर्ट के रूटस के बारे में बात कही थी और चीफ मिनिस्टर ने

उसका जवाब दिया था। मै उसके बारे में यह कहना चाहता हूं . . . .

श्री अध्यक्षः अब आप खत्म करें। आप फिर रिपीट कर रहे है कि कल मैनें बात कही थी उसका चीफ मिनिस्टर ने जवाब दिया। कल वाली बात को आप आज रिपीट न करे।

प्रो0 सम्पत सिंहः मै तो उस बात को क्लीयर करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब की अध्यक्षता में हिसार में ग्रिविसैन्सिज कमैटी की मीट्रिह हुई थी। मैने उसमें कहा था कि प्राइवेट ट्रांसपोर्टर जिसका नाम है मनीराम हैं, और जो चीफ मिनिस्टर का दोस्त है, नजदीकी रि तेदार हैं, को रूट परमिट दिया गया हैं और जो बस के टाईमिंग्ज है वे गल्त तौर पर बदल दिये गए हैं। उसी समय जी0 एम0 रोडवेज माइक पर आया और उसने एडमिट किया कि हमसे ओमि ान हुई हैं और हम एस0टी0सी0 को लिख रहे हैं।(ाोर एव व्यवधान)

चोधरी भजन लालः स्पीकर साहब, वह राजस्थान गवर्नमैंट को रूट हैं। जहां तक टाइमिंग्ज का सम्बन्ध है दोनो स्टेट्स के औफिसर्ज आपस में बैठकर तय करतें है और राजस्थान गवर्नमैंट जिस आदमी को चाहे रूट परमिट दे सकती है(ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जहा तक इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट की बात है उसका टाईम टेबल दोनो स्टेट्स के औफिसर्ज आपस में बैठकर बनाते हैं।(ाोर एव व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः मुख्यमंत्री ने कहा है कि दोनो स्टेट्स के औफिसर्ज बैठकर उसका टाईम टेबल बनाते हैं लेकिन जिस आदमी का नाम ये ले रहे हैं वह तो इनका खास आदमी हैं।(ाोर एव व्यवधान)

चोधरी भजन लालः मैने कहा है कि यह गल्त नही है। मै देवी लाल की तरह नही हू जो अपने लड़के को लड़का मानने से इंकार कर दे।(ाोर एव व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः इन्होने यह कहा था कि उसको मनीराम मान लिजिए या भजन लाल मान लिजिए। It is well know throughout Haryana that Shri Mani Ram Mangroo is a close man of Shri Bhajan Lal. Why should he deny it? He should not deny it.

चोधरी भजन लालः मै तो मानता हूं कि वह मेरा आदमी हैं(ाोर एव व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः दोस्त होना बुरी बात नही है लेकिन सवाल तो यह हैं कि जब दोनेा स्टेट के औफिसर्ज बैठकर टाईम टैबल बनाते है तो क्या कारण था कि पहले वाले टाईम की बजाए दूसरा टाईम दिया गया हैं। It shows that the officers were pressurised. This House is being misled.

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह तो वकील हैं। समझ नही आता कि ये किस ढंग की बात कर करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि इंटर स्टेट रूटस पर जब बस चलाई जाती हैं तो हरेक स्टेट बाकायदा एक–एक किलोमीटर का हिसाब रखती है। अगर हरियाणा राजस्थान में अपनी बसे दो हजार किलोमीटर चालाऐगा और उसका टाईम भी दोनों स्टेट्स ही बैठकर तय करेगी। राजस्थान स्टेट जितनी प्राईवेट बस चलाएगा उसका टाईम भी राजस्थान गवर्नमैंट ही तय करेगी हमारे साथ बैठकर कि इतने टाईम और इस टाईम पर एक साल बस चलेगी और इतने टाईम पर छः महीने तक चलेगी और इतने टाईम इसी तरह चलेगी हमारी बसे चलेगी।(ाोर एव व्यवधान) आपको हाउस में बैठकर ऐसी बाते नही कहनी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप कहते है कि राजस्थान सरकार तय करती हैं कि रूट परमिट किसको देना हैं। आप तो ऐसी बात कहते है जिसका सिर पैर ही न हो।(ाोर एव व्यवधान) आप तो इस तरह के उपदे ा रोज ही देते हैं (ाोर एव व्यवधान)

चोधरी भजन लालः मैं तो मनी राम को दोस्त मानता हूं। देवी लाल की तरह नही हूं जो यह कहे कि मेरा दोस्त लड़का नही है।(ाोर एव व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप तो उस वक्त उस लड़के के वकील थें क्योंकि उस समय आपमो वह सूट कर रहा था। आप

यह बताएं कि जब से हरियाणा में ट्रांसपोर्ट ने ानेलाइज हुई है जब से किजनी गाड़ियो के टाईम बदले हैं?

चोधरी भजन लालः कितनी * * * * * * * बात कर रहे हैं। मैने पहले भी बताया हैं कि जितने किलोमीटर राजस्थान की बसें या राजस्थान की प्राईवेट बसें हरियाणा मे कवर करेंगी उतने किलोमीटर ही हरियाणा की बसें राजस्थान में जाएंगी और टाइमिंग्ज के बारे में दोनो स्टेट्स तय करती हैं कि किस–किस टाईम पर बस चलानी हैं।(ाोर एव व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने * * * * * * भाब्द कहा हैं कि इसको कार्यवाही से निकलवा दीजिए।

श्री अध्यक्षः बेहूदा भाब्द एक्सपंज कर दिया जाए।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो असलियत होगी, वह तो हमें यहां हाउस के सामने कहनी ही पड़ेगी, चाहे सरकार को वे बातें चुभती ही क्यों न हों। फैक्ट्स तो हमें बताने ही पड़ेगें। स्पीकर साहब, मैं रोड़वेज के मुताल्लिक बता रहा था। अगर एक कंडक्टर या ड्राईवर 5 या 10 रूपये की चोरी कर लेता हैं तो उस छोटी सी बात को खूब उछाला जाता हैं लेकिन जहां बड़ी–बड़ी चोरियां होती हैं, वहां कोई ध्यान नही दिया जाता। अपने ट्रांसपोर्ट मन्त्री महोदय को बताना चाहता हूं कि जितनी हेराफेरी, जितनी चौरियां हरियाणा रोडवेज की वर्क ाौप्स के अन्दर होती है उतनी कही नहीं होती। इसी कारण से करोड़ों

रूपये को सरकार का नुकसान हो रहा है। टायर–ट्यूब्ज और दूसरे स्पेयर पार्टस वर्क ाप्स में आने के बाद चोरी हो जाते हैं और फिर उसके बाद औपन मार्किट में बिकते हैं। इस चोरी को रोकने का एक तरीका है कि अगर उन पुर्जो पर टायरों और ट्यूब्ज पर हरियाणा रोडवेज के अपने मार्क्स लगे हूए हो तो इस तरह की चोरी पकडी़ जा सकती हैं और सरकार का जो करोड़ो रूपये का नुकसान हो रहा हैं, वह रूपया बच सकता हैं। यह मेरी सुजै ान हैं।

इससे आगे मै एजुके ान के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, यहां पर मोती लाल नेहरू स्पोर्टस स्कूल के लिये खर्चा मांगा गया हैं। स्पीकर साहब, पिछले 6 महीनों में एजुके ान विभाग में एम्पलाइह की बहुत सारी ट्रान्सफर्ज हुई हैं अगर वे न की होती तो कम से कम सरकार की दो तीन करोड़ रूपये की बचत हो सकती थी और वही रूपया स्कूलों की बिल्डिंग्ज के लिये, बच्चों की बहबूदी के लिए इस्तेंमाल किया जा सकता था और सरकार को यह पैसा न मांगना पड़ता। सरकार ने दो–दो चार–चार बार ऐम्पलाइज की ट्रांन्सफर्ज की हैं जिससे सरकार के ऊपर काफी बोझा पड़ा हैं। पता नही ये ट्रांन्सफर्ज किस वजह से होती रही हैं। अगर सरकार इस बात पर सीरियसली विचार करती कि ऐसा करने से सरकारी खजाने पर बोझा पड़ेगा तो फिर सरकारी पैसे के दरूप्रयोग को रोका जा सकता हैं औरप इसी पैसे से स्कूलों की हालत और बच्चों की हालत को सुधारा

जा सकता था। बच्चों की बहबूदी के लिये यही पैसा खर्च किया जा सकता था।

इससे आगें मैं सरकार की प्लानिंग के बारे में बताना चाहता हूं कि किस अनप्लैन्ड तरीके से सरकार चल रही हैं। स्पीकर साहब, अगर कोई सरकार का काम 50 या 60 हजार रूपये का हैं तो लगभग 25 हजार रूपया तो उस काम के लिये नींव पत्थर रखने पर ही व्यय कर दिया जाता हैं। फर्ज करो कि एक छोटी सी पुलियां बननी हैं तो उसका उद्घाटन करने पर ही उस पुलिया का काम भाुरू होगा और चण्डीगढ़ से एक मन्त्री महोदय उस पुलिया का नीव पत्थर रखने के लिये जाऐगें। इसीलिये ऐसे कामों पर भी सकरकार को गौर करना पड़ेगा ताकि सरकारी पैसे का दुरूप्रयोग से बचाया जा सके।

इन्होने आगे पुलिस के लिये कुछ पैसे की मांग की है कि मधुबन पुलिस वालों के लिए क्वार्टज बनाने हैं इसलिये सरकार को जमीन खरीदनी हैं . . . . . .

श्री अध्यक्षः प्रोफैसर सम्पत सिंह जी आपको बोलतें हुए काफी समय हो गया हैं, आप बैठ जाईये। I call upon the irrigation & Power Minister to speak.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, यहां पर माननीय सदस्यों ने बिजी और पानी के बारे में काफी चर्चा की हैं, मै उनके बारे में कुछ

कहना चाहता हूं। सबसे पहले सागर राम गुप्ता जी ने कहा कि भिवान जिलें में नहरी पानी 25 परसैन्ट की मात्रा में ही मिल रहा हैं, इसके लिये मैं यहां पर एक दो आंकड़े बता देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले में जूई कैनाल, लोहरू कैनाल, सिवानी कैनाल, वैस्टर्न यमुना कैनाल जाती हैं औरप दादरी फीडर व भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी ये चैनल इनके हैं। जब ये चैनल पहले प्रैफ्रैन्स में चले थे तो इनमें पूरा पानी था, मासिवाये लोहरू लिफट कैनाल जो हैं, वह नौन–पैरेनियल कैनाल हैं लेकिन उसमें भी पानी इसलिये चलाया गया हैं क्योकि सूखे का वातावरण था। अगस्त से हमको यमुना में 12 हजार कयूसिक पानी हम को मिल रहा हैं और 200, 300 क्यूसिकस पानी रोजान यमुना के पानी में कटौती हो रही हैं। इसी कारण से हमें रोटे ान चेन्ज करनी पडी़। इस के बावजूद भी एक–दो प्रैफ्रेन्स में पानी की सप्लाई पूरी मिल रही हैं लेकिन तीसरे प्रैफ्रैन्स में पानी की सप्लाई कम हैं।

इसके साथ श्री कुलबीर सिंह ने बिजली के मीटरों के बारे में कहा। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहता हूं कि कंज्यूमर्ज को पहले बिजली बोर्ड मीटरों की सप्लाई करता था लेकिन मीटरों की भाार्टेज होने की वजह से कनैक ांज देने में काफी डिले हो जाती थी अब हमने यह फैसला किया हैं कि जो कंज्यूमर्ज अपने मीटर में अच्छे स्टैंडर्ड के स्वयं ले आएगें, बिजली बोर्ड उनको टैस्ट करने के बाद लगवाने की

आज्ञा दे देगा ताकि ज्यादा से ज्यादा कनैक ांज लोगों को दिये जा सके।

तीसरी बात मास्टर हुक्म सिंह जी ने कही कि बिजली किसानेां को दिन के समय मिलनी चाहियें और भी दूसरे कई माननीय सदस्यों ने इस बारें में अपने–अपने विचार रखे हैं। मैं आपके माध्यम से अध्यक्ष महोदय, हाउस को यह बताना याहता हूं कि सरकार को दिन में बिजली सप्लाई करने में कोई दिक्कत नही हैं और हमने तीन महीने पहले फैसला किया कि बिजली रात को भी देंगे ओर दिन को भी देंगें ए और बी ग्रुप्स के तौर पर। लेकिन मैं यह बता देना चाहता हूं कि जो लोग दिन में बिजली लेते हैं उनका फलक्चुऐ ान और बिजली की कटौती के कारण तीन चार घंटे बिजली कम मिलती हैं और वे हमें ाा नुकसान में रहतें है और रात वालों को पूरी बिजली मिलती हैं। उनको भााम 6 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक लगभग 11, 12 घंटे मुतवातिर बिजली मिलती हैं। इस बारे में किसानों ने हमसे मागं भी की हैं कि उनको रोज रात को ही बिजली दी जाए हालाकि उनको बिजली रोटे ान में मिलती हैं। इसलिये हम किसानों को पूरी बिजली पहले ही सप्लाई कर रहें हैं और किसान खु ा हैं।

इसके साथ–साथ श्री राम बिलास जी ने एक बात कही कि सारे हरियाणा हमें लगभग 35 हजार के करीब ट्रांसफारमर्ज जले हुए हैं। यह गलत हैं, मैने यह नही कहा था। मैनें यह कहा था कि टोटल हरियाणा में 35 हजार ट्रांसफारमर्ज हैं जिनमें से

केवल 424 जले हुए है।(ाोर) इससे आगें बिजली के रेटस के बारे में भी कहा गया कि किसानों से बिजली के रेट्स बहुत ज्यादा चार्ज किये जातें हैं। खासकर महेन्द्रगढ़ और भिवानी में जहां पानी बहुत गहरा हैं वहां 10 रूपये पर–हार्स पावर के हिसाब से चार्ज करते थें जोकि 10, 12 पैसे फी यूनिट के हिसाब से बनती थी। मैं सदन को यह बताना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड का 55, 60 पैसे पर–यूनिट के हिसाब से बिजली की प्रोडक ान का खर्चा आता हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हम अब तक उनको 40, 45 पैसे फी यूनिट के हिसाब से सबसिडाइज करते थे। क्योंकि वहां पर पानी बहुत गहरा है। और पानी का डिस्चार्ज बहुत कम है। अब हम ने केवल 5 पैसे पर–यूनिट के हिसाब पसे रेट बढाया हैं जोकि अब उनकों 45, 50 पैसे पर यूनिअ के हिसाब से नुकसान हो रहा हैं। इसके बावजूद भी हम किसानों से रेट कम चार्ज कर रहें हैं और किसानों को बिजली की पूरी सप्लाई दे रहे हें। एक बात और कहना चाहता हूं कि यहां पर माननीय सदस्य यह मांग करेंगें कि जो एम्पलाईज हैं, उनका डी0ए0 बढाया जाए, तनख्वाहें बढाई जाए, हाउस रैन्ट अलांऊस उनको दिया जाए, दूसरी सहूलियतें दी जाए। मैं यह मानता हूं कि यह बुरी बात नही हैं। इसके साथ–साथ वे यह भी माग करेंगें कि डिवैल्पमेन्ट के कामों पर भी खर्चा होना चाहियें। अब आप ही बताएं कि सरकार के पास कोई ऐसी म ाीन तो हैं नही कि सभी की मांग पूरी की जा सके। जितनें फण्डज हमारे पास अवेलेबल होंगे उनके अन्दर रह कर ही हम काम करते सकते हैं(ाोर एव व्यवधान) यहां पर

अध्यक्ष महोदय, मेरे कई विरोधी पक्ष के साथियो ने यह कहा हैं कि यह सरकार बिल्कूल नही चलेगीं, मै उनकों यह बताना चाहता हूं कि यह सरकार खूब चलेगी, यह कोई खोटी अठन्नी तो हैं नीह जो नही चलेगी। दरअसल में बात यह है कि ये विरोधी दल के भाई यह सोच कर के आये थै कि इनको राज गदि्दयां मिलेंगी, वो इनको मिली नही। इसलिये ये फरस्ट्रेटिड होकर ऐसी बातें कर रहें हैं(ाोर एव व्यवधान) इन भाब्दो के साथ में आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

राजस्व मन्त्री (चौधरी फूल चन्द): अध्यक्ष महोदय, एक दो बातें माननीय सदस्यों ने ऐसी कह दीं मालूम नही वे किस ढंग से डिबेट कर रहे थे। औलावृश्टि पर बोलते हुए एक सदस्य यह कह गयें कि पैसा बांटने में फेवर की गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सदन को बताना चाहता हूं कि इसमें न कोई रिजर्वे ान थी और न कोई कनसै ान था। जहां–जहां पर ओलावृश्टि हुई वहा–वहां पर स्पै ाल गिरदावरी करवाई गई हैं। जितना लौस जिसका हुआ है उसके मुताबिक उसको पैस बांटा गया हैं। भाइ हुकम सिंह जी कह गये कि आदमपुर में पैसा दे दिया और दूसरी जगहों पर नही दिया। उनके ज्ञान के लिये मैं बताना चाहता हूं कि आदमपूर में केवल 20 लाख रूपये बांटा गया और हांसी और नारनौल में 53 लाख रूपये बांटा गया हैं। मैं आपके द्वारा सदस्यों को वि वास दिलाना चाहता हूं कि इसमें

कोई गडबड़ नही होगी और जिसका जितना हक बनैगा, उसको दिया जाऐगा।

श्रीमति चन्द्रावती: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। वित्त मन्त्री जी जब जवाब दें तो वे एक बात यह भी बताएं कि रोहतक यूनिवर्सिटी में श्री हरद्वारी लाल जी से पहले जो वाइस चांसलर थे उन्होने पंचकूला यूनिवर्सिअी के लिये एक रैस्ट हाउस ले लिया हैं और पांच साल के लिए पैसा एडवांस में दे दिया हैं। मैं चाहती हूं कि वह पैसा उनसे वापिस लिया जाए। रोहतक यूनिवर्सिटी के लिये पंचकूला में रैस्ट हाउस की क्या जरूरत हैं?

वित्त मन्त्री (चौधरी कटार सिंह छोकर): अध्यक्ष महोदय, जैसे आपने आबजरवे ान भी की थी कि इस एप्रोप्रिए ान बिल पर बहुत लिमिटड चर्चा की जाए लेकिन आपका उदार हृदय है और आपने मैम्बरों को अपनी बातें कहने का मोका दिया। यहां ज्यादा बातें इर–रैलेवैंट कही गई। जैसे बिजली की बातें कही गई लेकिन इस बिल में बिजली का एक भी आइटम नही है। सभी मैम्बर्ज ने बिजली की कमी पर, बिजली के रेटस पर और ट्रांसफारमर्ज के जलने के बारे में बातें करते हूए ज्यादा समय लिया। चूकि चे भी महत्वपूर्ण बातें थी इसलिये हमारे मन्त्री महोदय ने उन बातों का जवाब भी दिया इसलिये मुझे उस बारें में औरप कहने की जरूरत नही हैं। इस एप्रोप्रिए ान बिल में केवल दो ही मुख्य आइटमें थी। इसमें 15 करोडं रूपये तो ओलावृश्टि की वजह

से किसानों को राहत देने के लिये हैं और 78 लाख रूपये ऐसा है जो जमीन को कन्पनसे ान देने के लिये हैं। समय–समय पर जिन लोगों की जमीन एक्वायर की गई उनमें से कुछ लोग अदालतों में गये और अदालतों ने उन्हे डिक्री दे दी। ऐसी डिक्रीज समय–समय पर अदालतों में होती रहती हैं औरप बहुत से केसिज में कम्पनसे ान बढता रहता हैं जब फाइनल निर्णय होता हैं तो वह पैसा गवर्नमैंट को एक नि चत डेट पर जमा करवाना पड़ता हैं। यह करीब 78 लाख रूपया होता हैं जो कोर्टस की डिक्रियो का हैं। ओलावृश्टि के लिये जों 15 करोड़ रूपया खर्च हुआ उसके लिये सदन के सभी मैम्बरो ने सहमति प्रकट कि है कि यह बहुत अच्छा काम है। बाकी जो कम्पनसे ान के लिये पैसा हैं वह चार्जड आईटम है औरप अस पर वोटिंग भी नही होती लेकिन उस पर भी सदस्यों ने काफी बातें कही। सभी बातों का जवाब देना तो सम्भव नही हैं। मोटी बात यह कही गई कि मुआवजा देर से मिलता हैं जिस वजह से लोगों को तकलीफ होती हैं। इस बारे में आदरणीय मुख्यमन्त्री जी ने कई बार इस सदन में स्पश्टीकरण दिया हैं और मै समझता हूं कि सरकार की नीति इस संबंध में हाउस के सामने रखी जा चुकी हैं। उन्होने बताया था कि लैंड एक्वीजी ान अफसर जमीन की कीमत की जो पांच साला औसत ली जाती हैं उसके अलावा मार्किट की कीमत को भी ध्यान मे रखा जाता हैं। जिस किसी पर्टिकूलर केस में देर लगी वह तो उन लोगों की अपनी मरजी थी कि वे अदालत में चले गयें। किसी आदमी को अदालत में जाने से रोका नही ता सकता। मुख्य मन्त्री

जी ने सिद्वान्त के रूप में यह बात मानी हैं कि कम्पनसे ान देते वक्त सारी बातों को ध्यान में रखा जाएगा और किसान के हित का भी ध्यान रखा जाएगा ताकि उनको जमीन की कीमत के बारे में कोई नुकसान न हो।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अब भी ऐसे केसिज है जिनको 5–5 साल से मुआवजा नही मिला।

चौधरी कटार सिंह छोकरः अगर कोई आदमी अदालत में चला जाता हैं तो उसे रोक नही सकता। फिर भी माननीय सदस्य कोई ऐसा केस ध्यान में लाएं कि कोई आदमी अदालत में न गया हो और उसको 5 साल से मुआवजा न मिला हों, हमे पूरी इन्क्वायरी करवाऐंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः भिवानी जिले में ऐसे सैंकडों केस हैं।(ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकरः आप कोई पर्टिकुलर केस बताएं, आपको जवाब दिया जाएगा। यहां पर दूसरी आपत्ति यह उठाई गई कि किसानों से जमीन लेकर कारखानेदारों को दी जाती हैं। यह बात गलत हैं। कारखानेदार तो पहले से ही अमीर होतें है ओर किसान गरीब होतें हैं। आज जो एप्रोप्रिए ान बिल हाउस के सामने हैं इसमें तो एक भी आइटम ऐसार नही जिसमें किसान की जमीन लेकर किसी कारखानेदार को दी गई हो। इसमें केवल एक आइटम थी वह भी इंडस्ट्रियल एस्टेट के लिये थी।

किसी पर्टिकुलर कारखानें के लिये कोई जमीन एक्वायर की गई हो, ऐसा एक भी उदाहरण नही है। जो जमीन एक्वायर की गई वह या तो किसी पुलिस स्टे ान के लिये की गई या किसी हस्पताल के लिये की गई या सरकारी सैक्रेटेरिएट के लिये की गई हैं। यानी जितनी भी जमीन एक्वार की गई वह सार्वजनिक कामों के लिये की गई। यह बात जो कही गई यह भी उचित नही लगी और यह खामखाह की बहस थी। जब चर्चा हो रही थी तो बहुत सी औरप भी इर–रैलेवैंट बाते कही गई थी। जिनका इस बिल से कोई संबंध नही था। ऐसी ही एक बात बहिन चन्द्रावती ने कह दी–

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साह, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं। मन्त्री महोदय हर बात में यह कह रहे हैं कि मैम्बरों ने इर–रैलवैंट बातें कही। ऐसा कह कर क्या ये चेयर पर एसप ार्न कास्ट नही कर रहें हैं? With your permission, the hon. Members have spoken.

Mr. Speaker: No question of aspersion is there.

13.00 बजें

चौधरी कटार सिंह छोकरः अध्यक्ष महोदय, ऐप्रोप्रिए ान बिल से सम्बन्धित जो बातें थी उनका जवाब मैने लगभग दे दिया हैं लेकिन फिर भी कुछ बातें रह गई जिनका जवाब देना बहुत

आव यक हैं। इस बिल पर बोलतें हुए बहुत से माननीय सदस्यों ने कहा कि किसानों को नैचूरल कलेमिटिज से फसल खराब होने का जो मुआवजा दिया जाता हैं वह सरकार की तरफ से बहुत देर से दिया जाता हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं पहले ही बता चुका हूं लेकिन फिर भी मै माननीय सदस्यों की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि जो पैसा सप्लीमैन्टरी के जरिए सदन से मंजूर करवाया जा रहा हैं उसकी डेट बता देना चाहता हूं वैसे तो डेट इस किताब में लिखी हुई हैं। पहला केस 1973 का हैं। इसमें दिल्ली रोहतक राजमार्ग पर बोहर गांव की जमीन एक्वायर की गई थी। दूसरा केस 1970 का है जिसमें कालका में ओधोगिक सम्पदा विकास कालोनी स्थामिज करेने के लिए जमीन एक्वायर की गई थी। तीसरा केस 1977 का जिसमें मधुबन में पुलिस लाईन के लिये जमीन एक्वायर की गई थी। चौथा केस 1974 का हैं जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिए मकान बनाने के लिए जमीन एक्वायर की गई थी। पांचवा केस 1976 का है। जिसमें थाने और रिहाय ी क्वार्टरों के लिए जमीन एक्वायर की गई थी। छठा केस 1974 का हैं जिसमें स्पोर्टस स्कूल, राई के विकास के लिये जमीन एक्वायर की गई थी। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, एक केस ऐसा नोटिस में आया था कि एक सरकारी कर्मचारी को समय से पहले ही डिस्चार्ज कर दिया गया। इसलिये गवर्नमैंट को उसे 7 महीने की तनख्वाह देनी पडी। वह कोट्र में चला गया। वह एक्सैप ानल केस था और वह फौजी आदमी था। सरकार ने उसको मिलिट्री डिसचार्ज सर्टीफिकेट के आधार पर रिटायर कर दिया लेकिन बाद

में रिकार्ड से यह पाया गया कि उसने जो मिलिट्री डिसचार्ज सर्टीफिकेट दिया था। उसमें उसकी उम्र ठीक नही थी। इसलिये उसके रिकार्ड से उसमी उम्र ठीक पाई गई और उसको जितना बैनीफिट मिलना चाहिए था वह उसको दे दिया। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, हैल्थ डिपार्टमैन्ट के एक ड्राइवर से एक एक्सीडैन्ट हो गया जिसके कारण एक बूढ़े आदमी की मौत हो गई। उसके बाद मृतक की पत्नी ने कोर्ट में मुआवजें के लिए केस दायर कर दिया। कोर्ट ने उसका मुआवजा देने का फैसला कर दिया। यह कोई ज्यादा अमाउन्ट भी नही था। यदि यह पैसा गवर्नमैंट उसी वक्त दे देती तो काई आपित्त वाली बात नही थी।लेकिन ऐसा होता है कि ऐसे केस में मुआवजा दिया जाए तो कितना दिया जाए उसका अमांउट कोर्ट में ही तय होता हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई स्कीम नही है कि एक आदमी की एकसीडैन्ट से मौत हो जाए और उसके परिवार वाले यह कहें कि हमें एक लाख या 50 हजार रूपया मुआवजें का मिलना चाहिये। सरकार की तरफ से ऐसे केसिज में 10 या 20 हजार रूपये तक निि चत किए जातें हैं। इस लिये ऐसे केसिज में अदालत मुआवता तय करती हैं कि इतना अमांउट दिया जाए। इसलियें यह अनिवार्य हैं कि ऐसे केसों का मुआवजा अदालत से तय करवाया जाऐ। आंयदा के लिये इस बात का पूरा–पूरा ध्यान रखा जाएगा कि ऐसे केसिज में देरी न हों। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, कई माननीय सदस्य ने यह कहा कि मेरे हल्के में केवल बिजली का ही साधन हैं दूसरे सोर्सिज से पानी नही मिलता। इसलिये मेरे हल्के में ज्यादा

बिजली मिलनी चाहिए। किसी माननीय सदस्य ने कहा कि मेरे हल्के में ट्यूबवैल कामयाब नही हैं क्योकि जमीन के नीचे पानी ठीक नही हैं इसलिये नहरों में ज्यादा पानी दिया जाएं। अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में एक काल अटैन्ा ान मौ ान के जवाब में आई0 पी0 एम0 साहब ने सदने को बता दिया था। इसके अलावा जितनी नहरें है वे इस समय लगभग पूरा पानी दे रही हैं और जहां भी पीने का पानी जा सकता हैं वह जा रहा हैं। अध्यक्ष महोदय, बहन चन्दावती ने इस बिल पर बोलतें हूए कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार चल ही नही रही है, प्रदे ा मे ला एन्ड आर्डर ठीक नही है औरप एस0 एस0 एस0 बोर्ड में बहुत करप ान हैं। अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने चारों तरफ से करप ान दिखाई दे रही हैं और सरकार सोई हुई नजर आ रही है। बहन जी को यह बहम हो गया हैं कि इन्हे सरकार सोई हुई नजर ओ रही हैं। मैं बहन जी का वहम दूर करने के लिये कहना चाहता हूं कि सरकार बिल्कूल ठीक काम कर रही हैं और प्रदे ा के विकास के कार्य बहुत तेजी से हो रहे हैं। सरकार सोई हुई नही है। आप अगर ध्यान से देखें तो आपकों यह सरकार जागी हुई नजर आएगी। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने खर्च कर दिया लेकिन इनको यह पता नही कि कल्चर क्या चीज हैं। मैं बहन जी की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि एजूके ान हैड के नीचे जो पैसा खर्च किया गया हैं वह स्पोर्टस स्कूल, राई के विकास के मुताल्लिक खर्च किया गया और वह एजूकै ान के हैड में लिखा हुआ हैं। आर्ट और कल्चर एजुके ान के हैड के साथ जुड़े हुए

हैं। इसलिये बहन जी को यह भ्रम हो गया है कि यह पैसा क्लचर पर खर्च किया गया हैं। अध्यक्ष महोदय, आर्ट क्लचर और एजुके ान इन तीनों का एक ही हैड हैं। इसके अलावा बहन जी ने कुछ दबी हुई जुबान में यह कहा कि पुलिस एडमिनिस्ट्रे ान में बहुत ही गलत तरीका इस्तेमाल किया जा रहा हैं और ला एन्ड आर्डर की हालत ठीक नही हैं। इसके साथ ही बहन जी ने यह भी कहा कि हरियाणा में एक दो कत्ल हर रोज होते हैं। अध्यक्ष महोदय, ला एन्ड आर्डर की हालत के बारे में कल प्र नात्तर काल के दौरान कई सवालों के जवाब मे सारी स्थिती स्पश्ट हो गई थी। सत्य यह है कि सारा दे ा इस बात को मानता हैं कि हरियाणा एक ऐसा प्रदे ा है जहां पर ला एन्ड आर्डर की कोई प्रोब्लम नही हैं। हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब और दूसरें प्रदे ा अपने यहां यह उदाहरण कोट करतें है कि हरियाणा एक ऐसा प्रदे ा है जहां पर बहुत डिवैल्पमैंट हुई हैं और भाान्ति भी बहुत हैं। लेकिन ठीक बात को मेरे विरोधी पक्ष के भाई खीचतान कर कहते है और अपने हल्के के लोगों को खु ा करने के लिए प्रचार के तौर पर बात को बढा चढाकर कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के सदस्यों ने पिछले दो दिन से अखबारों के जरिए इस बात का जहर फैलाया है और यह दावा किया हैं कि पुलिस के जितनें भी कर्मचारी हटाए गए हैं वे एक जाति वि ाश से संबंध रखते है। अध्यक्ष महोदय, मै विरोधी पक्ष के भाईयों से पुलिस कर्मचारियों के मामलें में प्रार्थना करूंगा कि यदि आप प्रदे ा में ला एन्ड ओर्डर चाहतें हैं और भाान्ति चाहते हैं तो आपकों अपने दिल पर काबू

रखना पड़ेगा। मैं इनसे यह बात भी कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में सबसे ज्यादा अ ाान्ति तो आप लोग फैलातें हैं। इसलिये मै आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप केवल प्रचार के तौर पर जनता में इस प्रकार का जहन न फैलाएं और इस प्रकार की स्टेटमैंट अखबारों मं न दें। अध्यक्ष महोदय, 363 पुलिस कर्मचारी हटाए गए हैं जिनमें से 161 कर्मचारी एक कम्यूनिटी के है बाकी अलग अलग कम्यूनिटी के हैं। (ाोर एव व्यवधान)

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मेरा प्यावंट आफ आर्डर है स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि मेरी जानकारी के अनुसार 641 पुलिस कर्मचारी हटाए गए हैं। वित्त मन्त्री, जी गलत स्टेटमैन्ट दे रहे हैं कि 363 कर्मचारी हटाए गए हैं। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: दहिया साहब, वित्त मन्त्री जी जो स्टेटमैंट दे रहे है वह छपेगी अगर आप इनकी बात गलत समझते हैं तो चैलेज कर दे। (ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकर: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बिल्कुल इररैलेवन्ट बोल रहे हैं। (ाोर)

चौधरी वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि जो पुलिस कर्मचारी हटाए गए हैं उनको बारे मे बोलने के लिये हमे कल भी मोका नही दिया गया और इन्होने दूसरे तरीके से अखबारों में अपनी स्टेटमैन्ट छपवानी चाही।

स्पीकर साहब, कल प्रैस स्टेटमैंट के जिरए अखबारो में छपा हैं कि सारे कर्मचारी एक ही जाति के हटाए गए हैं। फाईनैन्स मिनिस्टर साहब यह कहते हैं कि विरोधी पक्षके सदस्य इररैलैवैन्ट बात कहते हैं। ये हमारी हर बात को इररैलैवैन्ट कहते हैं। स्पीकर साहब, 93 परसैन्ट पुलिस कर्मचारी एक ही कम्यूनिटी के हटाए गए हैं। आप चाहे इस चीज की इन्क्वायरी करने के लिए एक कमेटी बना दिजिए और उस कमेटी के चेयरमैन भी बन जाएं, हमें मंजूर हैं। लेकिन हम यह बात कहते हैं कि पुलिस डिसिप्लिन में इनडिसिप्लिन नही होना चाहिए। स्पीकर साहब, यदि एक ही क्म्यूनिटी के साथ ज्यादती हो रही हैं और हम उसके बारे में न्याय देने की बात कहतें है तो ये कहते है कि यदि कोई बि नोई भी निकाला जाएगा तो हम उसके लिये भी कहेंगे कि यह ज्यादती हो रही हैं। यदि किसी एक क्म्यूनिटी के आदमीयों को सर्विस से निकाला जाएगा तो हम उसके बारे में जरूर बात कहेंगे। यह हमारा अधिकार हैं (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हम यह कह रहे है कि 600 के करीब पुलिस कर्मचारी नौकरी से बर्खास्त किए गए हैं और ये कह रहे है कि 363 निकाले गए हैं। हमारे नोटिस में 600–650 पुलिस कर्मचारी नौकरी से निकाले हुए आए हैं। हमारी बात को ये कह रहे हैं कि हम झूठ बोल रहे हैं। झूठ भाब्द इनको प्रयोग नही करना चाहिए।(ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, मै जो बात कह रहा हूं वह आकडो़ के आधार पर कह रहा हूं। मेरी इस बात को ये चैलेन्ज कर सकते हैं।

श्री अध्यक्षः आप कहते है कि 600 या 650 पुलिस कर्मचारी निकाले गए है और ये कह रहे हैं कि 363 कर्मचारी निकाले गए हैं। दोनों फिगर मै कन्ट्राडिक ान हैं।(ाोर)

डा0 मंगल सैनः वित्त मन्त्री जी तो यह कह रहे है कि हम झूठ बोल रहे हैं। हम झूठ नही बोल रहे। हम सच्च बोल रहें हैं।(ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, मैने ऐसा नही कहा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अभी जैसा वीरेन्द्र सिंह जी ने बताया कि इस मामले में एक कमेटी गठित कर दी जाए। मेरी भी यही राय हैं कि इस बात का निर्णय लेने के लिए एक समिति का गठन कर दिया जाऐ।(ाोर)

श्री अध्यक्षः मै इसे देख लूंगा।(ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, सारे साथियों ने इस बात पर जोर दिया है कि अनु ाासन बनाये रखा जाना चाहिए। सारे कर्मचारियों में अनु ाासन रहना चाहिए और खासकर पुलिस कर्मचारियों को तो अनु ाासन में रहना ही चाहिए। उन्होने

अनु ाासन को बनायो रखना होता हैं। इस बात पर किसी को आपति नही है कि पुलिस कर्मचारी नौकरी से क्यों निकाले गए। इनको तो आपति सिर्फ इस बात से है कि एक ही कम्यूनिटी के कर्मचारी निकाले गए है।(ाोर)

श्री कंवल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, इन्होने जिन कर्मचारियों को निकाला हैं उनको अनु ाासन भंग करने के आरोप में नही निकाला। स्पीकर साहब, आपकों याद होगा कि पंजाब में अमृतसर के अन्दर 300 जवान थे। उन्होने वहां पर खाने का बहिश्कार कर दिया था। लेकिन सरकार ने उन में से सिर्फ 100 को ही निकाला। यदि अनु ाासन भंग का मामला हो तो सभी कर्मचारियों पर होना चाहिए। सभी के सभी कर्मचारी नौकरी से निकाले जाने चाहिए थे। जबकि सरकार ने उन में से सिर्फ 100 कर्मचारियों को जो एक ही कम्यूनिटी के थे, नौकरी से निकाल दिया हैं।(ाोर)

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, ये प्रदे ा को नक ाा बिगाड़ना चाहतें हैं। इन्हें प्रदे ा का प्र ाासन बनाये रखने में सरकार को सहयोग देना चाहिए।(ाोर)

श्री मनफूल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, पानीपत के पास गांव छाजपुर में कुछ मजहबी सिख काफी सालों से बैठे हुए हैं। उनके पास कुछ एकड़ जमीन थी। उन पर उन्होने बाड़ी वगैरह लगा रखी थी। उस बाड़ी को कटवा

कर वित्त मन्त्री जी ने वह जमीन अपने रि तेदारों के नाम करवा दी है जबकि वह जमीन उनके नाम ही रहनी चाहिए। इन मजहबी सिखों को वहां पर कब्जा किए हुए काफी साल हो गए है। उन्होने डी0 सी0 साहब को भी एप्लीके ान वगैरह दी हुइ हैं। उन्होने प्राईम मिनिस्टर साहब को भी पत्र लिखा हैं और राश्ट्रपति जी को भी पत्र लिखा हैं। इसके साथ ही साथ उन्होने सरदार बूटा सिंह को भी इस बारे पत्र लिखकर सूचित किया हैं लेकिन उनकी कोई सनवाई नही हो रही। वे बेचारे गरीब हैं। ।(ाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही हैं।

Chautheri Phool Chand: They should not be allowed to say such things in this House. It is a wastage of the time.

चौधरी कटार सिंह छोकरः जो फिगर्ज मै दे रहा हूं उसके बारे में ये चैलेन्ज कर सकत हैं(ाोर) जहां तक भाई मनफूल सिंह का संबंध हैं, इन को मेरे से कोई गिला ि ाकवा हो सकता हैं। वैसे भी ये मेरे भाहर के नजदीक के रहने वाले हैं। इनको मैं अच्छी तरह जानता हूं। इनमें मेरा वि वास नही था, इसलिये मैं इनका अपने साथ नही लाया।(हंसी व ाोर)

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने मेरे को अपनी पार्टी के भाामिल करने के लिए बहुत कोि ा ा की। यहां तक कि मेरे छोटे भाई को जो पुलिस में नौकरी करता था, बर्खास्त कर दिया। मैने आज तक इनको या सरकार को यह नही कहा कि मेरे

भाई को क्यों बर्खास्त किया गया हैं? (ाोर) स्पीकर साहब, मै उस जाति से सम्बन्ध रखता हूं जिन्होने सतयुग के अन्दर राजा हरि चन्द्र को खरीद लिया था। (विघ्न)

चौधरी कटार सिंह छोकरः स्पीकर साहब, मेरी हाउस से प्रार्थना हैं कि बिल की कंसीड्रे ान मो ान को पास किया जायें।

Mr. Speaker: Now I will put the motion to the vote of the House.

प्र न है कि–

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (न0 4) बिल पर तुरन्त विचार किया जायें।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब सदन बिल पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेंगा।

क्लाज–2

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 2 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज–3

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 3 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

ि ाड्यूल

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि ि ाड्यूल बिल ि ाड्यूल हों।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज–1

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 1 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल का अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाईटल

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वित्त मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं कि बिल पास किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि बिल पास किया जाए।

श्री कंवल सिंह(घिराय): अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट ने बसों का किराया बढाया हैं लेकिन इस बिल में उसका काई जिक्र नही हैं। मैं गवर्नमैंट से यह जानना चाहता हूं कि क्या इसने अब किराया न बढानें का फैसला किया हैं या इसे ये किसी आर्डिनैंस के जरिए बढाएंगें?(विघ्न)

चौधरी कटार सिंह छोकरः अध्यक्ष महोदय, किराया बढाने का इसमें जिक्र नही आता। इसमें तो टैक्स का जिक्र आता हैं।(विघ्न)

चौधरी रो ान लाल आर्यः माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै आपका आभारी हूं क्योंकि तीन दिनों के बाद आज आपने मुझे बोलने का समय दिया हैं।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, यह तो आपने बड़ी खराब बात कह दी। इतना समय देने के बावजूद भी अगर यह कहा जाए, तो बड़े अफसोस की बात हैं। आज भी ट्रेजरी बैचिज से केवल दो आदमी बोले हैं।(विघ्न) कुछ सोच समझ कर यहां बात कहनी चाहिए।

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, हम आपके आभारी है क्योंकि आपने हमें काफी टाईम दिया।

श्री अध्यक्षः आप अपने मैम्बर्ज को भी तो समझाएं कि यहां कैसे बात करनी चाहिए।

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि ये नए मैम्बर्ज हैं।

चौधरी रो ान लाल आर्यः अध्यक्ष महोदय, इस समय ऐप्रोप्रिए ान बिल के ऊपर बहस हो रही हैं। मैं भी इस सम्बन्ध में कुछ बातें कहना चाहगां। अध्यक्ष महोदय, प्राकृतिक आपदाओं की वजह से सरकार लोगों कुछ मुआवजा देती हैं लेकिन बहुत से इलाके ऐसे है जहां लोगों को कोई रिलिफ नही दिया जाता। उदाहनण के रूप में आप मेर हल्के को ही ले लीजिए। वहां आग लग जाने की वजह से बहुत से गांव जल गए थें लेकिन उनकों कोई राहत नही दी गई। चोढ़पुर कलां में तो लोगो के प ा भी जल गए, अनाज भी जल गय और बिस्त्रप आदि भी जल गए लेकिन वहां लोगों को कुछ भी राहत नही दी गई। मैने सरकारी

अधिकारीयों को लोगो के प्रार्थना पत्र भिजवाए परन्तु आज तक उन पर कोई एक ान नही लिया गया। सरकार इस तरफ ध्यान दें।

अध्यक्ष महोदय, छछरौली मे हस्पताल, ट्रेजरी, ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज और रैस्ट हाउस की बिल्डिंग पी0डब्ल्यू0डी0(बी एन्ड आर0) ने अनसेफ डिक्लेयर की हुई है लेकिन इसके बावजूद भी आज तक कोई नई बिल्डिंग बनाने को कोई प्रबन्ध न्ही किया गया हैं। सरकार इस और भी कृपया ध्यान दें।

अगली बात अध्यक्ष महोदय, मै सरकार के नाटिस में यह लाना चाहूंगा कि कई सड़को का ज्यादातर हिस्सा तो बन गया हैं लेकिन एक डेढ किलोमीटर के टुकड़े न बनने की वजह से वह सडकें भी बेकार हो गई हैं सरकार को चाहिए कि ऐसी सड़कों को जल्दी से जल्दी कम्पलीट करवाए।

ि ाक्षा विभाग के बारे में मेरा सुझाव है कि हरियाणा के संस्कृत साहित्य ऐकैडमी बनाई जाए जिससे संस्कृत भाशा का विकास हो सकें औरप नए लेखक और विद्वान छुपी पड़ी हुई संस्कृत साहित्य की बहूमूल्य निधी को रो ानी में ला सके।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में आदे ार्ा गावों का निर्माण किया जाना चाहिए। हर जिले मे कम से कम एक आद ार्ा गाव

बसाया जाए ताकि लोगों को सफाई और स्टैन्डर्ड से रहने की ट्रैनिंग मिल सके।

स्पीकर साहब, सरकार को चाहिए कि स्माल स्केल इंडस्ट्रीज को बढावा देकर वह गांव में लाखों बेकार बैठे हुए काम करने की क्षमता रखने वाले नोजवानों की बेकारी दूर करें।

अध्यक्ष महोदय, ट्रांसपोर्ट एक कम्यूनिके ान के सम्बन्ध में एक सुझाव में सरकार को देना चाहूंगा। सरकार को ऐसा प्रबन्ध करना चाहिए कि गांव के लोगों को भी लोकल बस सर्विस की सुविधा मिल सके। आज लोग न तो कोर्टस में समय से पहुंच सकते हैं, न हस्पताल में टाईम से पहुंच सकते हैं और न ही बच्चे समय से स्कूल जा सकते है।।

अध्यक्ष महोदय, छछरौली तहसील हैडक्वार्टर है लेकिन वहां नाम के लिए भी मोटर भौड नही बनाया गया हैं। रोडवेज अधिकारियों को चाहिए कि वहां जल्दी से जल्दी या तो मोटर भौड बनाया जाए या बस स्टैन्ड बनाया जाए।

स्पीकर साहब, मेरे हल्के में हिमाचल के बोर्डर से लगता हुआ खिजराबाद नाम का एक गांव है। वहां हस्पताल तो है लेकिन दवाइयों की व्यवस्था नही हैं। मैं वहा स्वास्थ्य मन्त्री जी से कहना चाहूंगा कि वे किसी दिन वहां अचानक छापा मारें। वहां का डाक्टरप हमे ाा भाराब पिये रहता हैं।(विघ्न) इन भाब्दों के

साथ आपका धन्यावाद करते हुए अध्यक्ष महोदय, मै अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि बिल पास किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः जैन्टलमैन, अन्त मै आ रो ान लाल आर्य जी ने एक ऐसी बात कह दी जिससे मै बड़ा महसूस कर रहा हूं। हर मैम्बर साहब को इतना अकमोडेट करने के बाद भी अगर यहां ऐसी बात कही जाए तो अच्छा नही लगता। (विघ्न) फिर भी आप साहेबान ने जो ओआप्रेरून दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

श्रीमति चन्द्रावतीः सर, इसमे कोई भाक नही कि आपने हमे बडा़ अकमाडेट किया। नया मैम्बर होने की वजह से उन्होन ऐसी बात कह दी वरना कोई ऐसी बात नही हैं हम इस बात के लिये आपका बहुत धन्यावाद करते हैं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हम आपके तो बहुत आभारी हैं लेकिन चौधरी भजन लाल जी से यह कहना चाहते है कि अब चूंकि इन्होने काफी माल इक्ट्ठा कर लिया हैं इसलिये जल्दी जल्दी सै ान बुला लिया करें क्योंकि अब तो इन्हें कोई खतरा नही हैं।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब हाउस साईन–डाई ऐडजर्न किया जाता हैं।

13.26 बजें

(तत्प चात सदन साईने–डाई ऐडजर्न हुआ)।